नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि शुक्र ग्रह देवी चंद्रघंटा द्वारा शासित है।

नवरात्रि का तीसरा दिन

चन्द्रघन्टा

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

लखनऊ | वर्षः 15 | अंकः 349 | मूल्यः ₹3.00/- | पेज : 12 | शनिवार | 05 अक्टूबर, 2024

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper

लड्डू में मिलावटी घी के इस्तेमाल के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी बनाई, सीबीआई डायरेक्टर करेंगे मॉनिटरिंग

तिरुपति लड्डू विवाद की जांच नई एसआईटी करेगी

- सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- एसआईटी बनाएं, इसमें सीबीआई और आंध्र पुलिस के 2-2, एफएसएसएआई का एक अधिकारी होगा
- शीर्ष कोर्ट ने कहा- यह आस्था का सवाल, राजनीतिक ड्रामा नहीं चाहते

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति प्रसादम में मिलावट के आरोपों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। एसआईटी टीम की मॉनिटरिंग सीबीआई डायरेक्टर करेंगे। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया है। एसआईटी में सीबीआई डायरेक्टर की ओर से मनोनीत दो सीबीआई अधिकारी, दो राज्य पुलिस के अधिकारी और एक एफएसएसएआई के अधिकारी शामिल होंगे। अब राज्य सरकार की ओर से गठित एसआईटी की बजाय ये नई एसआईटी जांच करेगी। कोर्ट ने कहा कि वो नहीं चाहता है कि ये मामला सियासी ड्रामा में तब्दील हो। मामला करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा है। इसलिए वो इस मामले में स्वतंत्र एसआईटी की जांच का आदेश दे रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा था कि भगवान को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जो रिपोर्ट सार्वजनिक हुई है वो जुलाई की है लेकिन मुख्यमंत्री इसको लेकर सितंबर में बयान दे रहे हैं।

सनातन के लिए कुछ भी त्याग सकता हूं

आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के प्रसादम में जानवरों की चर्बी मामले पर डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने कहा, प्रसाद में मिलावट आइसबर्ग जैसा है। इसके नीचे बहुत कुछ है, जिसकी जांच होनी चाहिए। दरअसल लड्डू विवाद सामने आने के बाद डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने 11 दिन की प्रायश्चित दीक्षा ली थी। 3 अक्टूबर को दीक्षा खत्म होने के बाद उन्होंने वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए और बाद में एक जनसभा को संबोधित किया। पवन ने कहा- सनातन को मिटाने वाले खुद मिट्टी में मिल जाएंगे। मैं सनातन धर्म का पालन करता हूं और उसके लिए सब कुछ त्याग भी सकता हूं।

आंध्र प्रदेश सरकार से पूछे थे कई सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार से पूछा कि प्रसाद के लड्डू बनाने में दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था या नहीं? टीडीपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि लोगों ने शिकायत की थी कि लड्डू का स्वाद ठीक नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोगों को इसकी जानकारी नहीं थी, आपने सिर्फ बयान दिया है। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि प्रसाद के लिए दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था।

सीएम नायडू ने लैब रिपोर्ट सार्वजनिक की, विवाद बढ़ा

जुलाई में सामने आई रिपोर्ट में लड्डुओं में चर्बी की पुष्टि हो गई थी। हालांकि, टीडीपी ने दो महीने बाद रिपोर्ट सार्वजनिक की। सीएम नायडू ने 18 सितंबर को आरोप लगाया था कि पूर्व जगन सरकार में तिरुपति मंदिर के लड्डू में इस्तेमाल होने वाले घी में जानवरों की चर्बी और फिश ऑयल मिलाया गया था। टीडीपी ने एक लैब रिपोर्ट दिखाकर अपने आरोपों की पुष्टि का दावा भी किया। नायडू ने कहा, जब बाजार में 500 रुपए किलो घी मिल रहा था, तब जगन सरकार ने 320 रु. किलो घी खरीदा। ऐसे में घी में सप्लायर की ओर से मिलावट होनी ही थी। जगन सरकार द्वारा कम दाम वाले घी को खरीदने की जांच होगी। पशु चर्बी वाले घी से बने लड्डुओं से तिरुपति मंदिर की पवित्रता पर दाग लगाया है।

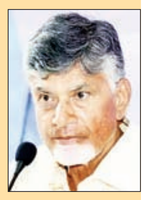

> हमारे आदेश को एसआईटी सदस्यों की स्वतंत्रता या निष्पक्षता पर सवाल के तौर पर न देखा जाए। हम केवल देवता में आस्था रखने वाले करोड़ों लोगों की भावनाओं को शांत करने के लिए एसआईटी बना रहे हैं।
> -सुप्रीम कोर्ट

वकीलों की दलीलें

> चर्बी के इस्तेमाल के पुख्ता सबूत हैं। अगर आरोपों में कोई सच्चाई है तो यह बिलकुल मंजूर नहीं है।
> -सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता
> केंद्र के वकील

> 66 कौन सी रिपोर्ट में यह लिखा है। वह वनस्पति वसा है, एनिमल फैट नहीं है। कोर्ट को स्वतंत्र जांच के आदेश देने चाहिए।
> -कपिल सिब्बल
> टीडीपी पूर्व प्रमुख के वकील

> एसआईटी से ही जांच करवाने की अपील करता हूं। राज्य सरकार ने भावनाओं को ध्यान में रखते हुए एफआईआर की है।
> -मुकुल रोहतगी
> आंध्र सरकार के वकील

> हमें अब पता चला कि घी मेन सप्लायर ने दिया ही नहीं था। लैब रिपोर्ट भी सामने आ गई है। टीडीपी ने एक रिट लगाई थी।
> -सिद्धार्थ लूथरा
> तिरुपति मंदिर के वकील

लड्डू में मिलावट तो भ्रष्टाचार का एक छोटा सा नमूना: आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण

इससे पहले आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा था कि लड्डू में मिलावट का मामला तो भ्रष्टाचार का एक छोटा सा नमूना है। पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में लिए गए कई और फैसले भी हैं, जिनकी जांच की जानी चाहिए। यहां गुरुवार को एक रैली को संबोधित करते हुए पवन कल्याण ने कहा कि मैं लड्डू में मिलावट के लिए युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी को व्यक्तिगत रूप से दोषी नहीं ठहरा रहा हूं, बल्कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड भी इसके लिए दोषी है, जिसका गठन पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में किया गया था।

30 सितंबर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, क्या सबूत है कि लड्डू बनाने में दूषित घी का इस्तेमाल हुआ

कोर्ट ने कहा, जुलाई में लैब रिपोर्ट आई। वह स्पष्ट नहीं है। मुख्यमंत्री एसआईटी जांच के आदेश देते हैं और फिर सितंबर में मीडिया के सामने बयान देते हैं। एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति ऐसा कैसे कर सकता है। कोर्ट ने तिरुपति मंदिर की ओर से पेश हुए वकील सिद्धार्थ लूथरा से पूछा- इस बात के क्या सबूत हैं कि लड्डू बनाने में दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था। इस पर वकील ने कहा कि हम जांच कर रहे हैं। इसके बाद जस्टिस गवई ने पूछा, फिर तुरंत प्रेस में जाने की क्या जरूरत थी? आपको धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना चाहिए।

हेलमेट और सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले सरकारी कर्मी अनुपस्थित माने जाएंगे

इसके लिए सभी सरकारी कार्यालयों में सुरक्षाकर्मियों और सीसीटीवी की मदद ली जाएगी

- योगी सरकार ने राज्य कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए बड़ा आदेश जारी किया है
- मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की तरफ से यह आदेश जारी किए गए हैं

जन एक्सप्रेस। डॉ. वैभव शर्मा

लखनऊ। योगी सरकार ने अब सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की मनमानी पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। यूपी में अब हेलमेट और सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले सरकारी कर्मी अनुपस्थित माने जाएंगे। योगी सरकार ने राज्य कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए बड़ा आदेश जारी किया है। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत नया आदेश जारी किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों को कार्यालय आने पर हेलमेट और सीट बेल्ट पहनना अनिवार्य होगा। इसके लिए सरकारी कार्यालय परिसर में चेतावनी सूचक बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं। आदेश की अवहेलना की पुनरावृत्ति होने पर कार्यालय में उनका प्रवेश निषेध करने के साथ अनुपस्थित माना जाए, इसके लिए सभी सरकारी कार्यालयों में सुरक्षाकर्मियों और सीसीटीवी की मदद ली जाएगी। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की तरफ से यह आदेश जारी किए गए हैं।

सड़क हादसों में बढ़ती मौतें पर सरकार की चिंता

बुधवार से शुरू हुए 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान के तहत यह फरमान जारी किया गया है। मुख्य सचिव ने कहा कि सड़क हादसों में बढ़ती मौतें चिंता का विषय हैं। ऐसे में सरकारी विभागों के कार्यालयों में भी हेलमेट और सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले कार्मिकों पर सख्ती बरतने का निर्देश दिया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि स्कूलों, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में भी हेलमेट और सीट बेल्ट को लेकर जागरूक करने का निर्देश दिया गया हैं।

उन ब्लॉक स्पॉट को चिन्हित किया जाए जहां हादसे ज्यादा होते हैं

मुख्य सचिव ने कहा कि आगामी त्योहारों में सड़कों पर भीड़ को देखते हुए भी जरूरी दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। संबंधित विभाग को सुरक्षा पखवाड़ा आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, कहा गया है कि उन ब्लॉक स्पॉट को चिन्हित किया जाए जहां हादसे ज्यादा होते हैं। सड़कों पर खतरनाक जगहों को चिन्हित कर नगर विकास विभाग द्वारा वहां लाइट और वार्निंग बोर्ड लगाने की व्यवस्था की जाएगी।

मजदूरों को लेकर जा रहे ट्रैक्टर को ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर, 10 की मौत

जन एक्सप्रेस। मिर्जापुर

मिर्जापुर जिले के कछवां बाजार थाना अंतर्गत कटका गांव स्थित नेशनल हाईवे पर शुक्रवार की आधी रात को एक बेकाबू ट्रक ने मजदूरों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली में जोरदार टक्कर मार दिया, जिसमें मिर्जामुराद (वाराणसी) के रामसिंहपुर/ बीरबलपुर गांव स्थित दलित बस्ती के 10 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि तीन लोग ट्रामा सेंटर में भर्ती करा उपचार जारी हैं। घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया। चारों ओर रोना धोना चीख-पुकार सुनाई दे रहा था। लिफ्ट मिक्कर मशीन (ढलाई मशीन) के मालिक भानु प्रताप की 4 वर्ष पहले शादी हुई थी। भानु दो भाइयों में बड़ा था था। इनको 2 वर्ष की एक बेटी (पीहू) है। पत्नी शशि व मां रीता देवी का रो-रोकर बुरा हाल रहा। मृतक विकास कुमार तीन भाइयों में सबसे बड़ा और अविवाहित बताया है। स्नातक की पढ़ाई के साथ ही मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। मृतक की मां अनीता का रो-रोकर बुरा हाल रहा। अनिल कुमार चार भाइयों में सबसे बड़ा व सूरज छोटा भाई था। दोनों सगे भाई बताए गए। पिता हुबलाल खेती का काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते है।

घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं: अनुप्रिया पटेल

मिर्जापुर की सांसद और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने सड़क हादसे 10 लोगों के मौत को लेकर शोक संवेदना व्यक्त की है। कहा हैं कि ज़िले के कछवा थाना क्षेत्र में हुए दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में 10 लोगों के दु:खद निधन से मन व्यथित है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति और शोक संतप्त परिवारों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें। इस दुर्घटना में घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

पीएम ने व्यक्त किया शोक

वाराणसी के सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है। मृतक के परिवारों में प्रत्येक को दो लाख रुपये के मदद की घोषणा की है। घायलों का इलाज बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। प्रधानमंत्री ने घायलों के समुचित इलाज का भी निर्देश दिया है।

सीएम ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए

मीरजापुर में हुई सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा दु:ख प्रकट किया है। सीएम योगी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभु श्रीराम से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त से यूपी के 2.25 करोड़ से अधिक किसान होंगे लाभांवित

- पीएम महाराष्ट्र के वाशिम से जारी करेंगे पीएम किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त
- यूपी के किसानों को 17 किस्तों के माध्यम से मिल चुके हैं 74,492.71 करोड़ रुपये
- देश के लगभग 9.51 करोड़ किसानों के खाते में सीधे स्थानांतरित होंगे 20,552 करोड़ रुपये

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को महाराष्ट्र के वेगॉल (वाशिम) में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी करेंगे। इससे उत्तर प्रदेश के 2,25,91,884 किसानों के खातों में कुल 4,985.49 करोड़ रुपये की धनराशि स्थानांतरित की जाएगी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ने किसानों की आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से उत्तर प्रदेश के किसान लगातार इस योजना का लाभ उठा रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है और कृषि क्षेत्र में स्थिरता आ रही है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने केंद्र सरकार की योजनाओं को तत्परता से लागू करते हुए शानदार प्रगति की है। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने पत्रकारवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में योजना की शुरुआत से लेकर जुलाई 2024 तक सभी 17 किस्तों के माध्यम से किसानों को अब तक कुल 74,492.71 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इस अवधि में राज्य के 2.76 करोड़ किसानों को कम से कम एक बार इस योजना का लाभ प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त का वितरण 18 जून 2024 को वाराणसी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था। इस दौरान 2,14,55,237 किसानों को 4,831.10 करोड़ रुपये की धनराशि वितरित की गई थी। इसके साथ ही, जिन किसानों की किस्तें किसी कारणवश रुकी हुई थीं, उन्हें 46.70 करोड़ रुपये की राशि उनके डाटा सुधार के बाद दी गई थी।

देश के लगभग 9.51 करोड़ किसान होंगे लाभांवित

पीएम किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त से पूरे देश के लगभग 9.51 करोड़ किसानों लाभांवित होंगे। 20,552 करोड़ रुपये की धनराशि सीधे किसानों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जाएगी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना की शुरुआत दिसंबर 2018 में किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से की गई थी। इस योजना के तहत, किसानों को आर्थिक सहायता के रूप में हर चार महीने में 2,000 रुपये की किस्त दी जाती है, जिससे एक साल में उन्हें कुल 6,000 रुपये की सहायता प्राप्त होती है।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ 30 नक्सली मारे गए

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। दंतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ में शुक्रवार को सुरक्षा बलों की नक्सलियों से मुठभेड़ में 30 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले के बॉर्डर पर मुठभेड़ हुई। सर्च ऑपरेशन में 14 नक्सलियों के शव मिले हैं। वहींं-च-47, एसएलआर समेत अन्य हथियार भी बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ ओरछा थाना इलाके के नेंदुर और थुलथुली गांव के बीच जंगल में हुई है। इस दौरान शव और ऑटोमैटिक हथियार बरामद हुए। एक दिन पहले नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले से जवानों को एंटी नक्सल ऑपरेशन पर भेजा गया था। शुक्रवार को जंगल में 2 घंटे तक रुक-रुककर फायरिंग होती रही।

मिशन शक्ति-फेज 5 अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस, ऑपरेशन मुक्ति, बाल कार्निवाल, वीरांगना दिवस और स्वावलंबन कैंप जैसे होंगे कार्यक्रम

सशक्त होंगी बेटियां, सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति बढ़ेगी जागरूकता

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

- मिशन शक्ति के आगामी चरण के तहत अक्टूबर से दिसंबर तक होंगे महत्वपूर्ण कार्यक्रम
- बेटियों और महिलाओं के साथ ही कार्यक्रमों में बच्चों के हितों को भी दिया जाएगा महत्व
- शारदीय नवरात्रि में जल्द ही मिशन शक्ति के पांचवें चरण का शुभारंभ कर सकते हैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार अपने विजन को प्रदेश में मिशन शक्ति के रूप में आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मिशन को और अधिक प्रभावी बनाने और महिलाओं को और अधिक सशक्त करने के लिए शारदीय नवरात्रि में इसके पांचवें चरण की शुरुआत करने जा रहे हैं। मिशन शक्ति के पांचवें चरण के तहत व्यापक पैमाने पर गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है जो कि दिसंबर माह तक चलेगा। इन कार्यक्रमों में महिलाओं के साथ-साथ बच्चों को भी सम्मिलित किया गया है। कार्यक्रमों की इस श्रृंखला में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस, ऑपरेशन मुक्ति, बाल कार्निवाल, वीरांगना दिवस, स्वावलंबन कैंप समेत कई कार्यक्रम शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रदेश में संचालित विभिन्न योजनाओं और सेवाओं के प्रति जागरूकता लाने के साथ-साथ उन्हें इससे लाभान्वित करना भी है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आगामी मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत अक्तूबर से दिसंबर तक जो गतिविधियां संचालित की जानी हैं, उसके अनुसार 11 अक्टूबर तक अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसमें लैंगिक समानता पर सेमिनार के साथ ही सफल महिलाओं के साथ टॉक शो, एक दिन की सांकेतिक जिलाधिकारी, कन्या जन्मोत्सव, बाल विवाह, संवाद, घरेलू हिंसा व कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न, अनंता जैसे विषयों पर जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। 11 अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन होगा, जिसमें प्रत्येक आंगनबाड़ी तथा राजकीय बालिका/शिशु गृहों में विशेष कन्या पूजन व उनके लिए प्रसाद ग्रहण का आयोजन किया जाएगा।

'बाल कार्निवाल' में बच्चों के हुनर को मिलेगी पहचान

10 से 14 नवंबर के बीच बाल कार्निवाल का आयोजन किया जाएगा। इसमें योग व मेडिटेशन के अतिरिक्त बच्चों द्वारा महापुरुषों के जीवन पर आधारित नाटक एवं ड्रामा का प्रदर्शन होगा। साथ ही खेलकूद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी, जबकि नृत्य गायन प्रतियोगिताओं के साथ-साथ पेंटिंग प्रतियोगिता कराई जाएगी। 14 नवंबर को बाल दिवस के उपलक्ष्य में कार्निवाल समापन समारोह में बच्चों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न कार्यक्रमों जैसे म्यूजिक, गीत, गान, नाटक आदि का आयोजन, व्यवसायिक शिक्षा, कौशल विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत बच्चों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रतियोगितों में फर्स्ट, सेकेंड और थर्ड आने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

महिला स्वावलंबन के लिए चलेगा 'स्वावलंबन कैंप'

30 नवंबर से स्वावलंबन कैंप की शुरुआत होगी। इसमें केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं (मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित महिला पेंशन, स्पॉन्सरशिप योजना) से लाभान्वित किए जा सकने वाले परिवारों, महिलाओं तथा बच्चों के आवेदनों की समस्त कार्यवाही इन वन विंडो कैंपस के माध्यम से पूरी की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के संबंध में संचालित योजनाओं का प्रचार प्रसार व महिलाओं एवं बालिकाओं को संरक्षण प्रदान करने वाले प्रमुख कानूनों व प्रावधानों के बारे में आमजन को जागरूक किया जाएगा। गठित स्थानीय व आंतरिक परिवाद समितियों का प्रशिक्षण कराया जाएगा।

बाल विवाह और बाल श्रम के विरुद्ध चलेगा ऑपरेशन मुक्ति

इसी माह 21 से 31 अक्तूबर तक ऑपरेशन मुक्ति अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत बाल विवाह तथा बाल श्रम के विरुद्ध सप्ताह भर जागरूकता एवं रेस्क्यू के लिए वृहद अभियान चलेगा। इस दौरान विभागों एवं प्राधिकारियों के बीच समन्वय के साथ कार्य करते हुए बाल विवाह या बाल श्रम के प्रकरणों में बच्चों को रेस्क्यू करने के लिए ऑपरेशन को संचालित किया जाएगा। रेस्क्यू किए गए सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर उन्हें उत्तर प्रदेश बाल सेवा योजना से जोड़ा जाएगा।

वीरांगनाओं को समर्पित होगा 'वीरांगना दिवस'

19 नवंबर से प्रदेश के समस्त जनपदों में भव्य समारोह का आयोजन करते हुए वीरांगना दिवस पर समाज में बदलाव के लिए प्रयासरत महिलाओं की प्रेरक कहानियों को जनपद स्तर पर विभिन्न माध्यमों से जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इस दौरान ऐसी वीरांगनाओं को सम्मानित किया जाएगा, जिससे ये महिलाएं समाज में अन्य बालिकाओं तथा महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन सकें। साथ ही प्रदेश में संचालित सभी बाल देखरेख संस्थाओं, महिला आश्रय गृहों में भी झांसी की वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर नुक्कड़ नाटक या स्टोरी टेलिंग सत्र का आयोजन कराया जाएगा। इसके अलावा 20 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस पर संस्थाओं में बाल अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तर पर कौशल विकास में शामिल बच्चों पर आधारित हैंडबुक, कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया जाएगा।

हक की बात जिलाधिकारी के साथ

6 दिसंबर को जनपद स्तर पर यौन हिंसा, लैंगिक असमानता, घरेलू हिंसा, कन्या भ्रूण हत्या, कार्यस्थर पर लैंगिक उत्पीड़न तथा दहेजा हिंसा आदि की पीड़ित महिलाओं के संरक्षण, सुरक्षा तंत्र, सुझावों तथा सहायता के लिए जिलाधिकारी के साथ 2 घंटे के पारस्परिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसके अलावा, 10 दिसंबर को प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर महिला एवं बाल सभाओं का आयोजन तथा महिलाओं तथा बच्चों से संबंधित संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा होगी। वहीं 16 दिसंबर को प्रदेश के समस्त वन स्टॉप केंद्रों पर जन प्रतिनिधियों के साथ विभागीय योजनाओं तथा कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी। यही नहीं, प्रदेश में पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत पीड़ित बच्चों मुख्य रूप से बालिकाओं को कानूनी प्रक्रिया के दौरान समर्थन देने के लिए लगभग 300 सहायक व्यक्तियों का आवासीय प्रशिक्षण भी कराया जाएगा।

फास्ट फॉरवर्ड

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में हुआ विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

जन एक्सप्रेस/चित्रकूट। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ से प्राप्त कार्य योजना के अनुक्रम में एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम के मार्गदर्शन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अपर जिला जज नीलू मैनवाल के निर्देश पर पैरालीगल वालेण्टियर ममता वर्मा द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सीतापुर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर डॉ. ज्योति पाठक आदि मौजूद रहे। बताया गया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आगामी 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है।

15 तक करें आनलाइन आवेदन

जन एक्सप्रेस/चित्रकूट। उपायुक्त उद्योग एस के केशरवानी ने बताया कि नवीन इकाई के स्थापनार्थ मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना 2024-25 के अन्तर्गत विनिर्माण क्षेत्र की अनुमन्य परियोजना की अधिकतम लागत 25 लाख तक तथा सेवा क्षेत्र की अनुमन्य परियोजना की अधिकतम लागत 10 लाख तक के आवेदन पत्र आनलाइन आमंत्रित किया जाता है। अभ्यर्थी को आवेदन वेबसाइट पर आनलाइन करना होगा। आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 दिसम्बर है।

साक्षात्कार सात को

जन एक्सप्रेस/चित्रकूट। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड द्वारा संचालित मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजनान्तर्गत खादी तथा ग्रामोद्योग विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में माटी शिल्पकला के पैतृक कारीगर कुम्हार, प्रजापति समाज के कारीगर उद्यमियों, शिल्पियों को कौशल विकास योजना के अन्तर्गत दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाना आदि विधाओं में 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण के लिए आनलाइन आवेदन करने बाद जिला ग्रामोद्योग कार्यालय उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड विकास भवन में अपना आवेदन पत्र जमा किया है, उनका साक्षात्कार 7 अक्टूबर को परिक्षेत्रीय ग्रामीद्योग अधिकारी की अध्यक्षता में जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी कक्ष नवीन विकास भवन में चयन समिति द्वारा किया जायेगा।

फर्राटा पंखे में उतर रहे करंट की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

जन एक्सप्रेस/उरई। कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भदेवरा में घर में रखे फर्राटा पंखे में उतर रहे करंट की चपेट में आने से वृद्ध की मौत हो गई।कोंच कोतवाली के भदेवरा गांव निवासी कैलाश 60 वर्ष चरवाहा था और गांव में पति पत्नी रहते थे। बीते रोज वृद्ध अपनी बहन के घर पिरौना गया था, और जब घर लौटा तो पत्नी खेतों पर गई हुई थी। इसी दौरान घर में रखे फर्राटा पंखे में उतर रहे करंट की चपेट मे आ गया और करंट लगने से वह झुलसकर अचेत हो गया। जब पत्नी खेत से वापस घर लौटी और जमीन पर पड़े अचेत हालत में पड़े पति को देख उसकी चीख निकल गई। घर में मची चीख-पुकार सुनकर आस-पास के लोग और मकान के बगल में रह रहे भाई भतीजे दौड़ कर मौके पर पहुंच गए और उसे उठाकर सीएचसी ले गए। जहां पर जांच पड़ताल के बाद डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, और घटना की खबर पुलिस को दी।

ग्राम चौपाल में डीएम ने सुनी जन समस्याएं

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में शुक्रवार को विकासखंड मऊ के ग्राम पंचायत चकौर में गांव की समस्या गांव में समाधान कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय कलारन पुरवा के प्रांगण में जन चैपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि गांव में जन चैपाल के दौरान जो ग्रामवासियों ने समस्याएं बताई हैं, उनका निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने सभी जिलास्तरीय अधिकारियों से कहा कि अपने विभागों के कार्यों को अवश्य मौके पर जाकर देखें। उप जिलाधिकारी मऊ से कहा कि जो राजस्व के मामले प्राप्त हुए हैं, उनका मौके पर जाकर निस्तारण कराया जाए। उन्होंने कहा कि टीकाकरण बहुत महत्वपूर्ण है, बच्चों का टीकाकरण आप लोग अवश्य कराए। उन्होंने पेंशन योजनाओं पर कहा कि इस ग्राम पंचायत के कुछ मजरे छूटे हुए हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी सर्वे कराकर पेंशन योजनाओं का पात्र लोगों को लाभ दिलाए। उन्होंने अन्य विभागीय अधिकारियों से भी कहा कि जो विभागीय योजनाओं का लाभ लोगों को दिया जा रहा है, उसमें अगर उनको नहीं मिल रहा है तो डीबीटी कराकर आज ही देख ले। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से कहा कि बच्चों का पैसा जो अभिभावकों के खाते में ड्रेस, मोजा, जूता आदि का दिया गया है, उसको चेक करें। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि जो बच्चों का पैसा दिया गया है, उसमें बच्चों को अच्छी ड्रेस आदि की व्यवस्था अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण कडी है। आपके बच्चों की शिक्षा से ही उनका भविष्य उज्जवल होगा। साथ ही उनका जीवन अच्छे से गुजरेगा। वह अच्छी शिक्षा लेकर बडे पद पर जाकर आपका नाम रोशन करेंगे।

मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर ने कहा कि आप लोगों को सभी विभागों के अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं के बारे में बताया गया है, उसका आप लोग लाभ लें। स्वास्थ्य विभाग में निःशुल्क एंबुलेंस की व्यवस्था है। इसके अलावा फ्री में दवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को पढाए, लिखाएं। कहा कि त्योहार व शादियों पर बच्चों को छुट्टियों में न भेजें, शिक्षा बहुत जरूरी है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं से कहा कि पोषण आंगनबाडी केन्द्रों के माध्यम से दिया जा रहा है। साथ ही घर पर किसी भी हालत में प्रसव न कराएं, स्वास्थ्य केन्द्रों पर ही प्रसव कराए ताकि आप लोगों को जननी सुरक्षा योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि आपात्रों को आवास किसी भी दशा में नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई आवास दिलाने के नाम पर पैसा की मांग करें तो उसकी सूचना दे तत्काल कार्यवाही की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह ने किया।

इस मौके पर उप जिलाधिकारी मऊ सौरभ यादव, परियोजना निदेशक डीआरडीए सच्चिदानंद प्रसाद, उप निदेशक कृषि राजकुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ सुभाष चंद्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा, जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी प्रियंका यादव, खंड विकास अधिकारी मऊ राम जी मिश्रा, सहायक विकास अधिकारी पंचायत चंद्रभूषण यादव, ग्राम प्रधान सविता देवी, सचिव दुर्गेश पांडेय आदि मौजूद रहे।

चोरी के विद्युत तारों के साथ सरगना सहित आधा दर्जन चोर गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । उरई

एसपी के निर्देशानुसार में गुरुवार की रात चेकिंग अभियान चलाने में लगी पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर चोरी का कुंतलो तार बरामद कर लिया। जबकि मौके से पुलिस ने सरगना सहित आधा दर्जन चोरों को तमंचे के साथ गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा एसपी ने पुलिस लाइन सभागार में किया।

घटना का खुलासा करते हुए एसपी डॉ दुर्गेश कुमार ने बताया कि माधौगढ़ व रेंढ़र थाना क्षेत्र से 13 खंभों से तार चोरी के बाद एसडीओ अभिषेक सोनकर व जेई संजय कुमार ने मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद से लगातार पुलिस चोरों की तलाश कर रही थी। गुरुवार की रात पुलिस क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाने में लगी हुई थी। इसी दौरान मुखबिर द्वारा को सूचना मिली की तार चोर तार बेचने के लिए कहीं जा रहे हैं। इस पर पुलिस ने बंगरा नहर के पास चेकिंग के दौरान एक लोडर को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने लोडर में लदा सवा दो क्विंटल सात बंडल विधुत तार बरामद किया। वहीं पुलिस ने मौके से चोरी के सरगना करन सिंह दोहरे, अनुज कुमार उर्फ वीर प्रताप, सोनू दोहरे, सुनील कुमार दोहरे, पवन कुमार उर्फ वीरू निवासीगण ग्राम निचावड़ी थाना रेंढर व मुकेश दोहरे निवासी ग्राम बिरिया थाना माधौगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। वल्कि पकड़े गए चोरों के पास से एक तमंचा व दो कारतूस भी बरामद किए गए हैं।

जिला अधिवक्ता बार संघ का आठ अक्टूबर को होगा चुनाव

जन एक्सप्रेस । उरई

जिला अधिवक्ता बार संघ के चुनाव को लेकर बार भवन में अध्यक्ष पद के प्रत्याशी एडवोकेट ऋषि कुमार पटेल ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि जिला अधिवक्ता बार संघ 2024-25 का चुनाव 8 अक्टूबर को होना प्रस्तावित हुआ है। इस दौरान उन्होंने सभी वकीलों से सहयोग की कामना की है। साथ ही उन्होंने बताया कि अगर वह अध्यक्ष पद पर जीतते हैं, तो सभी अधिवक्ताओं के सम्मान के लिए बार हित में कार्य करेंगे और उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे। अधिवक्ताओं के हित में वह लगातार कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि समस्त जूनियर अधिवक्ताओं के बैठने के लिए उचित व्यवस्था किए जाने का प्रयास किया जाएगा। स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। बार भवन के ऊपर निर्माण कराकर पुस्तकालय का प्रबंध किया जाएगा। बार के लिए फंड की उचित व्यवस्था की जाएगी, यदि किसी अधिवक्ता की मृत्यु या घायल होने पर गंभीर बीमारी होने पर निर्धारित धनराशि उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। तत्कालीन मदद भी प्रदान की जाएगी। न्यायालय परिसर के अधिवक्ताओं की सुविधा के लिए वाईफाई इंटरनेट की सुविधा प्रदान करने की कोशिश की जाएगी। ऐसी तमाम उन्होंने अपनी प्राथमिकता गिनाई है। साथ उन्होंने सभी अधिवक्ताओं से अपील की है कि उनको अपने मत का प्रयोग करें। इस दौरान एडवोकेट उपेंद्र प्रताप सिंह, भूपेंद्र कुमार, विवेक कुमार सैनी, राहुल प्रकाश अग्रवाल, अवधेश निरंजन, पवन सिंह तोमर, मयंक राजपूत, पंकज शर्मा, वीर सिंह राजपूत, अनिल कुमार द्विवेदी, रेनू वर्मा मौजूद रहे।

वरिष्ठ नागरिकों की कहानियां युवाओं को करेंगी प्रेरित: अनिल

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

सक्षम पंचायत विकसित भारत अभियान के अंतर्गत, पंचायती राज विभाग एवं पिरामल संस्था के सहयोग से चित्रकूट की 2 पंचायतों बगरेही विकास खंड मानिकपुर और ग्राम पंचायत रामपुर विकास खण्ड रामनगर में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा में गाँव के विकास और सशक्तिकरण के लिए वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव और विचारों को मुख्य रूप से प्राथमिकता दी गई। सक्षम ग्राम पंचायत में मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र दिवेदी, मानिकपुर ब्लॉक प्रमुख अरविंद मिश्री ने अपने विचार व्यक्त किये। बग्रेही पंचायत में पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह जीडीपीए के लक्ष्यों तथा 9 थीमो पर विस्तृत चर्चा की। ग्राम पंचायत के मुखिया केदारनाथ ने कहा कि गाँव के वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की धरोहर हैं, उनके अनुभवों से हम भविष्य की योजनाओं को सही दिशा में ले जा सकते हैं। उनके विचार हमारे गाँव के विकास की योजनाओं में नई दृष्टि प्रदान करेंगे। ग्राम सभा के दौरान वरिष्ठ नागरिकों से उनके जीवन के अनुभवों और गाँव में देखे गए बदलावों पर चर्चा की गई। पिरामल फाउंडेशन के प्रबंधक अनिल शुक्ला ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की कहानियाँ हमारे युवाओं को प्रेरित करेंगी। साथ ही गाँव के विकास में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहेगा। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा का मुख्य उद्देश्य गाँव के विकास को नई दिशा देना और पंचायत को सक्षम बनाना है। उन्होंने, स्वस्थ एवं स्वच्छ, जीरो ड्रॉप आउट, वूमेन फ्रेंडली तथा ग्रीन पंचायत पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर दोनों ग्राम पंचायतों में स्वच्छता एवं नशा मुक्ति शपथ दिलाई गयी। रामपुर में प्रधान अध्यापक अखिलेश पांडेय ने कहा कि यह सराहनीय कदम है। पंचायतों की भूमिका एक सशक्त भारत के निर्माण में सहायक है। समाज के लोगों की सहभागिता से विद्यालय को भी बल मिलेगा। इस दौरान दोनों ग्राम पंचायतों में एक पेड मां के नाम थीम पर पौधरोपण किया गया।

श्रीमद भागवत कथा और हनुमान चालीसा पाठ अनुष्ठान का गरिमा पूर्ण समापन

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

चित्रकूट में चल रही आचार्य मनीष भाई वृंदावन की श्रीमद् भागवत कथा और हनुमान चालीसा पाठ के अंतिम दिन व्यास पीठ से चित्रकूट धाम तीर्थ की महिमा का वर्णन किया गया। इस मौके पर आचार्य मनीष भाई ने कहा चित्रकूट धाम छेत्र का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। चित्रकूट धाम का आश्रय लेने वाले का संकट स्वमेव नष्ट हो जाता है अर्थात यहां पर आने वालों का कष्ट दूर हो जाता है। पांडव एवं नल दमयंती का कष्ट यहीं दूर हुआ है। आचार्य मनीष भाई ने मानव जीवन में आने वाले किसी भी प्रकार के संकट को दूर करने का सर्वमान्य स्थान चित्रकूट धाम को बताते हुए कहा कि जो भी चित्रकूट आकर श्रद्धा और विश्वास के साथ पावन सलिला मंदाकिनी में स्नान करता है और श्री कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा करता है, उसके सारे संकट समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने सर्वविदित चित्रकूट में रम रहे रहिमन अवध नरेश, जा पर विपदा परत है वह आवत यह देश के समर्थन में अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए। इसी श्रृंखला में मनीष भाई ने मंदाकिनी नदी का अदभुत प्रभाव बताते हुए बताया कि दक्ष द्वारा नारद को दिया गया श्राप मंदाकिनी नदी में स्नान करने मात्र से ही निष्प्रभावी हो गया था। इस मौके पर आचार्य मनीष भाई ने संकट समाप्ति के लिए चित्रकूट में मंदाकिनी स्नान और कामदगिरि की परिक्रमा करने को कहा। साथ ही भागवत कथा की दक्षिणा के रूप में व्यास पीठ ने श्रोताओं से प्रभु से सतत अनुराग बनाए रखने का आश्वासन लिया।

श्री हनुमान महाराज के आध्यात्मिक सानिध्य और महामंडलेश्वर स्वामी राम शिरोमणि दास महाराज के मार्गदर्शन में श्री धर धाम चित्रकूट में आचार्य मनीष भाई वृंदावन के श्रीमुख से प्रवाहित श्रीमद भागवत कथा श्रवण के साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजन किया गया है। इस विशेष कार्यक्रम में शामिल श्रीमद भागवत कथा के यजमान का दायित्व महेंद्र कुमार सीमा गोयल दिल्ली और हनुमान चालीसा पाठ के यजमान का दायित्व रामेश्वर दयाल सुनीता वर्मा (सोनी) फरीदाबाद ने संयुक्त रूप से निभाया। कथा विराम के पूर्व महामंडलेश्वर स्वामी राम शिरोमणि महाराज ने संतों को दक्षिणा सेवा अर्पित करते हुए युवा कथावाचक आचार्य मनीष भाई वृंदावन के व्यक्तित्व और कृतित्व की मुक्त कंठ से सराहना की और उनके गुण गौरव का बखान करते हुए इस कार्यक्रम के प्रबंधन का भी श्रेय दिया। इसी क्रम में महामंडलेश्वर स्वामी राम शिरोमणि महाराज ने चित्रकूट प्रवास हुए उनके आश्चर्य जनक स्वास्थ्य सुधार का हृदयस्पर्शी अनुभव साझा किया। ज्ञातव्य हो कि आचार्य मनीष भाई वृंदावन चित्रकूट जिले में स्थित संत तुलसी की जन्म स्थली राजापुर और उनकी धर्मपत्नी रत्नावली के निवास महेवा के निकट स्थित भदेहदू गांव के निवासी हैं।

श्री मदभागवत कथा व्यास पीठ से सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए आचार्य मनीष भाई ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण देना सिखाते हैं। भगवान जब देते हैं, इज्जत के साथ देते हैं। पाने वाले को भी नहीं पता चलता कि कब उसकी तिजोरी भर गई, लेकिन आदमी का स्वभाव है कि वह देता कम है और दिखाता ज्यादा है। इसी क्रम में आचार्य ने श्रीमद भागवत कथा की महिमा बताते हुए कहा कि बंजर भूमि में यदि बार-बार हल चलाया जाए तो उपजाऊ हो जाता है।

दीनदयाल आईटीआई के उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को दीक्षांत समारोह में दिया प्रशस्ति पत्र

हर क्षेत्र में कौशल विकास के लिए आईटीआई की जरूरत - अभय महाजन

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा राष्ट्रीय एवं राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद के अंतर्गत व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए संचालित दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, कोपा, कटिंग एवं सुइंग आदि प्रशिक्षण ट्रेडों के प्रशिक्षित युवाओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गये।

सतना जिलाधिकारी अनुराग वर्मा ने कहा कि आपने लगन से अपना प्रशिक्षण प्राप्त किया है। जिसका प्रमाणीकरण भी प्रमाण पत्र के माध्यम से हो गया है। अब आपको नौकरी खोजने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनना है। दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने कहा कि तकनीकी शिक्षा वर्तमान की बेहतर शिक्षा है। हर क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा अपनाई जा रही है, कौशल विकास के लिए आईटीआई की जरूरत है। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ भरत मिश्रा ने कहा कि नाना जी द्वारा स्थापित दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में बहुत कुछ सीखने को मिलता है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए उद्यमिता विद्यापीठ के संयोजक मनोज सैनी ने बताया कि मध्य प्रदेश के सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में भारत रत्न नानाजी देशमुख के दीनदयाल शोध संस्थान का औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र सर्वोत्तम स्थान पर है।इस मौके पर सतना अपर जिलाधिकारी स्वप्निल वानखेडे, प्राचार्य संजय दुबे, शिक्षक छोटे लाल, नरेंद्र सिंह, रितेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बड़े भाई को गोली मारकर मौत के घाट उतारने के मामले में...

दोष सिद्ध होने पर आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

बड़े भाई को गोली मारकर मौत के घाट उतारने के मामले में दोष सिद्ध होने पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम ने हत्यारोपी भाई को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 15 हजार रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्याम सुन्दर मिश्रा ने बताया कि बीती 8 मार्च 2021 को कर्वी के शंकर बाजार निवासी देवराज गुप्ता ने कर्वी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को दी गयी तहरीर में देवराज ने बताया था कि उनका छोटा बेटा अजय कुमार शराब पीकर 8 मार्च 2021 को देर शाम लगभग 10 बजे घर आया और बड़े बेटे सुशील कुमार उर्फ बबलू से गाड़ी की चाबी मांगी। सुशील द्वारा चाबी देने से इंकार करने पर अजय ने सुशील को तमंचे से गोली मार दी और घर से फरार हो गया। गोली लगने के बाद परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने सुशील को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी सारिका गुप्ता ने बताया कि उसके देवर ने पति सुशील से 500 रूपए और कार की चाबी मांगी थी। इस पर पति ने पैसे और गाड़ी की चाबी देने से इंकार कर दिया। जिसके बाद उसके देवर, पति और ससुर के बीच नोक झोंक हुई और आवेश में आकर देवर अजय गुप्ता ने उसके पति को तमंचे से गोली मार दी। साथ ही घटना के बाद घर की कुंडी बाहर से बंद कर भाग गया। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया था। साथ ही न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था।

बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीले सुनने के बाद शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम ने निर्णय सुनाया। जिसमें बड़े भाई की हत्या का दोष सिद्ध होने पर हत्यारोपी अजय गुप्ता को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 15 हजार रूपए अर्थदण्ड से भी दण्डित किया।

प्रदेश अध्यक्ष ने किया भाजपा कार्यालय का भूमि पूजन

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चैधरी ने शुक्रवार को जनपद में निर्माण होने जा रहे पार्टी कार्यालय का भूमि पूजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी ने किया। प्रदेश अध्यक्ष ने भगवान कामदनाथ के दर्शन कर सम्पूर्ण विश्व के कल्याण की कामना की और राष्ट्रपुरुष नाना देशमुख के चित्र पर पुष्पार्चन किया। इसके बाद गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख रामनारायण त्रिपाठी ने अपनी पूरी टीम के साथ मंत्रोचारण कर विधि विधान से प्रदेश अध्यक्ष से कार्यालय निर्माण के लिए भूमि पूजन का कार्यक्रम सम्पन्न करवाया।

प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी ने कहा कि संगठन की सही तरीके से गतिविधियों को चलाने के लिये कार्यालय की महती भूमिका होती है। कार्यालय पार्टी को संचालित करने का प्रमुख केन्द्र होता है। भारतीय जनता पार्टी के सभी जनपदों में कार्यालयों का संचालन हो रहा हैं। जनपद में भी आगामी कुछ महीनों में कार्यालय बन कर तैयार हो जायेगा। साथ ही पार्टी के कार्यक्रमों का संचालन होने लगेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा दुनियां की सबसे ज्यादा कार्यकर्ताओं वाली पार्टी है। आज पूरे देश में पार्टी का मजबूत संगठन है और पूरी सक्रियता से काम कर रहा है। इसी सक्रिय संगठन की ताकत से कई प्रदेशों में भारतीय जनता पार्टी की सरकारे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र में पीएम मोदी के नेतृत्व में और प्रदेश में सीएम योगी के नेतृत्व में लगातार संगठन की ताकत से लगातार सरकार बन रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व में पार्टी द्वारा 11 करोड़ लोगों को पार्टी का सदस्य बनाने का काम किया था। साथ ही 2024 में जब पुनः सदस्यता अभियान की शुरुआत हुई तो सदस्यता अभियान के प्रथम चरण में ही सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से पूर्व में की गयी सदस्यता से आगे निकल चुके है। साथ ही दूसरा चरण बीती 1 अक्टूबर से प्रारम्भ हो चुका है। जिसे हम सभी लोग कैम्प लगाकर समूहिक सदस्यता अभियान चलाने का काम करेगे। उन्होंने कहा कि जो लोग चुनाव के दौरान सविधान के खतरे की बात करते थे। साथ ही भाजपा पर आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाते थे, उनमे से समाजवादी और कौंग्रेस पार्टी एक ही परिवार की पार्टी है, उनका न तो कोई सिद्धात है न ही कोई सविधान। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के सविधान में सभी वर्ग के लोगों को सरकार के साथ संगठन में भी समाहित करने का लिखित प्रावधान है। साथ ही पार्टी द्वारा सभी वर्ग के लोगो को समाहित करने का काम भी किया जाता है।

भूमि पूजन के बाद प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री के जीवन पर आयोजित बुद्धिजीवी वर्ग की संगोष्ठी को सम्बोधित किया। इसके बाद मानिकपुर पहुच कर उन्होंने कोल समुदाय के लोगों से भेट एवं वार्ता कर उनको पार्टी की सदस्यता दिलाने का काम किया। साथ ही धारकुंण्डी आश्रम में सन्तों का आशीर्वाद लिया। कानपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि किसी भी संगठन को चलाने के लिये पांच चीज कार्यक्रम, कार्यकर्ता, कार्यकारिणी, कोष और सबसे महत्वपूर्ण कडी होती है। इन्ही पांच तत्वों से संगठन चलता है। भाजपा मे समय पर अनेक कार्यक्रम संचालित होते रहते है।

janexpressnews janexpresslive janexpresslive

लखनऊ एक्सप्रेस

www.janexpresslive.com/epaper हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस । लखनऊ । शनिवार । 05 अक्टूबर 2024

तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	34°C	24°C
कानपुर	34°C	24°C
देहरादून	29°C	21°C
नई दिल्ली	36°C	25°C

सरकार ने 80 प्रतिशत खरीफ की फसल का सर्वे किया पूरा

डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत प्रदेश भर में कराया जा रहा है खरीफ (2024-25) की फसल का सर्वे

- प्रदेश के 84,159 राजस्व गांवों के साढ़े चार करोड़ से अधिक प्लॉट्स का सर्वे हुआ पूरा
- डिजिटल क्रॉप सर्वे में प्रदेश भर में जौनपुर ने मारी बाजी, गाजियाबाद दूसरे स्थान पर
- सीएम योगी ने 23 अगस्त से 5 अक्टूबर तक सर्वे कार्य पूरा करने के दिये थे निर्देश

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

योगी सरकार ने प्रदेश भर में बोई जाने वाली खरीफ (2024-25) की फसल के डिजिटल क्रॉप सर्वे का 80 प्रतिशत काम पूरा कर लिया है। प्रदेश के 84 हजार से अधिक राजस्व गांवों में शुरू किये गये डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत 47 हजार से अधिक गांवों में सर्वे का काम पूरा हो चुका है जबकि कुल साढ़े चार करोड़ से अधिक प्लॉट्स (गाटा संख्या) में बोई खरीफ की फसल के सर्वे का काम पूरा कर लिया गया है। यह कुल (साढ़े पांच करोड़ से अधिक) प्लॉट्स का 80 प्रतिशत है। इन कंप्लीट सर्वे में से 3 करोड़ से अधिक प्लॉट्स के सर्वे को अप्रूवल भी मिल चुका है, जो 82 प्रतिशत है। वहीं सर्वे में प्रदेश के टॉप टेन जिलों में जौनपुर अव्वल रहा है, जबकि दूसरे स्थान पर गाजियाबाद है।

जौनपुर पहले तो गाजियाबाद दूसरे स्थान पर

खरीफ की फसल के डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत प्रदेश के टॉप टेन जिलों में जौनपुर ने पहला स्थान हासिल कर बाजी मारी है। जौनपुर को 17,33,553 प्लॉट्स (गाटा संख्या) के सर्वे का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष 15,69,912 प्लॉट्स का सर्वे पूरा कर लिया गया है। वहीं सर्वे के सापेक्ष 15,61,266 प्लॉट्स के सर्वे को अप्रूव्ड भी किया जा चुका है, जो कुल प्लॉट्स का 99.45 प्रतिशत है। इसी तरह गाजियाबाद दूसरे स्थान पर है। गाजियाबाद को 1,45,688 प्लॉट्स (गाटा संख्या) के सर्वे का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष 1,33,735 प्लॉट्स का सर्वे पूरा कर लिया गया है। वहीं सर्वे के सापेक्ष 1,31,581 सर्वे को अप्रूव्ड भी किया जा चुका है, जिसका रेश्यो 98.39 प्रतिशत है। वहीं अमरोहा तीसरे स्थान पर है। अमरोहा को 4,84,061 प्लॉट्स (गाटा संख्या) के सर्वे का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष 4,01,698 प्लॉट्स का सर्वे पूरा कर लिया गया है। वहीं सर्वे के सापेक्ष 3,92,771 प्लॉट्स के सर्वे को अप्रूव्ड किया जा चुका है, जिसका रेश्यो 97.78 प्रतिशत है। इसके अलावा बस्ती चौथे स्थान पर है। बस्ती को 13,30,380 प्लॉट्स (गाटा संख्या) के सर्वे का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष 11,31,704 प्लॉट्स का सर्वे पूरा कर लिया गया है। वहीं सर्वे के सापेक्ष 11,05,397 सर्वे को अप्रूव्ड भी किया जा चुका है, जिसका रेश्यो 97.68 प्रतिशत है। आजमगढ़ पांचवे स्थान पर है। आजमगढ़ को 14,24,270 प्लॉट्स (गाटा संख्या) के सर्वे का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष 13,58,149 प्लॉट्स का सर्वे पूरा कर लिया गया है। वहीं सर्वे के सापेक्ष 13,17,780 सर्वे को अप्रूव्ड भी किया जा चुका है, जिसका रेश्यो 97.03 प्रतिशत है। इसके अलावा हमीरपुर छठे, मैनपुरी सातवें, महोबा आठवें, गाजीपुर नौवें और शामली दसवें स्थान पर है।

साढ़े चार करोड़ से अधिक प्लॉट्स का सर्वे पूरा, साढ़े तीन करोड़ से अधिक सर्वे अप्रूव्ड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों की आय बढ़ाने एवं उनके खुशहाल जीवन के लिए फसलों के डिजिटल क्राप सर्वे का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रदेश के 75 जिलों के 91,609 राजस्व गांव के 5,81,23,573 प्लॉट्स (गाटा संख्या) का डिजिटल मैप उपलब्ध कराया गया। ऐसे में योगी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन को विजन के रूप में आगे बढ़ा रही है। इसके तहत योगी सरकार ने प्रदेश भर में खरीफ की फसल के डिजिटल क्रॉप सर्वे के निर्देश दिये। उन्होंने यह सर्वे 23 अगस्त से 5 अक्टूबर तक पूरे करने के निर्देश दिये थे। सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश के 84,159 गांवों में सर्वे का काम शुरू किया गया। इसके सापेक्ष 2 अक्टूबर तक 47,098 राजस्व गांवों में सर्वे का काम पूरा हो चुका है, जो 52 प्रतिशत है। वहीं शेष राजस्व गांवों में सर्वे का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। डिजिटल क्रॉप सर्वे के दौरान 2 अक्टूबर तक 4,63,22,564 प्लॉट्स (गाटा संख्या) के सर्वे के काम को पूरा कर लिया गया है, जो 80 प्रतिशत है जबकि 3,76,22,171 प्लॉट्स (गाटा संख्या) के सर्वे को अप्रूव्ड किया जा चुका है। यह कुल प्लॉट्स का 82 प्रतिशत है। वहीं शेष 1,18,01,009 प्लॉट्स (गाटा संख्या) के सर्वे के अप्रूवल का काम युद्धस्तर पर चल रहा है।

ध्यान दे सरकार, समाचार पत्रों से जुड़े हजारों परिवार भुखमरी की कगार पर...

यूनाइटेड न्यूजपेपर फेडरेशन के बैनर तले शुक्रवार को मध्यम एवं लघु समाचार पत्रों के प्रतिनिधिगणों की बैठक में झलका दर्द

- बैठक में समाचार पत्रों के सुचारू रूप से संचालन में आ रहे व्यवधानों तथा सरकार द्वारा जारी हो रहे विज्ञापन की विषमताओं पर चर्चा की गई
- विज्ञापन को लेकर सौतेला व्यवहार किया जा रहा है, जिससे मध्यम और लघु समाचार पत्रों की स्थिति दयनीय होती जा रही है
- तय हुआ, निदेशक सूचना से मिलकर मध्यम एवं लघु समाचार पत्रों की समस्याओं से अवगत कराएंगे संगठन के प्रतिनिधि

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

यूनाइटेड न्यूजपेपर फेडरेशन के बैनर तले शुक्रवार को मध्यम एवं लघु समाचार पत्रों के प्रकाशक/संपादक/प्रतिनिधिगणों की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में समाचार पत्रों के सुचारू रूप से संचालन में आ रहे व्यवधानों तथा सरकार द्वारा जारी हो रहे विज्ञापन की विषमताओं पर वृहद चर्चा की गई। उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में कहा कि हम लोग हर स्तर पर सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं, खबरों का प्रकाशन प्रमुखता से कर रहे हैं परंतु विज्ञापन को लेकर सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। जिससे मध्यम और लघु समाचार पत्रों की स्थिति दयनीय होती जा रही है। यही स्थिति रही तो इन समाचार पत्रों से प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से जुड़े हजारों परिवार भुखमरी की कगार पर होंगे। जिस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। बैठक में तय हुआ कि फेडरेशन के प्रतिनिधिगण सोमवार को निदेशक सूचना से मिलकर अपनी बात रखेंगे। शुक्रवार को हुई बैठक में खरी कसौटी समाचार पत्र से के.सी.बिश्नोई, एक संदेश से मनोज मिश्रा, लोहिया क्रांति से डी.एन. तिवारी, दैनिक भास्कर से मनीष अवस्थी, स्वतंत्र बात से संजय सिंह, नवसत्ता से नीरज श्रीवास्तव, अमृत विचार से आर.पी.सिंह, यूनाइटेड से अशोक कुमार, स्पष्ट आवाज से आनंद सिंह, राष्ट्रीय स्वरूप से अविनाश चंद्र शुक्ला, जन एक्सप्रेस से अरुण कुमार त्रिपाठी और अमर भारती से आलोक कुमार द्विवेदी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

विज्ञापन वितरण प्रणाली समान रूप से लागू हो, देर रात विलंब से विज्ञापन जारी न हों

बैठक में सरकार की विज्ञापन वितरण प्रणाली को एक समान रूप से लागू करने, देर रात्रि विलंब से विज्ञापन जारी करने की परिपाटी में सुधार करने, विज्ञापन एजेंसियों द्वारा समय से भुगतान किए जाने, समाचार पत्रों को समान रूप से टेंडर जारी किए जाने तथा दीपोत्सव व कुम्भ जैसे बड़े आयोजनों के कवरेज हेतु विशेष पैकेज दिए जाने आदि विषयों पर विशेष जोर देते हुए उपरोक्त विषयों से निदेशक सूचना को अवगत कराकर स्थाई समाधान निकालने के लिये अनुरोध करने का निर्णय लिया गया।

हर महीने होगी संगठन की बैठक

बैठक में संगठन की मजबूती और विस्तार पर भी चर्चा हुई, जिसे आगामी बैठक में रूपरेखा दी जाएगी। संगठन की बैठक प्रत्येक महीने आहूत की जाएगी।

फास्ट फॉरवर्ड

संपत्ति का ब्यौरा न देने वाले सरकारी कर्मचारियों पर लटकी तलवार?

जन एक्सप्रेस/लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के इस फैसले से सरकारी कर्मचारियो के रातो की नींद उड़ा दी। 39 हजार सरकारी कर्मचारियों का वेतन रूक सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने इन कर्मचारियों की सितंबर महीने की वेतन आनस्टॉप रोकने का फैसला किया है ।जिन कर्मचारियों ने अपनी प्रॉपर्टी का ब्यौरा नहीं सौंपा है,उनके लिए एक्शन होगा। सीएम ने 30 सितंबर लास्ट डेट तय की गई थी लेकिन इन कर्मचारियो ने इस फैसले को हासिये पर रखा ।योगी सरकार ने प्रदेश के 90 विभागों के कर्मचारियों को निर्देश दिया था कि संपत्ति का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर निर्धारित समय सीमा तक अपलोड नहीं किया ।बताते हैं कि जिन अधिकारियों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा दे दिया है उनकी मुश्किलें अभी कम नहीं हुई हैं। सरकार रैंडम जांच करा सकती है ।सूत्रों के हवाले से पता चला कि यूपी के आठ लाख 27 हजार 583 सरकारी कर्मचारियों में 7 लाख 88 हजार 506 कर्मचारियों ने प्रॉपर्टी डिटेल अपडेट किया है और 39 हजार 77 कर्मचारियों ने अंतिम तिथि बीत जाने के बावजूद भी संपत्ति विवरण नहीं अपलोड किया है। योगी सरकार का फैसला इन सरकारी कर्मचारियो के पर भारी पड़ गया ।कृषि विभाग के सरकार के इस फैसले का 99 फीसदी कर्मचारियों ने सम्मान कर डिटेल जमा कर दिया। पंचायती राज, आयुष और शिक्षा विभाग के 95 फीसद कर्मचारियों ने संपत्ति की डिटेल बिना थमे जमा कर दिया। जिन विभाग के कर्मचारियों से संपत्ति का ब्यौरा मांगा गया था उनमें टेक्सटाइल, सैनिक कल्याण, ऊर्जा, खेल, कृषि, महिला कल्याण, बेसिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा, राजस्व और स्वास्थ्य विभाग शामिल था. योगी सरकार के द्वारा कर्मचारियो के हित में कई बार समय सीमा का चक्र बढ़ाई गई थी।

ऊर्जा मंत्री ने विद्युत आपूर्ति में गड़बड़ी पर एमडी को लगाई फटकार

जन एक्सप्रेस/लखनऊ। प्रदेश के क्षेत्रों को निर्धारित शेड्यूल के अनुरूप विद्युत आपूर्ति की जाए, इसमें किसी भी स्तर पर कार्यों में विद्युत कार्मिकों द्वारा कार्यों में की गई लापरवाही और शिथिलिता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विद्युत व्यवधानों की शिकायतों का तत्काल संज्ञान लेकर विद्युत आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जाए। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा शुक्रवार को जल निगम के फील्ड हॉस्टल 'संगम' से वाराणसी की विद्युत व्यवस्था की वर्चुअल समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिए। उन्होंने वाराणसी की विद्युत आपूर्ति में आ रही गड़बड़ी की शिकायतों को लेकर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के एमडी शंभू कुमार को जमकर फटकार लगाई और कहा कि विगत ढाई वर्षो से बनारस जैसे वैश्विक शहर की विद्युत व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई और आपूर्ति को लेकर समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने गड़बड़ी करने वाले, विद्युत आपूर्ति के प्रावधान पर और कार्यों में शिथिलता व लापरवाही बरतने वाले विद्युत कार्मिको पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने बनारस शहर के सभी ओवरलोड ट्रांसफार्मर, जर्जर पोल, लाइन को तत्काल बदलने को कहा और निर्देश दिए कि विद्युत आपूर्ति को लेकर कहीं से भी कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वाराणसी की विद्युत व्यवस्था को कटौती मुक्त बनाना है, इसके लिए जो भी आवश्यक हो हर संभव प्रयास किए जाएं। विद्युत व्यवधानों को कम करने के लिए विद्युत उपकरणों, ट्रांसफार्मर, पोल, लाइन, मीटर, फ्यूज आदि की कमी न रहे ।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बनारस की विद्युत व्यवस्था को सुधारने के लिए 1500 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं फिर भी परिणाम धरातल पर नहीं आ रहा। विद्युत व्यवस्था के लिए पैसा भरपूर दिया जा रहा है।

नगर विकास मंत्री ने देखी सफाई व्यवस्था

जन एक्सप्रेस/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने वाराणसी की सफाई व्यवस्था, सीवर, जल निकासी, जलापूर्ति, मार्ग प्रकाश व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के सख्त निर्देश निकाय अधिकारियों को दिए हैं। त्योहारों का समय है नवरात्रि, दशहरा, दीपावली, छठपूजा के दौरान बनारस में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है, इस दृष्टि से युद्धस्तर पर लगकर बनारस शहर की व्यवस्थापन को सुदृढ़ करें। गंगा व अन्य नदी घाटों की सफाई सुनिश्चित कराए। मार्ग प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखें। सड़कों गलियों में कहीं पर भी अंधेरा न हो। सड़कों को अति शीघ्र गड्ढा मुक्त करें। सफाई कार्यो में लापरवाही और शिथिलता न हो, डोर टू डोर कूड़ा उठान और कूड़े के प्रबंधन पर ध्यान दिया जाए। वार्ड वार और जोनवार इसकी मॉनिटरिंग की जाए। कहीं पर भी नाले नालियां चोक न हो, जिससे जलभराव हो। प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर भी कार्रवाई की जाए ।नगर विकास मंत्री शुक्रवार को जल निगम के फील्ड हॉस्टल 'संगम' में वाराणसी के सफाई कार्यो, मार्ग प्रकाश, जलापूर्ति, सीवर व्यवस्था आदि कार्यों कि अधिकारियों के साथ वर्चुअल समीक्षा कर रहे थे।

लखनऊ कमिश्नर, एमएलसी, विधायक ने महिगवां थाना व भवनों के निर्माण का किया नींव पूजन

- डीसीपी,एडीसीपी, एसडीएम,एसीपी, थाना प्रभारी, क्षेत्रीय ग्राम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य ब्लाक प्रमुख सहित आम जनता रहीं मौजूद

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ कमिश्नरेट के महिगवां थाना व आवासीय भवनों के निर्माण के लिए लखनऊ कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर बीकेटी विधानसभा विधायक योगेश शुक्ला, सीतापुर एमएलसी पवन सिंह चौहान ने नींव भूमि पूजन किया। बता दें कि शुक्रवार दोपहर चार बजे कुंम्हरावां चौराहे के पास ग्राम प्रधान कुंम्हरावां द्वारा ग्राम पंचायत की सरकारी जमीन दी गई थी जिस पर महिगवां थाना व आवासीय भवनों के बनने के लिए निर्माण कार्य चालू करने के लिए भूमि नींव पूजन किया गया। विद्वान पंडितों द्वारा महिगवां थाना नींव निर्माण कार्य मंत्र उच्चारणों व जप हवन-यज्ञ कर भूमि पूजन किया गया। महिगवां थाना क्षेत्र के कुंम्हरावां चौराहे के पास बनेगा महिगवां थाना व आवासीय तीन मंजिला भवनों का निर्माण कार्य चालू कर दिया गया है। जिसका भूमि पूजन लखनऊ कमिश्नर बीकेटी विधायक व एमएलसी पवन सिंह चौहान ने पूजा पाठ कर किया। वहीं प्रशासनिक भवनों की लागत धनराशि 9 करोड़ रुपए तथा आवासीय भवनों के निर्माण के लिए 8 करोड़ 80 लाख रुपए स्वीकृत हुए हैं जिसमें से दोनों निर्माण के लिए आधी-आधी धनराशि एक कंपनी को दी गई हैं जैसे-जैसे निर्माण कार्य होता जायेगा वैसे-वैसे धनराशि प्राप्त होती जायेगी। वहीं कुंम्हरावां चौराहे के पास बनने वाले नवनिर्मित महिगवां थाना व आवासीय भवनों के निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से क्षेत्रीय ग्रामीण जनता व आमजन पुलिस कर्मचारियों व अधिकारियों आम जनमानस को काफी सुविधाएं मिलेंगी। इस मौके पर एसडीएम बीकेटी सतीश चंद्र त्रिपाठी,ब्लॉक प्रमुख बीकेटी राजेन्द्र सिंह मोनू, इटौंजा चेयरमैन अवधेश अवस्थी कमल, महिगवां थाना क्षेत्र के ग्राम प्रधान, जनप्रतिनिधि,संभ्रांत व्यक्ति व जनता मौजूद रही।

पिछड़े वर्ग के युवाओं के लिए द्वितीय चरण का कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

- योजना के अंतर्गत 'ओ' लेवल और ट्रिपल सी' कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा
- पिछड़े वर्ग के युवाओं को डिजिटल युग में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

योगी सरकार द्वारा प्रदेश के पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के द्वितीय चरण की शुरुआत की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत ओ लेवल और ट्रिपल सी कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे पिछड़े वर्ग के युवाओं को डिजिटल युग में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि सरकार का यह प्रयास है कि पिछड़े वर्ग के युवाओं को तकनीकी कौशल प्रदान कर उन्हें रोजगार योग्य बनाया जाए। कम्प्यूटर प्रशिक्षण से यह युवक-युवतियां अपनी क्षमता को निखार सकेंगे, जिससे वे आत्मनिर्भर होकर समाज में आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना और युवाओं को वैश्विक तकनीकी मानकों के अनुरूप तैयार करना है।

इण्टरमीडिएट पास छात्रों को मिलेगा अवसर

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की निदेशक डॉ. वंदना वर्मा ने बताया कि यह प्रशिक्षण उन पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवाओं के लिए है, जिन्होंने इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की हो और जिनके माता-पिता की वार्षिक आय एक लाख रुपये तक हो। प्राप्त आवेदनों की जिला स्तर पर जाँच और सत्यापन के बाद योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। यह प्रक्रिया 25 अक्टूबर से 14 नवंबर 2024 तक पूरी होगी। चयनित अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण 15 नवंबर 2024 से शुरू होगा।

10 अक्टूबर तक कर सकेंगे आवेदन

आवेदक 10 अक्टूबर 2024 से 30 अक्टूबर 2024 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://www.backwardwelfareup.gov.in या कम्प्यूटर प्रशिक्षण पोर्टल https://obccomputertraining.upsdc.gov.in पर जाकर किया जा सकता है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से समस्त मण्डलायुक्तों व जिलाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

- जीरो पावर्टी-उत्तर प्रदेश अभियान के त्वरित कार्यान्वयन के लिए एन्युमेरेटर के चयन की कार्यवाही 7 दिवस में हो पूरी: मुख्य सचिव

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से समस्त मण्डलायुक्तों व जिलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि जीरो पावर्टी-उत्तर प्रदेश अभियान के त्वरित कार्यान्वयन के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर अधिकतम 25 निर्धनतम परिवारों का चयन किया जाना है। निर्धनतम परिवारों के चिन्हीकरण की कार्यवाही एन्युमेरेटर द्वारा निष्पादित की जायेगी। इसके लिए उन्होंने प्रथम चरण में खंड विकास अधिकारिओं द्वारा एन्युमेरेटर (ग्राम पंचायत स्तरीय कर्मचारी व कैडर) का सत्यापित प्रोफाइल जीरो पावर्टी पोर्टल द्धह्लह्लश्च्//5द्गह्म्श-श्चश्1द्गह्स्र्4.द्बठ्ठ पर 7 दिवस के भीतर पंजीकृत कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि इसमें पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, समूह सखी, अन्य सामुदायिक कैडर व बीसी सखी सखी शामिल होगें। उन्होंने कहा कि निर्धनतम परिवारों की पहचान और उन्हें समयबद्ध चरण में गरीबी से निकालने का मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा संकल्प लिया गया है। चयनित परिवारों को खाद्य सुरक्षा, वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं व आवास से संतृप्त किया जायेगा। इन परिवारों की नियमित आय के लिए रोजगार व स्वरोजगार के अवसर मुहैया कराये जायेंगे। जो व्यक्ति कार्य करने में अक्षम हैं, उन्हें संचालित पेंशन योजनाओं से संतृप्त किया जायेगा। इसमें सभी का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि सूचना की गुणवत्ता तथा संपूर्णता के लिए 5 सदस्यीय ग्राम स्तरीय समिति द्वारा इसे सत्यापित किया जायेगा। इस समिति में ग्राम प्रधान, भूतपूर्व ग्राम प्रधान, विद्यालय के वरिष्ठ प्रधानाध्यापक, दो सबसे पुराने स्वयं सहायता समूह के अध्यक्ष शामिल होंगे। प्रत्येक सदस्य निर्धनतम परिवार के लिए अलग-अलग अभिमत देंगे, जिसे अन्य सदस्य नहीं देख सकेंगे। सदस्य को स्थलीय सत्यापन के स्थान व समय पर ही सत्यापन के पश्चात अपना अभिमत मोबाइल पर देना होगा। मुख्य सचिव कैम्प में विशेषज्ञ-टीम द्वारा सूचनाओं की सत्यता का परीक्षण भी किया जायेगा। सूचना पर संदेह होने पर थर्ड पार्टी द्वारा स्थलीय परीक्षण किया जायेगा। अंतिम चयनित निर्धनतम परिवारों की सूची को ग्राम पंचायत सचिवालय के कई स्थानों पर 15 दिनों के लिए चस्पा किया जायेगा। उन्होंने कहा कि निर्धनता का आंकलन द्विस्तरीय होगा। पहला भूमिहीन, आजीविका का कोई विकल्प नहीं, अनिश्चित आय, दिहाड़ी/ कृषि मज़दूरी पर आश्रित, आर्थिक संसाधनों की कमी, परिवार में हमेशा खाने-पहनने की तंगी रहती है। द्वितीय स्तर एकल महिला (परित्यक्ता/ विधवा) सरकारी मदद से वंचित, परिवार का मुखिया/ कमाऊ सदस्य विकलांग, मुखिया/ कमाऊ सदस्य की उम्र 65 वर्ष या ज़्यादा है, मुखिया/ कमाऊ सदस्य प्रवासी मज़दूर है, परिवार का कोई सदस्य गंभीर बीमारी से ग्रसित है, परिवार आपदा प्रभावित स्थान पर निवास करता है, परिवार का आजीविका का साधन हस्तशिल्प/ शिल्पकारी है, कोई भी सदस्य किसी आजीविका कौशल में सक्षम नहीं है और स्वयं सहायता समूह के सदस्य भी नहीं है। टेक होम राशन यूनिट की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि सभी यूनिट क्रियाशील हो और टाइम से डिलीवरी और सभी वेण्डर्स का भुगतान समय से हो। इसके लिए मुख्य विकास अधिकारी को जवाबदेही तय की जाये। मुख्य विकास अधिकारियों द्वारा समय-समय पर इन यूनिटों का निरीक्षण व मॉनीटर किया जाये और कार्यरत महिलाओं को मोटिवेट किया जाये। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती मोनिका एस गर्ग सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

श्री नंदी ग्राम महोत्सव का भव्य शुभारंभ 22 अक्टूबर से

21 कुंडीय श्री राम महायज्ञ एवं श्री राम कथा भरत चरित्र

जन एक्सप्रेस । अयोध्या

नंदी ग्राम, भरत कुंड स्थित श्री प्राचीन भरत गुफा और श्री भरत हनुमान मिलन मंदिर (श्री मणि राम दास छावनी) में 22 अक्टूबर से श्री मणि राम दास जी की छावनी अयोध्या के उत्तराधिकारी महंत श्री कमल नयन दास जी महाराज शास्त्री जी की अध्यक्षता में 21 कुंडीय श्री राम महायज्ञ एवं श्री राम कथा (भरत चरित्र) का भव्य शुभारंभ होने जा रहा है।

आयोजन एवं कार्यक्रम÷ कमल नयन दास भरत कुंड फाउंडेशन के आयोजक परमात्मा दास महाराज ने जानकारी दी कि 21 कुंडीय श्री राम महायज्ञ की कलश यात्रा पंचकोशीय परिक्रमा के साथ प्रातः 9 बजे मंडप प्रवेश के साथ प्रारंभ होगी। समारोह में 1100 हनुमान चालीसा पाठ, नवाह पारायण पाठ प्रतिदिन, भजन संध्या (महा आरती), रामलीला मंचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित विद्यालय के बच्चों की प्रतियोगिता प्रतिदिन संपादित होगी।

22 अक्टूबर÷ लवकुश भगवान की यात्रा भरत कुंड नंदी ग्राम तक।

23 अक्टूबर÷ देवी पूजन, शास्त्रीय संगीत, भजन संध्या, सांस्कृतिक कार्यक्रम।

24 अक्टूबर÷ अरणी मंथन यज्ञ, विद्यालय के बच्चों का कार्यक्रम।

25 अक्टूबर÷ श्री राम कथा की अमृत वर्षा जगद गुरु रामा नुजाचार्य स्वामी रत्नेश प्रपन्नाचार्य जी महाराज के श्री मुख से।

26 अक्टूबर÷ दक्षिण भारत (मैला पुर, चेन्नई) किंचितकारम धर्म संस्थापनम द्वारा कार्यक्रम।

27 अक्टूबर÷ देवी पूजन, नवाह पारायण पाठ, श्री राम महायज्ञ, श्री राम कथा (भरत चरित्र), भजन संध्या।

28 अक्टूबर÷ वेदी पूजन, नवाह पारायण पाठ, श्री राम महायज्ञ, विद्यालय के बच्चों का कार्यक्रम।

29 अक्टूबर÷ देवी पूजन, नवाह पारायण पाठ, राम भरत मिलाप यात्रा, दीप महोत्सव।

30 अक्टूबर÷ शस्त्र पूजन, हनुमान भरत मिलाप, भव्य दीप महोत्सव, ब्रह्मलीन महंत राजेंद्र दास जी महाराज श्रद्धांजलि सभा।

31 अक्टूबर÷ भव्य दीप महोत्सव एवं नंदी ग्राम रत्न, सम्मान समारोह, पूर्वाह्न 2 बजे से वृहद भंडारा।

संरक्षक मंडल÷समारोह के संरक्षक मंडल में प्रमुख रूप से विंदु गद्याचार्य महंत देवेन्द्र प्रसादा चार्य महाराज, महंत राम दास महाराज, अधिकारी राजकुमार दास महाराज, और पंजाबी बाबा महाराज शामिल हैं।

समारोह में 5 राज्यों के महामहिम राज्यपाल महोदय सहित कई केंद्रीय मंत्रियों के आगमन की संभावनाएं हैं।

महिला ईएमटी ने दिखाई ईमानदारी, तीमारदार को लौटाई चांदी की पायल

जन एक्सप्रेस/अयोध्या। एंबुलेंस कर्मचारियों ने हमेशा अपनी सेवा में उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है, और अब एक महिला ईएमटी ने ईमानदारी की एक नई मिसाल पेश की है।

जिला महिला अस्पताल में कार्यरत एंबुलेंस की महिला कर्मचारी खुशबू को अस्पताल परिसर में एक चांदी की पायल मिली। उन्होंने इसे न केवल अपने पास सुरक्षित रखा, बल्कि पायल की असली मालिक को खोजने का भी प्रयास किया। काफी खोजबीन के बाद, जब उन्हें पायल की स्वामिनी का पता नहीं चला, तो उन्होंने इसे अपने पास रखा।कुछ घंटे बाद, एक महिला पायल की तलाश में अस्पताल आई। ईएमटी खुशबू ने महिला को पायल सौंपते हुए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया और अपने अधिकारियों को भी इस मामले की जानकारी दी। पायल पाने वाली महिला ने ईएमटी का दिल से धन्यवाद किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। ऐसी ईमानदारी और सेवा भावना हमेशा सराही जाती है, और इससे लोगों के बीच विश्वास और सहयोग का माहौल बनता है।

उप मुख्यमंत्री ने अमृतकाल सहभागिता कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

जन एक्सप्रेस । अयोध्या

उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, केशव प्रसाद मौर्य ने आज श्री गहनाग देव संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गहनाग राय पट्टी में आयोजित ÷आइये रोजगार करें÷ प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के अमृतकाल सहभागिता समारोह में भाग लिया।उप मुख्यमंत्री का स्वागत अन्तर्राष्ट्रीय महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट अयोध्या पर महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, और उपनिदेशक समाज कल्याण द्वारा पुष्प गुच्छ देकर किया गया।उप मुख्यमंत्री ने गहनाग बाबा के मंदिर में दर्शन पूजन किया और ग्राम चौपाल में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम में भी भाग लिया, जहां समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे दीपोत्सव के दीयों का अवलोकन किया गया।

उपमुख्यमंत्री ने समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित अनुसूचित जाति मोर्चा सम्मेलन में भी हिस्सा लिया, जहाँ विभिन्न विभागों द्वारा

लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य के लिए कई लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और चेक वितरित किए गए, जिसमें÷1 लाभार्थी को मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना का प्रशस्ती पत्र
09 लाभार्थियों को अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति को चेक आश्रम पद्धति के 06 मेधावी छात्रों को प्रशंसा पत्र,आयुष्मान कार्ड के 04 लाभार्थियों को चेक
पीएम आवास योजना के 05 लाभार्थियों को चाबी
पीएम किसान के 02 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र
कस्टम हायरिंग सेंटर के 01 लाभार्थी को 24 लाख का चेक200 बीसी सखी को प्रमाण पत्र

उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जनपद अयोध्या में केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चौमुखी विकास हो रहा है, जिसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है। उन्होंने विभिन्न योजनाओं जैसे मुफ्त राशन योजना और आयुष्मान योजना के तहत गरीबों को मिले लाभ का जिक्र किया।उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा ग्राम की समस्याओं के निस्तारण के लिए ÷आपके द्वार÷ योजना के तहत त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। बीसी सखी के माध्यम से लखपति दीदी योजना का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, जिससे गरीबों को बैंक की सुविधाएं मिल रही हैं।उप मुख्यमंत्री ने दिव्यांग सशक्तिकरण योजना, किसान सम्मान निधि, आवास योजना, वृद्धा पेंशन और निराश्रित पेंशन जैसे कार्यक्रमों की जानकारी दी, और कहा कि सभी पात्र व्यक्तियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए सरकार कटिबद्ध है।

सरकारी नारी शक्ति योजना पर सवालः रौनाही पुलिस की भूमिका पर उठे प्रश्न

जन एक्सप्रेस । अयोध्या

जनपद के थाना रौनाही क्षेत्र के ग्राम तहसीनपुर में पीड़ित हीरालाल अपने परिवार की बेटियों पर हुए हमले को लेकर सरकारी नारी शक्ति योजना की प्रभावशीलता पर प्रश्न चिह्न लगा दिया है। पीड़ित हीरालाल ने आरोप लगाया कि स्थानीय दबंगों ने घर में घुसकर मेरी नाबालिक बेटियों के साथ मारपीट की, जिससे एक पुत्री रंजना की हालत गंभीर है और वह जिला चिकित्सालय में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, दबंगों का यह हमला सिर्फ शारीरिक हिंसा तक सीमित नहीं था, बल्कि वे पीड़ित परिवार को खुलेआम धमकी भी दे रहे हैं। हालात यह हैं कि आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है, जिससे उनके हौसले और भी बढ़ गए हैं। ऐसे में रौनाही पुलिस की निष्क्रियता और स्थानीय प्रशासन की चुप्पी पर सवाल उठने लगे हैं।पीड़ित परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और दबंगों के खिलाफ कोई ठोस कदम उठाने में नाकाम रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि नारी शक्ति योजना का लाभ पीड़ित महिलाओं को नहीं मिल रहा है, और सरकार की मंशा भी सवालों के घेरे में है।इस मामले ने न केवल स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा किया है, बल्कि समाज में व्याप्त असमानता और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी गंभीर चिंतन का विषय बन गया है। सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं ने मांग की है कि प्रशासन इस मामले में त्वरित कार्रवाई करे और पीड़ित परिवार को सुरक्षा और न्याय मिले।

यूपी में उपचुनावः खटाई में पड़ता दिख रहा है इंडिया गठबंधन, सभी दस सीटों पर लड़ सकती है कांग्रेस

जन एक्सप्रेस । अमेठी

कांग्रेस का तर्क है कि इन सीटों पर आम चुनाव में सपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में इन पर कांग्रेस उम्मीदवार उतारा जाए। दूसरी तरफ सपा ने एक से दो सीटें देने की बात कही लेकिन इसमें भी स्पष्टता नहीं है। उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। कांग्रेस ने सभी सीटों पर प्रभारी और पर्यवेक्षक उतारने के बाद सम्मेलन शुरू किया है। इसी तरह बूथ कमेटियां भी तैयार की जा रही है। जहां पहले से कमेटी बनी है, उसकी समीक्षा की जा रही है। उपचुनाव वाली 10 विधानसभा सीटों में कांग्रेस ने पांच पर दावा किया है।

पार्टी मिर्जापुर की मझवा, प्रयागराज की फूलपुर, गाजियाबाद, खैर और मीरापुर सीट पर दावा किया है। कांग्रेस का तर्क है कि इन सीटों पर आम चुनाव में सपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में इन पर कांग्रेस उम्मीदवार उतारा जाए। दूसरी तरफ सपा ने एक से दो सीटें देने की बात कही लेकिन इसमें भी स्पष्टता नहीं है। सपा की ओर से भविष्य में सीटें देने से इन्कार करने की आशंका को देखते हुए कांग्रेस ने सभी 10 सीटों पर प्रभारी व पर्यवेक्षक तय कर दिए हैं। प्रभारी व पर्यवेक्षक संबंधित सीटों पर सम्मेलन कर रहे हैं। इन सम्मेलनों के जरिये संगठन को बूथ स्तर पर तैयार किया जा रहा है। ऐसे में सपा और कांग्रेस के अंदरखाने में जिस तरह से तैयारी चल रही है, उससे उपचुनाव में इंडिया गठबंधन के बरकरार रहने पर संशय है।

संभावित उम्मीदवारों की तलाश तेज कांग्रेस ने सभी 10 विधानसभा सीटों पर संभावित उम्मीदवारों की तलाश शुरू कर दी है। यह भी संभव है कि मझवां विधानसभा क्षेत्र से प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अथवा उनके परिवार के सदस्य मैदान में उतर सकते हैं। यह सीट पहले भी कांग्रेस के पास रही है। हालांकि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अभी खुल कर कुछ बोलने को तैयार नहीं है। वह कहते हैं कि शीर्ष नेतृत्व के आदेश के अनुसार उपचुनाव लड़ा जाएगा। पांच विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रस्ताव केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जा चुका है।

समाज सेवा के क्षेत्र में अलख जगाने वाले समाजसेवी बसंत राम हुए सम्मानित

जन एक्सप्रेस । अयोध्या

सामाजिक संस्था शांति फाउंडेशन, जिला गोंडा के स्थापना दिवस और संस्था प्रेरणा स्रोत की स्मृति में आयोजित सम्मान समारोह में वरिष्ठ समाजसेवी बसंत राम को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्य के लिए इंटरनेशनल बेस्ट सोशल अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. शैलेंद्र सिंह, जे एस विश्वविद्यालय, फिरोजाबाद, और संस्था के सचिव सुनील आनंद एवं अध्यक्ष पिंकी आनंद द्वारा प्रदान किया गया।

बसंत राम ने इस सम्मान के अवसर पर कहा कि वह अपने पारिवारिक दायित्वों के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहना चाहते हैं। उन्होंने अपनी मां की प्रेरणा का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा और सामाजिकता जीवन में अनमोल हैं। ÷यदि हम केवल अपने लिए जीते हैं, तो क्या हम जीवित हैं? मनुष्य का जीवन दूसरों के लिए जीने में है,÷ उन्होंने अपने विचार व्यक्त किए।इस कार्यक्रम में बसंत राम के साथ-साथ संस्था के अन्य सदस्यों, विनय प्रकाश मौर्य, प्रज्ञा श्रीवास्तव, एकता रस्तोगी और आमिर खान को भी सामाजिक सेवा कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

बसंत राम ने संस्था के अध्यक्ष और टीम के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के सम्मान से न केवल उनका उत्साह बढ़ता है, बल्कि समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और मजबूत होती है।

श्रीमद्भागवत कथा का द्वितीय दिवस

जन एक्सप्रेस । अयोध्या धाम

राम कथा पार्क में मूर्धन्य पंडित उमापति त्रिपाठी महाराज के आशीर्वाद से तिवारी मंदिर धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट, अयोध्या के सहयोग से सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का द्वितीय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जगतगुरु रामानुजाचार्य डॉ. स्वामी राघवाचार्य महाराज ने कथा का संचालन करते हुए भगवान कृष्ण की महिमा का वर्णन किया।स्वामी महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत भगवान कृष्ण के साक्षात विग्रह के रूप में विद्यमान हैं और यह ब्रह्म सूत्र की सरस व्याख्या है। उन्होंने बताया कि जीव, ब्रह्म के समान हो सकता है, लेकिन वह ब्रह्म से अलग है और ईश्वर के आधीन है।माधवाचार्य महाराज ने इस बात पर जोर दिया कि जगत सत्य है, जो हमेशा से सत्य ही रहेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न विद्वानों ने वेदांत की अलग-अलग व्याख्या की है, लेकिन सभी ने सहमति जताई कि श्रीमद्भागवत वेदांत की सच्ची व्याख्या है।

स्वामी महाराज ने आगे कहा कि भगवान कृष्ण और भगवान रघुनंदन सभी को प्रेरणा देते हैं।

कथा के दौरान उन्होंने बताया कि भागवत भगवान का अक्षरावतार है। वक्ता का चरित्र शुद्ध होना चाहिए और श्रोता का भगवान के प्रति समर्पण होना चाहिए।

उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि ठाकुर जी की कृपा के कारण ही वे अवध धाम में कथा का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कथा सुनने के लिए आने वालों को सलाह दी कि वे प्यासे होकर आएं, ताकि वे भागवत कथा से अधिकतम ज्ञान और आनंद प्राप्त कर सकें।कथा के शुभारंभ से पहले पंडित शिवेश्वरपति त्रिपाठी, पंडित श्रीशपति त्रिपाठी और महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने व्यास पीठ का पूजन किया। कथा के समापन पर आरती की गई और प्रसाद का वितरण किया गया। कथा में संघ के क्षेत्रीय प्रचारक अनिल जी सहित सैकड़ों कथा प्रेमी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत रूद्रेश त्रिपाठी ने किया।

रोजगार मेला का आयोजन आठ को

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली के तत्वावधान में 08 अक्टूबर 2024 को रोजगार मेले का आयोजन पंचशील सम्राट अशोक महाविद्यालय ऊंचाहार, रायबरेली में किया जाना प्रस्तावित हैं जिसमें निजी क्षेत्र की ब्राइट फ्यूचर आर्गेनिक हर्बल, बुसा मैनेजमेंट लिमिटेड, भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन लिमिटेड, ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशन, ग्रीन मैक्स सिस्टम्स बारबेक्यू नेशन हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड द्वारा डिप्लोमा, आई0टी0आई0, हाईस्कूल इंटर, स्नातक अभ्यर्थी के रिक्त पदों पर बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगाजिला सेवा योजना अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया है कि इच्छुक अभ्यर्थी मेले में अपने साथ आई0डी0 मूल शैक्षिक अभिलेख एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ सम्मिलित हो सकते है। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिये सर्वप्रथम अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने हेतु विभागीय पोर्टल http://roj-gaarsangam.up.gov.in पर नियोजकों व अभ्यर्थियों द्वारा पंजीकरण कराना अनिवार्य है।

एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने वाले दो अवैध शस्त्र व कारतूस के साथ गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

लालगंज ग्रामीणों ने दो शातिर अपराधियों को पड़कर किया पुलिस के हवाले खबर रायबरेली जनपद के लालगंज कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत लालूमऊ से है जहां पर कल दो शातिर अपराधियों को ग्रामीणों ने पड़कर पुलिस के हवाले किया था आपको बता दे की पुलिस के पूछताछ में अपराधियों ने बताया कि हम लोग एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करते थे। अपराधियों द्वारा बताया गया कि कल हम लोग अपने दो साथियों के साथ अपने वाहन से जा रहे थे तभी रास्ते में हमारी गाड़ी एक मोटरसाइकिल से टकरा गई थी तो हम लोगों ने अपनी गाड़ी लालगंज की तरफ घुमा दी और तेजी से भागने लगे हम लोगों को यह शंका थी कि लोग हमारा पीछा कर रहे हैं और हमें पकड़ लेंगे जिस कारण हमने अपनी गाड़ी सड़क किनारे एक ढाबे के पास खड़ी कर दी और जंगल की तरफ भाग कर लोन नदी के किनारे पहुंच गए पीछे से आक्रोशित भीड़ को आता देख हम लोग नदी में कूद गए

समीम खान नदी पार करके दूसरे तरफ निकल गया था और सुधांशु को भीड़ ने वही पड़कर बाहर खींच लिया अन्य दो मौके से भाग गए पुलिस को घटना की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस ने आकर हम दोनों को भीड़ से बचकर थाने ले आई वहीं पुलिस ने अभियुक्तों के पास से 53 एटीएम कार्ड व गाड़ी से मिले अवैध शस्त्र के संबंध में कड़ाई से पूछताछ की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि हम लोग एटीएम कार्ड बदलकर लोगों के साथ धोखाधड़ी करते हैं लालगंज में कुछ दिन पहले ही चालिस हजार की धोखाधड़ी कर आपस में बांट लिया था। वही पुलिस ने घटना का खुलासा कर बताया कि एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने वाले दो अभियुक्तों को पोलो कार 53 एटीएम कार्ड व अवैध शस्त्र व कारतूस व? 1720 रूपये के साथ गिरफ्तार किया गया है। वही दोनों अभियुक्त सुधांशु सिंह पुत्र स्वर्गीय अजय प्रताप सिंह निवासी की इटौरी सगरा सुंदरपुर थाना लीलापुर जनपद प्रतापगढ़ वही दूसरा अभियुक्त समीम खान पुत्र जाकिर अली निवासी इटौरी सगरा सुंदरपुर थाना लीलापुर जनपद रायबरेली वासी थे।

मिशन शक्ति फेज-5 बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

जन एक्सप्रेस/रायबरेली।जिलाधिकारी४ हर्षिता माथुर व जिला प्रोबेशन अधिकारी जय पाल वर्मा के निर्देशानुसार भारत सरकार द्वारा निर्गत कार्यक्रम 卐मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज -05卐 के अंतर्गत 卐अंतरराष्ट्रीय एवं बालिका दिवस समारोह卐 के उपलक्ष्य में मीना मंच के प्रभारी एस एस पांडेय, मनोसामाजिक परामर्शदाता,श्रद्धा सिंह भदौरिया सखी वन स्टॉप सेंटर व साबला परामर्श , रंजना ,दीप्ति मिश्रा द्वारा जनपद रायबरेली देदौर बलिका इंटर कॉलेज में, बेटियाँ ही घर की शान होती है विषय पर स्वागत गीत व भाषण में प्रतिभा किया साथ ही महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में एवं महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान और तृतीय स्थान पर विजेता छात्राओं को सम्मान पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना जिसमे योजना की बढ़ाई गई धनराशि 25000 के बारे मे एवं स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, बाल सेवा योजना के बारे में विस्तार से बताया गया।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तृतीय दिवस पर यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

पुलिस अधीक्षक महोदय रायबरेली के निर्देशन अपर पुलिस अधीक्षक महोदय के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व में आज दिनांक 04.10.2024 को सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तृतीय दिवस जनपद रायबरेली यातायात पुलिस द्वारा बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु यातायात जागरूकता अभियान के अंतर्गत लालगंज कस्बे में एन.सी.सी.कैम्प में कैडेटों को यातायात नियमों के संबध में जानकारी देते हुए प्रशिक्षित किया गया । जनपद में सार्वजनिक स्थानों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से यातायात नियमों के प्रति आम जनता को जागरूक किया गया तथा यातायात नियमों का प्रचार प्रसार करते हुए आम जनता को यातायात नियमों के प्रति जागरुक करते हुए पंपलेट स्टीकर वितरित किए गए एवं सार्वजनिक स्थानों पर बैनर लगवाए गए, तथा राजमार्गों पर सड़क के किनारे वाहन खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने वाले वाहनों को राजमार्ग के किनारों से हटवाया गया साथ ही उनको ऐसा न करने की चेतावनी दी गई ना मानने वालों पर मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की गई । उनको यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया,सड़क के किनारे लगे ठेले, रायबरेली शहर के अंदर सड़क के किनारे वाहन खड़ा करके जाम का कारण बनने वाले वाहनों को हटाया गया उनको हिदायत की गई साथ ही नो पार्किंग के अंतर्गत प्रवर्तन कार्रवाई की गई,सड़क के किनारे लगे खोमचे तथा फल की दुकानें हटवाई गई।

मृतक शिक्षक सुनील भारती के पैतृक गांव सुदामापुर पहुंचे अमेठी सांसद के एल शर्मा, परिवार को दिया हर संभव मदद का भरोसा

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

जगतपुर ब्लॉक थाने के सुदमापुर निवासी एक शिक्षक को उसके परिवार सहित अमेठी जिले के अहोरवा भवानी में गोली मार दी गई।अमेठी जिले के शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के अहोरवा भवानी चौराहे पर गुरुवार शाम अज्ञात बदमाशों ने घर में घुसकर एक शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद बदमाशों ने शिक्षक की पत्नी और उसके दो बच्चों की भी गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर वहां से भाग निकले। इस हत्याकांड के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन चुका है। एएसपी हरेंद्र प्रताप मौके पर पहुंच गए हैं। जांच जारी है आरोपियों को जल्द पकड़ने की बात कही है

प्राथमिक सूचना स्थानीय लोगों के अनुसार शिवरतनगंज थाना क्षेत्र में किराए के मकान में शिक्षक सुनील कुमार (35) पुत्र रामगोपाल अपनी पत्नी, दो बच्चों(3 वर्षीय पुत्र व डेढ़ वर्षीय पुत्री) के साथ रहते थे। सुनील कुमार पीएमश्री विद्यालय

पन्हौना में सहायक अध्यापक थे। गुरुवार देर शाम कुछ असलहाधारी लोग उनके आवास पर पहुंचे। बदमाशों ने सुनील कुमार को निशाना बनाते हुए परिवार पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बचाव में पहुंची उनकी पत्नी व दो बच्चे भी गोली का शिकार हो गए। चारों लोगों को सीएचसी सिंहपुर ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने चारों लोगों को मृत घोषित कर दिया पुलिस का कहना है कि मौके की जांच की जा रही है, हत्या किस वजह से हुई, क्या कारण है, यह अभी कुछ कह पाना मुश्किल है। बदमाशों की धरपकड़ जारी है इस घटना को सुनकर अमेठी के सांसद श्री के एल शर्मा शिक्षक के गांव सुदामापुर पहुंचे और उनके पिता से परिवार से मिलकर उन्हें संतावना दी और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया उसके बाद अमेठी सांसद के एल शर्मा ने रायबरेली के सांसद राहुल गांधी से दूरभाष पर मृतक के पिता रामगोपाल से बात कराई मृतक के पिता को रायबरेली सांसद राहुल गांधी ने कहा की इस दुख की घड़ी में हम आपके साथ हैं और जल्द ही हम आपके परिवार से मिलने आएंगे।

दलित उत्पीड़न महिला यौन हिंसा पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

शिवरतनगंज थाना स्थित अहोरवा भवानी चौराहे में एक ही परिवार के चार लोगों की गोली मारकर हत्या के विरोध में भाकपामालेनेजिलाजिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। सर्व ज्ञात है कि बदमाशों ने घर के घुसकर गोलियां बरसाकर पति-पत्नी और दो मासूम बच्चों को भून डाला। यह दलित परिवार किराए के मकान में रहता था। मृतक सुनील कुमार कंपोजिट विद्यालय में सहायक अध्यापक थे मूलतः यह रायबरेली जिले के ग्राम सुदामापुर थाना गदागंज़ का रहने वाला था भाकपा (माले) जिला सचिव उदय भान पटेल ने कहा कि मृतका पूनम भारती विगत 18 अगस्त 2024 को राय बरेली शहर अपने बच्चे के इलाज के लिए आई थी तब उसके साथ छेड़छाड़ और मारपीट की घटना हुई थी जिसकी कोतवाली सदर राय बरेली में छेड़छाड़ और मारपीट व एससी एसटी एक्ट के तहत एक रिपोर्ट दर्ज हुई। जिसमे पूनम ने अपनी और परिवार की जान के खतरे का कई बार उल्लेख किया गया था। किंतु उक्त मुकदमे के विवेचक ने घोर लापरवाही बरती और यह खौफ नाक घटना सामने है।

इंकलाबी नौजवान सभा के जिलाध्यक्ष हनुमान अंबेडकर ने कहा की सरकार का इकबाल खत्म हो गया है। एक ओर मुख्यमंत्री कहते घूम रहे हैं कि उत्तर प्रदेश से अपराधी भाग गए हैं किंतु रोज ही महिलाएं, दलित, गरीब गुरबे, अल्पसंख्यक मारे जा रहे हैं, हत्या, यौन हिंसा, लूट, छिनैती जैसे अपराधों की बाढ़ आई हुई है।

janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive

कानपुर नगर एक्सप्रेस

मौसम पूर्वानुमान

अधिकतम (डिग्री0से0) : 34.0 (+3.0)
न्यूनतम तापमान (डिग्री0से0) : 25.4 (+1.5)
सापेक्षिक आर्द्रता अधिकतम : 75 प्रतिशत
सापेक्षिक आर्द्रता न्यूनतम : 60 प्रतिशत
हवा की औसत गति : 2.1 कि0मी0/घंटा
हवा की दिशा- उत्तर-पश्चिम
वर्षा (मि0मी0) : 0.0

- कृषि मौसम वैज्ञानिक

www.janexpresslive.com/epaper | हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस। | लखनऊ । शनिवार । 05 अक्टूबर 2024

कलयुगी पिता ने अपनी सौतेली बेटी को बनाया हवस का शिकार

महिला ने मामले की शिकायत कल्याणपुर थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच की तो आरोप सही पाए गए। इसके बाद आरोपी पिता महेश कुमार के खिलाफ रेप और पॉक्सो समेत अन्य गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

बीते दिन शुक्रवार को कल्याणपुर थाना क्षेत्र मे एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक बार फिर से पिता और बेटी का रिश्ता कलंकित हुआ है। कल्याणपुर क्षेत्र मे रहने वाले एक पिता ने सौतेली बेटी के साथ दुष्कर्म कर डाला। घटना का विरोध करने पर आरोपी ने अपनी पत्नी व पीड़िता के साथ मारपीट भी की। जिसके बाद किशोरी की मां ने इसकी शिकायत कल्यानपुर थाने मे की है। वहीं किशोरी की माँ की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि कल्याणपुर मे किराए के मकान मे रहने वाले एक मजदूर ने कुछ समय पहले एक तलाकशुदा महिला से शादी की थी। महिला के पहले पति से 15 साल की एक बेटी भी है। महिला का आरोप है कि चार माह पहले मजदूर ने अपनी सौतेली बेटी को घर पर अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर उसे चुप करा दिया था। जिसके बाद उसने मौका पा कर फिर से रात को दोबारा अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। बेटी के विरोध करने पर पिता ने मारपीट शुरू कर दी। बेटी की चीख सुन मौके पर पहुंची मां ने भी पति का विरोध किया।जिस पर भड़के आरोपी मजदूर ने मां-बेटी को बेरहमी से पीट दिया। इसके बाद मां पीड़ित बेटी को लेकर पुलिस के पास पहुंची। कल्याणपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है।

कानपुर मेट्रो मे सिग्नलिंग ट्रैक पावर सप्लाई आदि विभिन्न इंटरफेसों का हुआ परीक्षण

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

मेट्रो निर्माण को लेकर शहरवासियों के लिए बड़ी जानकारी सामने निकल कर आई है। कानपुर मेट्रो ने कल कॉरिडोर-1 (आई.आई.टी.-नौबस्ता) के चुन्नीगंज-नयागंज अंडरग्राउंड सेक्शन के 'डाउनलाइन' मे मेट्रो ट्रेन का टेस्ट रन किया। इस दौरान कानपुर मेट्रो के परियोजना निदेशक अरविंद मीणा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी ट्रेन मे उपस्थित रहे। इससे पहले 12 जुलाई को नयागंज स्टेशन तक 'अप-लाइन' पर पहली बार मेट्रो ट्रेन दौड़ाई गई थी। बीते दिन शुक्रवार को हुए टेस्ट रन के साथ ही अब आई.आई.टी. से नयागंज तक लगभग 15 किलोमीटर लंबे मेट्रो रूट के दोनों ही लाइन ('अप-लाइन' और 'डाउनलाइन') पर मेट्रो ट्रेन के गुजरने का रास्ता पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है।

बता दें कि नयागंज अंडरग्राउंड स्टेशन तक 'डाउनलाइन' मे ट्रैक, थर्ड रेल सिस्टम, सिग्नल आदि इंस्टॉल करने का काम पूरा होने के बाद कल मेट्रो ट्रैक के समानांतर लगाए गए थर्ड रेल को पहली बार चार्ज किया गया। शुक्रवार से इस सिस्टम मे करंट की सप्लाई हरदम चालू मानी जाएगी। 750 वोल्ट डीसी करंट पर चलने वाली कानपुर मेट्रो ट्रेनें परिचालन हेतु पारंपरिक तौर पर प्रयोग होने वाली ओ.एच.ई. (ओवर हेड इक्युपमेंट) प्रणाली की जगह पर ट्रैक के समानांतर बिछी हुई थर्ड रेल का प्रयोग करतीं हैं। नयागंज स्टेशन तक 'अप-लाइन' पर थर्ड रेल को चार्ज करने की प्रक्रिया 12 जुलाई से ही आरंभ की जा चुकी है।

कानपुर मेट्रो ट्रेन के टेस्ट रन के दौरान ट्रेन को ऑटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (ए.टी.पी.) मोड़ पर चलकर सिग्नलिंग, ट्रैक, पावर सप्लाई आदि विभिन्न इंटरफेसों को परखा गया। सिग्नलिंग से संबंधित मैप वेरिफिकेशन टेस्ट मे ट्रैक के साथ लगे उपकरणों जैसे टी.आर.ए. सिग्नल, एक्सेल काउंटर आदि के सॉफ्टवेयर लोकेशन को वास्तविक लोकेशन के साथ वेरीफाई किया गया। आने वाले दिनों मे इस प्रक्रिया के परिणामों के अनुसार सॉफ्टवेर को अपग्रेड किया जाएगा।

इसके बाद अलग-अलग स्पीड मे ट्रेन का लो और हाई स्पीड टेस्ट किया जाएगा।

प्रबंध निदेशक ने दी जानकारी

यू.पी.एम.आर.सी. के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने इस अवसर पर सभी कर्मचारियों और शहरवासियों को बधाई देते हुए कहा कि ''कानपुर मेट्रो ने अपने निर्माण के दौरान विभिन्न चुनौतियों को पार करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। बीते दिन शुक्रवार को मेट्रो के टेस्ट रन के दौरान सिग्नलिंग, ट्रैक, पावर सप्लाई आदि विभिन्न इंटरफेसों की जांच की गई। इससे प्राप्त डाटा का विश्लेषण किया जाएगा। जिससे परिचालन मे मदद मिलेगी। विभिन्न विभागों के आपसी तालमेल और सहयोग से नयागंज अंडरग्राउंड स्टेशन तक सिस्टम इंस्टॉलेशन के कार्य बहुत हद तक पूरे किये जा चूके हैं। जल्द ही इन स्टेशनों के फिनिशिंग का कार्य भी पूरा कर लिया जाएगा।

कल्यानपुर पुलिस ने चोरी के आरोप में दो महिलाओं को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

शहर की कल्याणपुर पुलिस ने आपरेशन त्रिनेत्र के तहत सीसीटीवी कैमरों की मदद से दो संदिग्ध महिलाओं को गिरफ्तार किया है। गुरुवार को केसा तिराहे के पास की गई चेकिंग के दौरान 28 वर्षीय रीना पत्नी कृष्णा और 35 वर्षीय राधिका पत्नी शनि की पहचान हुई। दोनों महिलाएं महाराष्ट्र की निवासी हैं और हाल में कानपुर के जूही क्षेत्र में रह रही थीं। पुलिस ने इनके पास से चोरी किए गए आभूषण और नगदी बरामद की।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, ये महिलाएं अकेली महिलाओं को अपने शौक और खर्चों के लिए लक्षित करती थीं, और ध्यान भटकाकर उनके पर्स को ब्लेड से काटकर चोरी करती थीं। आरोपितों ने स्वीकार किया कि उन्होंने थाना शिवराजपुर और कल्यानपुर में इसी प्रकार की घटनाओं को अंजाम दिया। उन्हें विधिक प्रक्रिया के तहत माननीय न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

बुजुर्ग से जवान बनाने के नाम पर ठगी करने वाले दंपति ने कोर्ट मे दाखिल की जमानत अर्जी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

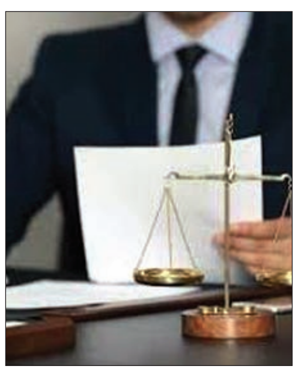

किदवई नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ऑक्सीजन थेरेपी के जरिए बुजुर्ग से जवान बनाए जाने के मामले मे ठगी करने वाले दंपति ने कोर्ट मे अपनी जमानत अर्जित दाखिल की है। दंपति ने 64 साल के बुजुर्ग को 25 साल का जवान बनाने का झांसा देकर करोड़ों रुपए की ठगी की थी। इसके बाद पीड़ितों ने इसकी शिकायत किदवई नगर थाने मे दर्ज कराई थी और मुकदमा दर्ज कर पुलिस भी आरोपियों की तलाश मे जुटी हुई थी। जिसको लेकर अब दंपति ने गिरफ्तारी से बचने के लिए कोर्ट मे अपनी जमानत अर्जी दाखिल की है।

बता दें कि स्वरूप नगर प्रभु महिमा अपार्टमेंट निवासी जिम संचालक राजीव दुबे और उनकी पत्नी रश्मि ने 2 साल पूर्व साकेत नगर स्थित एक बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर रिवाइवल वर्ड के नाम की संस्था बनाई थी। आरोप है कि दोनों ने शहर के लोगों को बताया कि उन्होंने 25 करोड़ रुपए से इजरायल की एक मशीन खरीदी है। जिससे ऑक्सीजन थेरेपी होती है। इसके जरिए 65 साल के बुजुर्ग भी 25 साल की उम्र मे युवा दिखने लगेंगे। दंपती ने मशीन दिखाकर ठगी का कारोबार बढ़ाने के लिए नेटवर्क मैनेजमेंट की तरह स्कीम दी और लाखों रुपए हड़प लिए थे। जिसके बाद स्वरूप नगर निवासी पीड़िता रेनू सिंह ने बताया कि बीती 20 सितंबर को आरोपी दंपति के खिलाफ किदवई नगर थाने मे धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके साथ ही दो दर्जन से अधिक लोगों ने पुलिस से दंपति के खिलाफ शिकायत की थी। पीड़ितों ने पुलिस को अपने बयान भी दर्ज करा दिए हैं। दूसरी तरफ प्रभु महिमा अपार्टमेंट के लोगों ने बताया कि तीसरे तल पर राजीव पत्नी रश्मि और एक बच्चे के साथ रहते हैं। वह 10 से 15 दिन मे तीन चार दिन ही आते थे। 15 दिन पूर्व दो बड़ी अटैची लेकर दोनों लोग जाते हुए दिखे थे। पुलिस भी उनके बारे मे फ्लैट मे जानकारी करने आई थी। वहीं पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने कोर्ट मे अग्रिम जमानत की अर्जी डाली थी जो अभी स्वीकार नही हुई है। इसके साथ ही पुलिस यह भी जांच करने मे जुटी है कि ऐसी कौन सी मशीन आती है जिससे लोगों को जवान करने का दावा किया जा रहा है। जिसे लेकर पुलिस सीनियर डॉक्टर से भी राय लेने की तैयारी कर रही है।

परियर के बलखंडेश्वर महादेव मंदिर से निकाली गई विशाल कलश यात्रा

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

परियर। बाबा बलखंडेश्वर महादेव मंदिर परिसर में गायत्री तपोवन हरिद्वार के विद्वान संतो द्वारा नौ कुण्डीय श्री गायत्री महायज्ञ व प्रज्ञा पुराण की कथा की शुरुआत कलश यात्रा के साथ हो गई। कलश यात्रा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से होती हुई मंदिर परिसर में आकर समाप्त हुई। कलश यात्रा में 100 से अधिक महिलाओं एवं युवतियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह आयोजन 8 अक्तूबर तक चलेगा। इस यज्ञ में सभी जाति धर्म के लोग आहुतियां प्रदान करेंगे किसी प्रकार का कोई भेद भाव नहीं है। समस्त संस्कार निशुल्क कराए जाएंगे पुंशवन, नामकरण, अन्नप्राशन, विद्यारंभन चूड़ा कर्म, यज्ञोपवीत, दीक्षा विवाह संस्कार नि शुल्क कराए जाएंगे। बाबा बलखंडेश्वर महादेव विकास सेवा समिति के लोगो ने अधिक से अधिक लोगो को पहुंचने की अपील की हैं।

डी.बी.एस. कॉलेज मे गायन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

गोविंद नगर स्थित डी.बी.एस. कॉलेज मे बीते दिन शुक्रवार को सांस्कृतिक समिति एवं आई.क्यू.ए.सी. के तत्वावधान मे आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डी.बी.एस. कॉलेज के प्राचार्य प्रो अनिल कुमार मिश्रा के द्वारा द्वीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना से किया गया।

बता दें कि आज डी.बी.एस. कॉलेज मे सांस्कृतिक समिति एवं आई.क्यू.ए.सी.के तत्वावधान मे कल शुक्रवार को गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम मे महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा भी गायन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर प्रत्युष वत्सला द्वारा किया गया। कार्यक्रम मे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.अनिल कुमार मिश्रा एवं आई. क्यू.ए.सी. के समन्वयक प्रो. के. के. श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त मे छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। जिसमे प्रथम पुरस्कार संयुक्त रूप से प्रगति त्रिपाठी, आकृति पांडेय, द्वितीय पुरस्कार संयुक्त रूप से आस्था अग्निहोत्री, विकास सागर एवं तृतीय पुरस्कार संयुक्त रूप से सात्विक, अजीजुल हसन, चतुर्थ पुरस्कार जितेंद्र सिंह समुद्रे को प्रदान किया गया। कार्यक्रम मे सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजिका डॉ.अर्चना शुक्ला, प्रो. प्रीति राठौर, प्रो. मंजू अवस्थी, डॉ. रश्मि दुबे, डॉ. हेमलता सांगुरी, डॉ अनीता सिंह, डॉ. रितेश यादव आदि उपस्थित रहीं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सम्मेलन हुआ संपन्न

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

ज्वाला देवी गर्ल्स महाविद्यालय में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की शिक्षिकाएं और बालिकाएं विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सम्मेलन में बेटियों से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई और उनके निवारण के लिए सार्थक समाधान प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम आयोजन श्रीमती अनीता दीक्षित, संयोजक, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, ने कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तिकरण है। 2015 में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू की गई इस योजना का लक्ष्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और लिंगानुपात में सुधार लाना है। उन्होंने कहा, बेटियां सिर्फ परिवार की नहीं, बल्कि राष्ट्र की धरोहर हैं, और उनकी सुरक्षा हमारा कर्तव्य है।

कार्यक्रम मेंप्रमुख रूप से दीपू पांडे, जिला अध्यक्ष, डॉ. सुलोचना दीक्षित, नारी सशक्तिकरण, डॉ. सीमा द्विवेदी, प्रोफेसर, मेडिकल कॉलेज, श्रीमती सीमा तिवारी, महिला मोर्चा, श्रीमती बीना चौहान, सहसंयोजक, श्रीमती गुंजन शर्मा, महिला मोर्चा, श्रीमती नीमा त्रिपाठी, संदीप तिवारी, डिस्टेंस हीलर, अभिराज सिंह, डॉ. गीता अस्थाना, प्रिंसिपल, प्रोफेसर प्रतिभा गंगवार, प्रोफेसर अंजली यादव मौजूदरहे। कार्यक्रम के दौरान, बेटियों ने अपनी समस्याएं साझा कीं। कु. लक्ष्मी यादव, स्नेहा वर्मा, शब्द प्रिया और ज्योति ने अपनी चिंताओं और सुझावों को प्रस्तुत किया।

वन्दे भारत ट्रेन मे अराजक तत्वों ने की पत्थरबाजी आर.पी.एफ. और जी.आर.पी. जांच मे जुटी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

एक बार फिर से अराजक तत्वों की हरकत का मामला सामने आया है। जहां इस बार अराजक तत्वों ने वाराणसी से दिल्ली जा रही 22435 वंदे भारत एक्सप्रेस के एसी चेयरकार कोच मे पनकी स्टेशन के पास पथराव कर दिया। पथराव करने के दौरान एक कोच का शीशा टूट गया। वहीं इस दौरान ट्रेन मे बैठे यात्रियों के बीच मे हड़कंप मच गया। इसके बाद लोगों ने इसकी सूचना कंट्रोल रूम पर दी। सूचना पर आर.पी.एफ. पनकी मे अज्ञात पत्थरबाजों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

बता दें कि बुधवार को ट्रेन तय समय से कानपुर सेंट्रल से आंशिक विलंब रवाना हुई। ट्रेन 19:05 बजे जैसे ही पनकी स्टेशन के आउटर सिग्नल से प्रवेश कर रही थी वैसे ही ष्ट7 कोच पर पत्थरवाजी शुरू हो गई। एक पत्थर ष्ट7 कोच के शीशे मे लगा तो शीशा टूट गया। इससे कोच मे चीखपुकार के बीच यात्रियों मे अफरा तफरी मच गई। कई यात्री तो सीट के नीचे झुक गए। आर.पी.एफ. पनकी सत्येंद्र यादव ने बताया कि चालक और टी.टी.ई. ने कंट्रोल रूम को सूचना दी थी। इस पर आर.पी.एफ. मे अज्ञात के खिलाफ रेल संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धारा मे गुरुवार को मुकदमा पंजीकृत कर जाँच पड़ताल शुरू कर दी गई है। मामले की जांच व आरोपियों की तलाश जा रही है। वहीं ट्रेन के रवाना होने के बाद आर.पी.एफ. और जी.आर.पी. ने पेट्रोलिंग की थी लेकिन कुछ हाथ नही लगा है।

जीएसटी पोर्टल ने हटाना शुरू किया डाटा

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर। जीएसटी पोर्टल पर कारोबारी का डाटा अब सात साल तक का ही उपलब्ध हो सकेगा। यदि किसी कारोबारी की अपील आदि से जुड़ा कोई दस्तावेज जरूरी हो तो उसे डाउनलोड कर लें अन्यथा परेशानी हो सकती है। जीएसटी पोर्टल ने जुलाई 2017 से डाटा हटाना भी शुरू कर दिया है। अभी तक जिस फर्म का पंजीकरण हो जाता था, उसकी ओर से दाखिल रिटर्न आदि की जानकारी जीएसटी पोर्टल पर उपलब्ध रहती थी। सीए शिवम ओमर ने बताया कि सीजीएसटी अधिनियम की धारा 19 (11) में प्रावधान है कि करदाताओं को रिटर्न प्रस्तुत करने की नियत तिथि से तीन वर्ष की अवधि समाप्त होने के बाद अपना जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा जीएसटी पोर्टल डाटा नीति के अनुसार, करदाता के देखने के लिए डाटा केवल सात वर्षों तक ही रखा जाना है। इसलिए पोर्टल पर समान डाटा नीति लागू की जा रही है। करदाताओं के लिए रिटर्न डाटा सात वर्षों से अधिक देखने के लिए उपलब्ध नहीं होगा। जुलाई 2017 के लिए दाखिल रिटर्न और सितंबर 2017 के लिए डाटा को पोर्टल से हटा दिया गया।

कांग्रेस पार्टी की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तैयारी, इंडिया गठबंधन पर उठे सवाल

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

उत्तर प्रदेश की दस विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। बीजेपी और समाजवादी पार्टी की तैयारियां जमीनी स्तर पर दिखने लगी हैं। वहीं कांग्रेस पार्टी ने भी यूपी की दस सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। कांग्रेस ने सभी सीटों पर प्रभारी और पर्वेक्षक उतारने के साथ ही सम्मलेन की भी तैयारी शुरू कर दी है। इसी तरह से बूथ कमेटियां भी तैयारी की जा रही हैं। कांग्रेस पार्टी 10 सीटों में से 5 सीटों पर दावा कर रही है। जिसमें मिर्जापुर की मझवा, प्रयागराज की फूलपुर, गाजियाबाद, खैर और मीरापुर विधानसभा सीटों पर दावा किया है। कांग्रेस का तर्क है कि इन सीटों पर आम चुनावों में सपा का प्रदर्शन अच्छा नही रहा है। ऐसी स्थिति मे इन सीटों पर कांग्रेस का प्रत्याशी उतारा जाए। वहीं सपा ने उपचुनाव मे कांग्रेस को एक या दो सीटें देने की बात कही है। सपा की तरफ से भविष्य मे सीट देने से इंकार करने की आशंका को देखते हुए दस सीटों पर प्रभारी और पर्वेक्षक उतार दिए हैं। प्रभारी और पर्वेक्षक संबधित सीटों पर सम्मलेन कर रहे हैं। इन सम्मलेनों के जरिए संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत किया जा रहा है। ऐसे मे सपा और कांग्रेस के अंदर जिस तरह की तैयारियां चल रही हैं उससे उपचुनाव मे इंडिया गठबंधन बरकरार रहने का संशय है।

कांग्रेस से प्रदेश अध्यक्ष लड़ सकते हैं चुनाव

कांग्रेस ने सभी 10 सीटों पर प्रत्याशियों की तलाश भी शुरू कर दी है। यह भी संभव है कि माझवा विधानसभा क्षेत्र से प्रदेश अध्यक्ष या उनके परिवार के सदस्य उतर सकते हैं। यह सीट पहले भी कांग्रेस के पास रह चुकी है। हालाकि अजय राय अभी भी खुलकर बोलने को तैयार नही हैं।उनका कहना है कि शीर्ष नेतृत्व के आदेश पर उपचुनाव लड़ा जाएगा।

9 अक्टूबर को होगा कांग्रेस कमेटी का संविधान सम्मान सम्मेलन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी जरा प्रायोजित एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर 9 अक्टूबर 2024 को होने वाले संविधान सम्मान सम्मेलन (जीटी रोड गुंजन टॉकीज के सामने) के वृहद कार्यक्रम की सफलता के लिए कांग्रेस मुख्यालय, तिलक हाल में कांग्रेस के सभी सम्मानित पदाधिकारी फ्रंटल एवं प्रकोष्ठ के संगठनों वार्ड अध्यक्षों एवं पार्षदों की बैठक हुई। जिसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव नीलांशु चतुर्वेदी जी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं प्रभारी जी राहुल राय जी,महासचिव अंशु तिवारी जी सचिव संतराम नीलांचल जी की विशेष उपस्थिति में तैयारी बैठक आयोजित हुई। बैठक में जहां सम्मेलन की संपूर्ण व्यवस्था को सुचारित करने के लिए विस्तृत रूपरेखा की घोषणा की गई वहीं सम्मेलन के हर स्तर के कांग्रेस जनों की आवश्यक अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश व स्थानीय स्तर के प्रमुख नेताओं पूर्व विधायकों आदि को विधानसभा स्तर के साथ-साथ वार्ड स्तर के कांग्रेस जनों को संगठित शक्ति को सुनिश्चित करते हुए उन्हें प्रेरित करते हुए आधिकाधिक संख्या में सम्मिलित करने की अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सुनिश्चित की गई। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष पूर्व विधायक संजीव दरियाबादी जी पूर्व विधायक सोहेल अख्तर अंसारी जी पूर्व लोकसभा प्रत्याशी आलोक मिश्रा जी ने अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी का आवाहन किया। कार्यक्रम का संचालन दिलीप शुक्ला ने व धन्यवाद लल्लन अवस्थी ने दिया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शंकर दत्त मिश्रा, पवन गुप्ता, प्रदेश महासचिव कनिष्क पांडे ,जेपी पाल, हर प्रकाश अग्निहोत्री, प्रदेश महिला अध्यक्ष करिश्मा ठाकुर, पूर्व विधायक भजन नारायण मिश्रा, नेकचंद पांडे , अमित पांडे, विकास अवस्थी, प्रतिभा अटल पाल, ललित मोहन श्रीवास्तव ,संजीव मिश्रा, मनीष बाजपेई ,मीणा मिश्रा अवनीश सलूजा ,धवल पांडे, हीरालाल निषाद ,शकील मंसूरी, अफजाल अहमद चंद, गुफरान अहमद, विमल गुप्ता, मनोज दुबे पिंकू, चंद्रमण मिश्रा, राजेंद्र वाल्मीकि सहित सैकड़ो कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

प्रारब्ध की वजह से जीवन में सुख और दुख का होता प्रवेश

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

बिठूर मंगलम पार्टी लॉन में चल रही रामलीला के दूसरे दिन कलाकारों द्वारा अहिल्या उद्धार, गंगा दर्शन, नगर दर्शन पुष्प वाटिका, की लीला का मंचन किया गया। लीला के माध्यम से कलाकार द्वारा समाज में पहली विसंगतियों से दूर रहने के लिए समाज को प्रेरित किया। इसके अलावा लीला के माध्यम से बताया की कैसे प्रारब्ध की वजह से मानव के जीवन में दुख और सुख का प्रवेश होता है। कलाकारों में राम की भूमिका पंडित हरेंद्र तिवारी, लक्ष्मण की भूमिका पंडित रविकांत तिवारी मां सीता की भूमिका पंडित विशाल मिश्रा परशुराम जी की भूमिका पंडित राम जी शुक्ला, निभा रहे थे। कार्यक्रम आयोजन शहीद भगत सिंह ग्रुप आफ एजुकेशन के डायरेक्टर विमल कुमार दीक्षित, सहायक व्यवस्थापिका रजनी दीक्षित, और अंकुर दीक्षित, ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी रामलीला व दशहरे मेले का विशाल आयोजन किया जा रहा है। लीला के दौरान हजारों की तादाद में बिठूर वासी लीला देखने के लिए पहुंचे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से चंद किशोर शुक्ला, शिवदीन द्विवेदी, मौजूद रहे।

अज्ञात शव मिलने के बाद क्षेत्र में मचा हड़कंप

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मकड़ीखेड़ा में स्थित सीएनजी पंप के सामने बने पक्के नाले में शुक्रवार सुबह टहलने वाले लोगों ने एक शव देखा। इसकी सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव की जांच की, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष है। शव को पैंट और शर्ट पहने हुए पाया गया है। कल्याणपुर थाना प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि शव कई दिन पुराना है, और पहचान के प्रयास जारी हैं। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है, और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि मृतक की पहचान की जा सके।

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

श्यामजी कृष्ण ने ही विदेशों में जगाई क्रांति की अलख

भारतीयों द्वारा भारतीयों के लिए भारतीय सरकार की स्थापना- की बात उठाई थी। ब्रिटिश हुकूमत के सतर्क होने और अपनी गिरफ्तारी की आशंका से मादाम भीकाजी कामा और सरदार सिंह राणा के साथ श्यामजी कृष्ण वर्मा ने अपना नया केंद्र पेरिस को बनाया। पेरिस में भी दबाव बनने पर श्यामजी कृष्ण वर्मा जिनेवा चले गए। अपना इंडियन सोशलिस्ट पत्र वह जिनेवा से लगातार निकाल कर भारतीयों में अंतिम सांस तक भारत की आजादी की अलख जागते रहे। 30 मार्च 1930 को उन्होंने जिनेवा में ही अंतिम सांस ली।

2 अक्टूबर को गांधी जयंती तो सब मनाते हैं लेकिन 4 अक्टूबर की तारीख किसी को याद नहीं रहती। महात्मा गांधी ने जहां जन्म लिया उसी गुजरात के कच्छ क्षेत्र के मांडवी नगर के पास वलायल गांव में एक कुशाग्र बुद्धि बालक का जन्म हुआ, जो कम उम्र में ही संस्कृत में धारा प्रवाह भाषण देता था। इससे प्रभावित होकर एक अंग्रेज संस्कृत अध्यापक उसे इंग्लैंड बुला लेता है। यही बालक दुनिया के प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से स्नातक और बैरिस्टरी पास करने वाला प्रथम भारतीय बनता है। अपने एक लेख भारत में लेखन का उद्गम के आधार पर ही रॉयल एशियाटिक सोसाइटी का सदस्य भी चुना जाता है। यह तो उस बालक की प्रतिभा का एक रूप है। उनका दूसरा रूप भारत की स्वाधीनता को लेकर विदेश खासकर उसी इंग्लैंड में क्रांति की ज्वाला धधकाने से जुड़ा है, जिसने उनके अपने देश को दशकों से गुलाम बना रखा था। इस क्रांतिदूत का नाम है श्यामजी कृष्ण वर्मा। अंग्रेजों के अत्याचार से दुखी होकर ही भारत छोड़ कर इंग्लैंड जाने वाले श्यामजी कृष्ण वर्मा ने भारतीय छात्रों की आवासीय व्यवस्था के लिए उस इंडिया हाउस की स्थापना की जो आज क्रांति तीर्थ के नाम से जाना जाता है। इसी इंडिया हाउस में भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम से जुड़ी तारीख 10 मई को हर साल गदर दिवस मनाया जाता था। यहां बम बनाने और पिस्तौल चलाने पर व्याख्यान होते थे। वीर सावरकर ने यही 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास लिखा। भारतीय स्वाधीनता संग्राम के वह अकेले क्रांतिकारी हैं, जिनकी इंग्लैंड के इंडिया हाउस के बाहर अपनी धर्मपत्नी के साथ आदमकद मूर्ति स्थापित है। पिछले दिनों भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी क्रांति धर्मी दंपति की प्रतिमाओं के समक्ष माथा टेकने पहुंचे थे। 4 अक्टूबर 1857 को श्याम जी कृष्ण वर्मा एक साधारण परिवार में जन्मे थे लेकिन प्रतिभा का ही प्रभाव था कि उनका विवाह मुंबई के एक करोड़पति सेठ की कन्या भानुमति से हुआ। कई भाषाओं के प्रकांड विद्वान श्यामजी कृष्ण वर्मा 1884 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से बैरिस्टरी पास करने के बाद भारत लौट आए। यहां कई रियासतों में उन्हें अपने-अपने यहां दीवान या अन्य महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त करने की होड़ मची रही लेकिन प्रतिभाशाली वर्मा का रियासतों में काम करने में मन नहीं लगा और वह मुंबई में बैरिस्टरी करने लगे। पुणे में अंग्रेज पुलिस कमिश्नर रेंड की हत्या करने के अपराध में चाफेकर बंधुओं को फांसी की सजा दिए जाने से क्षुब्ध श्यामजी कृष्ण वर्मा ब्रिटेन में भारत की स्वाधीनता संग्राम को लेकर सक्रिय हुए। 12 मई 1897 को बालकृष्ण चाफेकर की फांसी के अगले महीने पुणे में एक बड़ा बम विस्फोट हुआ। इस विस्फोट के पीछे श्यामजी कृष्ण वर्मा का ही हाथ था, जो दुश्मन के घर में बैठकर क्रांति की योजनाओं का संचालन कर रहे थे। भारतीयों में क्रांति की अलग जागने के लिए ही श्यामजी कृष्ण वर्मा ने 1904 में अपनी तरफ से दो ?2000-2000 की 6 फेलोशिप भारतीय छात्रों को देने की घोषणा की। भारतीय स्वाधीनता संग्राम के नायक विनायक दामोदर सावरकर भी उन्हीं की छात्रवृत्ति के आधार पर इंग्लैंड शिक्षा प्राप्त करने पहुंचे थे। लाला हरदयाल और महान क्रांतिकारी मदन सिंह ढींगरा भी उन्हीं की प्रेरणा से भारतीय स्वाधीनता क्रांति के दूत बने। श्यामजी कृष्ण वर्मा ने ही 1905 में इंडियन सोशलिस्ट नामक पत्रिका प्रारंभ की। इस पत्रिका के माध्यम से भी वह विदेश में रह रहे भारतीयों में भारत की आजादी की अलग जागते थे।

एक्सप्रेस आलेख

कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती है और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है। चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था।

नवरात्रि : नौ शक्तियों का मिलन पर्व

योगेश कुमार गोयल

कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया। मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है।

आदि शक्ति दुर्गा की पूजा के पावन पर्व नवरात्रि की शुरूआत हो चुकी है। नवरात्रि के ये दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत इस वर्ष आज 3 अक्तूबर से हुई है, जिनका समापन 12 अक्तूबर को होगा। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके। मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया। मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है। चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं। दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है। दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है। दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है। नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं।

नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त सिद्धिदात्री महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

एक्सप्रेस कविता

अपने खून को कई रगों में बहनें दो,
कई जिस्मो में उसे जिन्दा रहने दो।
खुदा-खुदा करके जीती है दुनिया ,
मासूमियत को जिंदगी में सांस लेने दो।
रक्त,देह,नेत्र दान तो महान दान है,
अगले पल खुद को जिन्दा रहने दो।

दिलों में भोलापन जिंदा रहने दो,
रिश्तों को कुछ खुशनुमा रहने दो।।
कभी मुफलिसी में भी सांस लेकर देखिए ,
अंदाज अलग है जिंदगी का फना रहने दो ।।
संघर्ष से सदैव तपते इरादे और हौसले,
खुद को विपरीत लहरों में नैय्या खेने दो।।
आजमा कर देखो इन हवाओं फिजाओं को,
बेहतरीन नुस्खा खुशबुओं को बना रहने दो।

संजीव ठाकुर

एक्सप्रेस ज्ञान

कभी ये सोचकर अकेले मत पड़ना की आप अकेले हो, बल्कि ये सोचकर डटे रहना की आप अकेले ही काफी हो

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरूरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे हैं या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	तृतीया अहोरात्र
नक्षत्रः	स्वाती 21:33 तक
पक्षः	शुक्ल
वारः	शनिवार
योगः	विष्कुम्भ, 30:08
सूर्योदयः	06:17
सूर्यास्तः	18:01
चंद्रमाः	तुला राशि में
राहुकालः	09:13-10:41
विक्रमी संवत्:	2082
शक सम्वतः	1946
मासः	आश्विन
शुभ मुहूर्तः	11:45-12:32

जन एक्सप्रेस

मनोरंजन भरपूर !

राजनैतिक उथल-पुथल ।
बदल रही तस्वीर ।।
हर पल नया घट रहा ।
लगे हैं सारे वीर ।।
बदलेगी सरकार लगता ।
है ऐसी सुर ताल ।।
हैं बेचैन सारे ।
करने को कमाल ।।
घटनाक्रम कुछ ऐसा ।
मनोरंजन भरपूर ।।
दिख जाएगा खेला ।
पल नहीं वो दूर ।।
बोल बचन सबका ।
है चढ़ा परवान ।।
हटा न कोई पीछे ।
सब डटे मैदान ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

तनाव कम करने और गुस्से को कंट्रोल करने के लिए फॉलो करें आयुर्वेदिक टिप्स

आजकल काम के दबाव, बिगड़ी लाइफस्टाइल और खानपान की आदतों के कारण लोगों में तनाव की समस्या बना रहती है। यह तनाव कभी-कभी गुस्से का रूप धारण कर लेता है, जिससे ना केवल मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है, बल्कि यह शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नेगेटिव प्रभाव डालता है। लोग अक्सर काम के बोझ, आर्थिक समस्याओं या पारिवारिक कलह के कारण तनाव का सामना करते हैं। इसके कारण, तनाव और गुस्से का मिश्रण कई बार लोगों पर हावी हो जाता है। हालांकि, आयुर्वेद में ऐसे कई उपाय हैं जो गुस्से को कंट्रोल करने और मानसिक शांति को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

शीतली प्राणायाम: शीतली प्राणायाम एक प्रभावी ब्रीदिंग टेक्नीक है जो मानसिक शांति और शारीरिक संतुलन को बनाए रखने में मदद करती है। यह गुस्से को शांत करने और तनाव को कम करने में प्रभावी है। सबसे पहले, एक शांत स्थान पर बैठ जाएं। अपनी आंखें बंद करें और गहरी सांस लें। जीभ को मोड़ते हुए सांस को धीरे-धीरे मुंह से बाहर निकालें, जिससे आपको ठंडक महसूस हो। यह प्रक्रिया 5-10 मिनट तक दोहराएं। यह प्राणायाम शरीर को ठंडा करता है और दिमाग को शांत करता है, जिससे गुस्सा और तनाव कम होता है।

अश्वगंधा और ब्राह्मी का सेवन: अश्वगंधा और ब्राह्मी दोनों ही हर्बल औषधियां हैं। अश्वगंधा शरीर को तनाव के प्रभावों से निपटने में मदद करती है। यह मानसिक शक्ति को बढ़ाने और गुस्से को कम करने में भी सहायक होती है। वहीं ब्राह्मी मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। यह तनाव को कम करती है और मानसिक संतुलन बनाए रखती है। आप अश्वगंधा और ब्राह्मी की चूर्ण को गर्म दूध या पानी के साथ ले सकते हैं।

अभ्यंग: अभ्यंग यानी तेल मालिश, शरीर को शांत करने और तनाव को कम करने का एक प्राचीन आयुर्वेदिक तरीका है। मालिश के लिए नारियल या सरसों का तेल लें और पूरे शरीर पर लगाएं। इसके बाद हल्के हाथों से शरीर पर हल्की-हल्की मालिश करें। इसे लगभग 20-30 मिनट तक करें, फिर स्नान करें। अभ्यंग से रक्त संचार बेहतर होता है, मांसपेशियों का तनाव कम होता है और मन को शांति मिलती है।

त्रिफला का सेवन: त्रिफला में तीन चीजों आंवला, बिभीतकी और हरितकी का संयोजन होता है। यह न केवल पाचन में मदद करता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। रात को सोने से पहले एक चम्मच त्रिफला पाउडर को गर्म पानी में मिलाकर लें। यह तनाव को कम करने में मदद करता है और शरीर को डिटॉक्स करता है।

हर्बल चाय का सेवन: हर्बल चाय तनाव को कम करने और मानसिक शांति बढ़ाने के लिए एक बेहतरीन उपाय है। हर्बल चाय जैसे कैमोमाइल, पुदीना और तुलसी की चाय तनाव को कम करती है और मन को शांति प्रदान करती है। हर्बल चाय को दिन में 1-2 बार पिएं। यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है।

एक्सप्रेस विशेष

सैनिक के वायरल बयान ने बता दी सच्चाई, मोदी सरकार के रहते कितना ताकतवर हुआ भारत!

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इससे पहले जो बाइडेन ने कहा था कि अमेरिका भारत की अहम आवाज़ को प्रतिबिंबित करने के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार की पहल का समर्थन करता है, जिसमें सुधारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में नई दिल्ली की स्थायी सदस्यता भी शामिल है।

अभी कुछ दिन पहले ही संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में भारत की ताकत का विश्व के देशों ने लोहा माना। चिरपरिचित विरोधी चीन को छोड़ दिया जाए तो कई परस्पर आपसी विरोधी देशों ने भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएएससी) में स्थायी भारत की सदस्यता को लेकर खुलकर अपना समर्थन दिया है। अमेरिका और फ्रांस के बाद अब ब्रिटेन का भी समर्थन मिल गया।

मिडिल ईस्ट में इस वक्त भयंकर बमबारी चल रही है। चारों ओर से शत्रु देशों से घिरा इजराइल जिस तरह अपना युद्ध कौशल दिखा रहा है और अनेक ताकतवर देशों को अपने अस्तित्व का अहसास करा रहा है, वह अपने आप में एक प्रेरणा है। एक संप्रभु राष्ट्र की शक्ति क्या होती है, इसे इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के इजरायल प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा कर दिखा दी है, उसका कहना रहा कि ईरान द्वारा मिसाइल अटैक की यूएन प्रमुख ने कोई निंदा नहीं की, इससे समझ आ रहा है कि वे आतंकवाद को समर्थन दे रहे हैं, इसलिए उनके देश में एंटोनियो गुटेरेस प्रवेश नहीं कर सकते। कितनी बड़ी हिम्मत चाहिए, यह निर्णय लेने के लिए! लेकिन इजराइल यह निर्णय न सिर्फ लेता है बल्कि पूरी दुनिया को इससे अवगत भी कराता है और उसका व्यापक असर यह होता है कि स्वयं यूएन को इस संबंध में सफाई देनी पड़ती है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद महासचिव गुटेरेस इजराइल पर हुए ईरान के मिसाइल हमले की निंदा करने सामने आते हैं। अब मिडिल ईस्ट में जो अभी चल रहा है, उसकी तुलना आप दक्षिण एशिया के साथ करें और देखें कि तमाम विरोधी देशों से घिरे भारत की स्थिति इन सब के बीच कैसी है।

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक ऑडियो क्लिप वायरल हो रही है, यह आडियो किसी भारतीय सैनिक का बताया जा रहा है, वह तुलनात्मक रूप से मोदी सरकार के वक्त और इससे पूर्व के भारत पर अपने विचार व्यक्त कर रहा है। यहां ये स्पष्ट कर देना चाह रहा है कि भारत, मोदी सरकार में बहुत ताकतवर हुआ है। जो लोग इस सरकार की आलोचना ये कह कर कर रहे हैं कि सरकार ने कुछ नहीं किया, उन्हें हकीकत को स्वीकारना चाहिए कि हर क्षेत्र में बड़ा कार्य इस सरकार के रहते हुआ है। इस ऑडियो क्लिप में सैनिक अपनी कश्मीर में पोस्टिंग के दौरान की स्थितियों का विवरण देते हुए बता रहा है कि 2006 में कांग्रेस सरकार के दौरान भारतीय सेना के हाथ कश्मीर में किस हद तक बांध दिए गए थे। वह बताता है कि उसकी पोस्टिंग कुपवाड़ा में थी, जहां उसे पाकिस्तानी सेना द्वारा हो रही गोलीबारी का सामना करना पड़ता था। भारतीय जवानों को छूट नहीं थी, नो फस्ट फायर, जब तक पाकिस्तान की ओर से पहले फायर नहीं किया जाता, साफ निर्देश था तुम कोई फायर नहीं करोगे। सैनिक इस ऑडियो में यह आरोप लगाता है कि उस समय की सरकार ने सैनिकों को आदेश दिए थे कि अगर पाकिस्तानी सेना फायरिंग करे तो भारतीय सेना किस सीमा से अधिक की गोलीबारी नहीं कर सकती। उसे यह निर्देश मिला था कि भारतीय सेना 'नो मोर फर्स्ट फायर' की नीति का पालन करे, जिसका मतलब यह था कि पहले हमला नहीं किया जा सकता था, भले ही पाकिस्तानी सेना लगातार मोर्टार दागे, कुछ भी चलाएं हम 11एमएम से ऊपर का राउंड नहीं चला सकते थे। हमारे सिर पर पाकिस्तान ने 50 मीटर के दायरे में चौकियां बना ली थी, रात में बड़े-बड़े स्पीकर पर पाकिस्तानी रेंजर्स बेहद अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते, यहां तक कि ऐसा भी भारत को लेकर बोलते जो सुनने की हर हद से बाहर था, लेकिन हम कुछ नहीं कर पा रहे थे उनका। ये सैनिक इस ऑडियो क्लिप में बोल रहा है कि 2014 में जब गवर्मेंट चेंज हुई, तब तत्कालीन सेना अध्यक्ष विपिन रावत साहब ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया था कि बॉर्डर के हालात बहुत खराब हैं सर...छूट नहीं है जवानों को... कुछ भी करने की। उनकी पूरी बात सुन पीएम मोदी ने उनसे कहा था, मेरी तरफ से पूरी छूट है सेना को... मैं नहीं लड़ने जाऊंगा सीमा पर...तुम्हें ही मोर्चा सम्हालना है, तुम वहां देश हित में जो कर सकते हो वो करो...। ये सैनिक प्रश्न करता है, कि आज कोई एक पाकिस्तानी चौकी बता दे वहां, जो भारत की सीमा पर सटा कर बनी हो, दूरबीन लगाकर देखना पड़ता है, पाकिस्तानी पहाड़ों में बहुत पीछे बंकरों में जा छिपे हैं। भारतीय सेना ने उनकी सारी चौकियां जो 50 मीटर के दायरे तक और उसके आगे भी आ पहुंची थीं, वे सारी हटा दी हैं। मोदी सरकार के काल में यहां बोफोर्स भी चलीं और जो भी भारत के हित में किया जाना चाहिए वह सब यहां किया गया। इस ऑडियो में जवान यह भी बता रहा है कि उसने अपने हाथ पर 'ओम' का टैटू है, लेकिन कश्मीर में ड्यूटी के दौरान उसे इसे रुमाल से उसे ढंकना पड़ा, क्योंकि वहां मौजूद कश्मीरी बच्चे जब भी उसे देखते तो उस पर पत्थर फेंकते थे। जवान ने तत्कालीन सरकार (2006-14 की) पर कई अन्य गंभीर आरोप भी लगाए हैं। पर आज इसी जम्मू-कश्मीर के हालात अलग हैं, यहां अब लोकतंत्र का सफलता से उत्सव मनाया जा रहा है।

फाइनेंस गाड़ी का सेटलमेंट करने के नाम पर दबंग ने पीड़ित को बनाया मूर्ख

* न्याय के लिए दर-दर भटक रहा है पीड़ित दबंग दे रहा है जान माल की धमकी पुलिस में कार्रवाई की तो खैर नहीं पीड़ित जाए तो जाए कहां

जन एक्सप्रेस । सुनहरा

लखीमपुर खीरी। पीड़ित को गाड़ी खरीदना इतना भारी पड़ गया की गाड़ी उसके जी का जंजाल बन गई सेटलमेंट के नाम पर खटारा स्कूटी देखकर दबंग ने अपाचे गाड़ी अपने पास रख ली पीड़ित ने जब काम न होने पर बात की तो दबंग आमादा फौजदारी हो गया पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में अमर सिंह उर्फ लालू ग्राम सुआगाड़ा जेल चौकी कोतवाली सदर ने बताया घटना दिनांक 16.06.2022 अपाचे सतगुरु महेवागंज लखीमपुर खीरी से फाइनेंस पर 70 हजार रुपए देकर लिया था। जिसका नम्बर यूपी 31बीडब्लू 9445 है। पीड़ित उसके बाद 6 माह तक गाड़ी की किस्त जामा न होने के कारण उसके उक्त गाड़ी का सेटलमेंट कम रूपए में कराने के लिए सर्वेश वर्मा पुत्र रामबाबू मोहल्ला बरखेरवा चौकी एलआरपी कोतवाली सदर लखीमपुर-खीरी मोबाइल नंबर 78400008080 ने गाड़ी लेली है उसके बदले में एक खटारा स्कूटी दी फाइनेंस वाले पीड़ित को आए दिन तंग कर रहे हैं कि फाइनेंस की किस्त दो लेकिन सर्विस वर्मा ना अपनी पुरानी स्कूटी दे रहा है। ना गाड़ी दे रहा है।ना रुपए दे रहा है और ज्यादा करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है।कर्ज के बोझ में फंसा पीड़ित आत्महत्या के लिए मजबूर है।अगर समय रहते हुए सर्वेश वर्मा के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो फाइनेंस कंपनी के बोझ तले पीड़ित दबकर आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाएगा। जिसको लेकर पीड़ित का परी पूरा परिवार काफी दुखी है क्योंकि दबंग काफी शातिर हुआ किसी सर्कस किस्म का आदमी है। और राजनीतिक रसूक वाले हैं पीड़ित को भय है पुलिस व राजनीतिक दबाव में उक्त दबंग पीड़ित को न्याय दिलाने में बाधा उत्पन्न करेगा और अपनी सेटिंग और मजबूत कर लेगा जो पीड़ित के लिए जान जोखिम के बराबर है देखते हैं अब इसमें जिम्मेदार पीड़ित को न्याय दिलाते हैं की पीड़ित इसी तरह दर-दर भटकते भटकते आस ही छोड़ देगा।

चार दिन पूर्व अधिवक्ता के घर से पंद्रह लाख रुपये की चोरी

* मामला पुलिस के संज्ञान में होने के बाबजूद नही हो रही कार्रवाई

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी

चार दिन पूर्व चोरों ने एक अधिवक्ता के घर से पंद्रह लाख रुपये के जेवरात सहित हजारों रुपये की नगदी सहित कीमती कपडे माल असबाब की चोरी की घटना को अंजाम दिया।चार दिन गुजरने के बाबजूद पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करना मुनासिब नहीं समझा। जिसे लेकर अधिवक्ता व उसके परिजन बेहद परेशान है।थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम भह्लिया बुजुर्ग चौकी ढकवा निवासी अधिवक्ता नसीम खान पुत्र शफीक खान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया। कि 30 सितंबर की रात लगभग डेढ बजे उसके घर में चोरी की घटना को अंजाम दियां। चोर घर की पश्चिम दक्षिण दीवार के कोने के सहारे चढकर घर के अंदर घुस गए। इसके बाद चोरों ने घर के तीन कमरों के ताले तोडकर कमरों में रखे बक्शे, अल्मारी आदि के ताले भी तोडकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने गोदरेज अलमारी का लाकर उखाडकर एक जोडी झुमकी सोने की, दो हार सोने के, दो मंगलसूत्र सोने के, पांच पत्ती सोने की, दो जोड झाले सोने के, छहः अंगूठी सोने की, दो मटरमाला सोने की, चार कंगन सोने के, एक सोने की चेन, एक जोडी सोने के कुंडल, दो जोडी चांदी की पायल, दो जोडी पायल चांदी की पतली सहित 28 हजार रुपये नगदी, कीमती कपडे आदि चोरी कर ले गए। पीडित अधिवक्ता ने हैदराबाद पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। लेकिन पीडित का आरोप है कि पुलिस ने अभी तक उसकी तहरीर दर्ज नहीं की है। तथा कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है।
जिम्मेदार की सुनिए।थानाध्यक्ष हैदराबाद ने बताया कि चोरी की घटना उनके संज्ञान में है। वकील साहब को भी वह जानते है। वर्जन देने की बात पर कहा कि अभी व्यस्त है।बाद में बताएगा।

गोवंशीय पशुओं का मिला अवशेष: लोगों में आक्रोश, गोरक्षक कार्यकर्ताओं ने दर्ज कराया मुकदमा

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

धौरहरा कोतवाली क्षेत्र में नहर पटरी किनारे शुक्रवार सुबह दो गोवंशीय पशुओं के अवशेष मिले हैं। इससे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के लिए नमूना लेकर अवशेषों को दफना दिया।
धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के लालजीपुरवा गांव के उत्तर नहर पटरी किनारे गो तस्कर दो गोवंशीय पशुओं को मार कर मांस उठा ले गए। सूचना पर पहुची पुलिस ने मौके से पशुओं के अवशेष और काफी मांस बरामद किया। छह दिन पहले भी धौरहरा ढखेरवा मार्ग पर थाना पढुआ क्षेत्र के चन्दपुरा में भी इसी तरह दो गोवंशीय पशुओं की हत्या कर गो तस्कर फरार हो गए थे। अफसरों ने समझाकर लोगों का शांत कराया इस घटना के बाद गोरक्षकों एवं हिंदू संगठनों में आक्रोश है। गोरक्षकों का कहना था कि जब तक पुलिस दोषियों को गिरफ्तार कर जेल नहीं भेजती, तब तक गोवंशीय पशुओं का अंतिम संस्कार नहीं होगा। घटना की सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार मिश्रा, सीओ धौरहरा प्रीतम पाल सिंह ने हिंदू संगठनों के लोगों और गोरक्षकों को समझा बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने नमूना संरक्षित कर शवों को जेसीबी से दफना दिया।मामले में गोरक्षक रिंकू पांडेय और शिवम पांडेय की तहरीर पर पुलिस ने आठ से 10 अज्ञात लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।
प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार मिश्रा ने बताया कि कोई घुमंतू गैंग है जो पशुओं के साथ घटनाएं कर दहशत फैला रहा है। चंदपुरा और लालजीपुरवा में एक जैसी ही घटना है। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

गोल्डन लाइफ को बेहतर बनाने की मंशा से वरिष्ठ नागरिक मंच का गठन

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी

समान विचारधारा वाले वरिष्ठ नागरिकों ने अपनी गोल्डन लाइफ के शेष दिनों को अधिक बेहतर तरीके से गुजारने के लिए एक वरिष्ठ नागरिक मंच का गठन किया। जिसमें बाकायदा एक कमेटी का गठन कर प्रमोद साहनी को अध्यक्ष व केके शुक्ला को मंत्री पद का दायित्व सौंपा गया।शहर के एक मैरिज लान में बीती शाम दो दर्जन से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने चर्चा परिचर्चा के बीच गौल्डन लाइफ के अपने शेष दिनों को भी अपनों के बीच हंसी खुशी से बिताने व समाज के लिए यथासंभव सेवा करते रहने का संकल्प लिया। वरिष्ठ नागरिकों ने मंच का गठन कर प्रमोद साहनी को अध्यक्ष व केके शुक्ला को मंत्री पद,आडीटर सुधीर सक्सेना एडवोकेट, राजेश गिरि, रामगुलाम पांडे, राम प्रकाश अग्रवाल को संयुक्त मंत्री,जोगेश साहनी को कोषाध्यक्ष, देवेन्द्र गिरि को सह कोषाध्यक्ष जबकि सुरेन्द्र साहनी संरक्षक, मधुसूदन गिरि, बदरेआलम, डा हरिओम सेठी को सदस्य बनाया गया। वरिष्ठ नागरिक के पदाधिकारियों के संरक्षक मंडल ने संदेश देते हुए कहा कि मंच का प्रमुख उददेश्य वरिष्ठ नागरिकों को एक मंच पर तनाव रहित खुशनुमा जीवन व्यतीत करने का बेहतर निर्णय है।

मेधावी छात्रों को पुरस्कार के रूप में साइकिल देकर किया पुरस्कृत

जन एक्सप्रेस । सीतापुर

महमूदाबाद। छात्र जीवन में पुरस्कार बच्चों का आत्मबल बढ़ाने का काम करते हैं। पुरस्कार पाने वाले सहपाठियों से प्रेरणा लेकर आगे बदे। यह बात आदर्श मन्दिर इंटर कॉलेज में हाई स्कूल के 30 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और शिक्षक शिक्षिकाओं के समारोह समारोह को सम्बोधित करते हुए कार्यकम के अतिथि रामपुर मथुरा ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी उदय मणि ने कही, विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त कानूनगो संकटा प्रसाद ने सम्मानित होने वाले को बधाई देते हुए कहा जिन्हे आज पुरस्कार मिला है वह सदैव पुरस्कार प्राप्त कर अपना नाम रोशन करते रहे। अतिथियो का स्वागत संस्था के प्रबंधक त्रिलोक वर्मा के द्वारा बैज अलंकरण और मां शारदे का स्मृति चिन्ह तथा अंग वस्त्र प्रदान कर किया गया। विद्यालय के मेधावी विद्यार्थी गौरव प्रजापति को पुरस्कार के रूप में साइकिल और स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए उनकी माता श्री को बधाई दी गई।हाईस्कूल के मेधावी छात्र छात्राओ में कश्यय कुलदीप द्वितीय,कोमल तृतीय, रिया पटेल, अलका पटेल, अनामिका, आदित्य, प्राची-स्वीटी गुप्ता, नमन वर्मा हर्षिता साहू, माही वर्मा, रुचि वर्मा, साक्षी वर्मा, असका मौर्य, आँचल वर्मा,रिया वर्मा, फैजुर्रहमान प्रतिभा, प्रांशी, शिवा मौर्या, अजका नूरैन, लक्ष्मी वर्मा, राज, आनन्द, रामकुमार त्रिपाठी, संजय त्रिपाठी, वर्मा, रिया वर्मा, फैजुर्रहमान प्रतिभा, प्रांशी, शिवा मौर्या, लक्ष्मी वर्मा, साक्षी वर्मा, नन्दिनी आदि, सुमित कश्यप, अंशिका वर्मा, शिवानी राज आदि को आकर्षक पुरस्कार और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के सम्मानित शिक्षको, शिक्षिकाओं में रामकुमार त्रिपाठी, संजय त्रिपाठी, प्रिंस राठौर, दुर्गेश सैनी, चंद्र कुमार, उमेश कुमार, राजेश कुमार, दीपक शुक्ल, रवि प्रकाश यादव, अनूप शर्मा, आकाश जायसवाल, विनय रंजन अनमोल, प्रभाकर सहित सभी को ड्रेस देकर सम्मानित किया। समारोह का संचालन शिक्षक सुधीर कुमार वर्मा ने किया।

परिवहन विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग, उ.प्र के निर्देशों के अनुपालन में सड़क सुरक्षा

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

पखवाड़ा दिनांक 02 अक्टूबर से 16 अक्तूबर के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में महाविद्यालय में शुक्रवार को हिन्दी, संस्कृत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा विषय पर भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में बी.एड. विभाग की साक्षी अवस्थी ने प्रथम आशीष पाण्डेय ने द्वितीय बी.ए. प्रथम वर्ष के गोपी गिरि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में शिक्षक शिक्षा विभाग के राघवेंद्र प्रथम, साक्षी अवस्थी द्वितीय एवं बी.ए.प्रथम सेमेस्टर की प्रीती गौतम तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिताओं को सम्पन्न कराने में प्रो. सुभाष चंद्रा, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर मानवेंद्र यादव, श्वेतांक भारद्वाज एवं धर्म नारायण ने सक्रिय योगदान दिया।
इसके उपरांत प्रो. सुभाष चंद्रा ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा शपथ दिलायी। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हेमंत कुमार पाल ने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के प्रयास की सराहना की एवं सभी से यातायात के नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को जानकारी दी कि सड़क सुरक्षा पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होना है। छात्र छात्राएं अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें।

नेकी की दीवार संस्था का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से करेगा मुलाकात

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी। सामाजिक संस्था नेकी की दीवार के एक प्रतिनिधि मंडल की पांच सदस्यीय टीम राज्यपाल से मुलाकात करेगी। जिसमें संस्था के सदस्य सामाजिक कार्यो के लिए प्रेरणा व मार्गदर्शन लेगे। संस्था के पदाधिकारी गुरमेल सिंह अमनदीप सिंह रजनीश मौर्य रामनरेश शर्मा ने बताया। कि संस्था के सदस्य प्रदेश राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकाल करेगी। साथ ही भविष्य में किए जाने वाले सामाजिक कार्यो के लिए मार्गदर्शन लेगी।

भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता अभियान संबंधित समीक्षा बैठक संपन्न

जन एक्सप्रेस । राजीव दिवाकर सिंह

सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर संगठन सदस्यता अभियान को लेकर एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया बैठक में मुख्य रूप से जिला प्रभारी नीरज सिंह व क्षेत्रीय मंत्री विमल सिंह उपस्थित रहे उनके द्वारा जिले के सभी मंडलों में चल रही सदस्यता की समीक्षा की गई तथा सभी मंडलों के मंडल अध्यक्ष व जिला पदाधिकारीयों को सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने के लिए आग्रह कर अधिक से अधिक जनमानस को भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनाने की अपील की गई इस अवसर पर सभी पदाधिकारीयों को ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने का संकल्प भी दिलवाया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला जिला प्रभारी नीरज क्षेत्रीय मंत्री विमल सिंह को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय मंत्री विमल सिंह ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे अधिक कार्यकर्ता वाली है और आज जब सदस्यता का नवीनीकरण किया जा रहा है तब संपूर्ण देश में लोग डिजिटल और फॉर्म के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी से ज्यादा से ज्यादा जुड़ रहे हैं ऐसे में सभी पदाधिकारीयों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना है और ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ना है उन्होंने सीतापुर जिले में चल रही सदस्यता की समीक्षा भी की। जिला प्रभारी नीरज सिंह द्वारा उपस्थित सभी जिला पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्षों व मोर्चों के अध्यक्षों से जिले में चल रही सदस्यता की बिंदुवार जानकारी ली गई एवं सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी से ज्यादा से ज्यादा सदस्य बना कर भाजपा को मजबूत करने का आवाहन किया गया कि सदस्यता अभियान की गति को और तेजी से बढ़ाया जाए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग भारतीय जनता पार्टी से जुड़कर राष्ट्रवाद की विचारधारा को मजबूत कर सके जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला द्वारा मंडल अध्यक्षों से विशेषकर मंडलों में सदस्यता की गति को बढ़ाने का आवाहन भी किया इस अवसर पर जिला सदस्यता प्रभारी सुधाकर शुक्ला द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया एवं सभी पदाधिकारीयों से निर्धारित समय पर सदस्यता अभियान में सक्रिय होकर कार्य करके अभियान को सफल बनाने का आवाहन किया गया बैठक में करुणा शंकर त्रिपाठी नैमिष रत्न तिवारी विश्राम सागर राठौर रमेश भार्गव उदित वाजपेई जया सिंह विष्णु मौर्य सचिन मिश्रा लोकेश मिश्रा सहित मंडल अध्यक्ष मोर्चा के अध्यक्ष व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिल्ली हाईवे पर छात्रों के दो गुटों के बीच मारपीट

जन एक्सप्रेस । मुरादाबाद

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के बाहर छात्रों के दो गुट भिड़ गए, जिनमें जमकर मारपीट हुई। इस घटना से मौके पर भगदड़ मच गई। घटना में एक छात्र घायल हुआ। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है। रामपुर के मिलक क्षेत्र के सिरी गांव निवासी उत्कर्ष चौधरी लोदीपुर राजपूत स्थित आईएफटीएम विवि में एमबीए द्वितीय वर्ष का छात्र है।
उत्कर्ष चौधरी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया की बृहस्पतिवार दोपहर वह अपने साथी मोहित यादव और अभिजीत चौधरी के साथ कॉलेज से निकल रहा था। बाहर पहुंचते ही सात-आठ लड़के आ गए और हमारी गाड़ी को घेरकर लाठी डंडों से बुरी तरह मारपीट करनी शुरू कर दी। जब मोहित और अभिजीत उसे उठाकर अस्पताल में भर्ती कराने के लिए लेकर जा रहे थे।
इसी दौरान बागड़पुर अंडरपास के पास फिर तीन-चार युवक बाइकों से आ गए।

डीएम ने प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए लिखा पत्र

जन एक्सप्रेस । मुरादाबाद

मुरादाबाद के जिलाधिकारी ने नोटिस का जवाब न देने पर क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी के खिलाफ शासन को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि कागजों में बंद और जांच में भट्ठे संचालित मिले हैं। इस मामले में क्षेत्रीय अधिकारी के अलावा तीन अन्य कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति की है।
बढ़ते वायु प्रदूषण को रोकने के लिए एनजीटी ने 72 ईंट-भट्ठों बंद करवाने के निर्देश दिए थे। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से एनजीटी में बताया था कि भट्ठे बंद कर दिए हैं। एक शिकायत के आधार पर जिलाधिकारी अनुज सिंह ने जांच करवाई तो करीब 14 भट्ठे संचालित मिले।
जांच में पता चला कि भट्ठे वाणिज्यकर विभाग में पंजीकृत थे और रिटर्न भी फाइल किया गया था। बंद रहने के समय के दौरान इन भट्ठा संचालकों ने 50 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये तक की बिक्री भी दिखाई थी। बताया जाता है कि इन भट्ठों से सरकारी विभागों में होने वाले कार्यों के लिए भी ईंटों की आपूर्ति की गई थी।
जिलाधिकारी अनुज सिंह के अनुसार 25 सितंबर को क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा था, लेकिन उन्होंने नोटिस का जवाब नहीं दिया। इसलिए शासन को कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेजी है।

नवरात्रि में बेच रहे थे मांस, पुलिस पहुंची तो करने लगे हंगामा

जन एक्सप्रेस । मुरादाबाद

पाकबड़ा में नवरात्र में मांस की बिक्री पर रोक के बावजूद दुकानदारों ने दुकानें खोल दीं और मांस बेचने लगे। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और दुकान बंद करने कहा तो दुकानदारों ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने हंगामा करने के आरोप में तीन दुकानदारों को गिरफ्तार कर लिया। दुकानदारों ने पुलिस पर तोड़फोड करने का आरोप लगाया है। नगर में नवरात्र पर मांस की बिक्री पर रोक है। लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि मांस बेचने वालों ने दुकानें खोल रखी हैं। बृहस्पतिवार को नगर के कुरैशी मोहल्ले के आधा दर्जन से ज्यादा दुकानदारों ने अपनी दुकान खोल लीं और मांस की बिक्री शुरू कर दी। पुलिस मौके पर पहुंच गई और दुकानों को बंद करा दिया। दुकानों को बंद कराकर पुलिस लौट आई थी। पुलिस के जाने बाद दुकानदारों ने फिर से दुकानों को खोल लिया और फिर से मोहल्ले के लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस फिर से मौके पर पहुंच गई और दुकानों को बंद करने को कहा तो दुकानदार हंगामा करने।
हंगामे की सूचना पाकर और अधिक संख्या में पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने हंगामा करने के आरोप में फरीद, अफजल, और आलम नाम के दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया। दुकानदार सालिम ने बताया कि दुकानों के बंद होने की सूचना नहीं थी। नगर में एक ठेकेदार सभी को मांस सप्लाई करता है।

राशन सामग्री पाकर खुश हुईं बाढ़ पीड़ित महिलाएं

जन एक्सप्रेस । लखीमपुर खीरी

ब्लॉक पलिया के ग्राम भानपुर खजुरिया में बाढ़ पीड़ितों को गरीब महिलाओं को जो बाढ़ से परेशान थी उन महिलाओं को उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत मिशन की सचिव पूनम मौर्य ने अपने पूरी टीम के साथ गरीब महिलाओं को आटा दाल चावल नमक एवं भोजन बनाने वाली तमाम सामग्री वितरित की। गरीब महिलाएं जो बाढ़ से परेशान थीं राशन प्रकार खुशी जाहिर की।

ट्रैक्टर से जा रहे किसान को शावक संग तेंदुए ने दौड़ाया

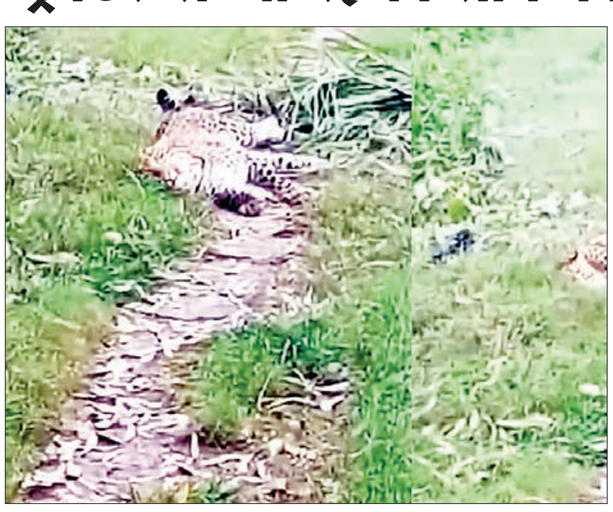

कालेवाला माधोबाला के रास्ते पर दिखाई दिया तेंदुआ

ठाकुरद्वारा गांव कालेवाला माधोबाला के पास रास्ते पर तेंदुआ दिखाई देने से गांव में डर का माहौल है। इस गांव के जंगल में कुछ दिन पहले तेंदुए के शावक मिले थे। जिन्हें वन विभाग ने जंगली बिल्ली का बतकर जंगल में छोड़ दिया था। बुधवार की शाम को इस गांव निवासी जनता इंटर कॉलेज में कर्मचारी तरुण कुमार अपनी कार से रात करीब 10 बजे गांव जा रहे थे। तभी उन्हें रास्ते में गांव के पास एक तेंदुआ सड़क पर बैठा हुआ दिखाई दिया। उन्होंने अपनी कार रोक दी। कार में बैठे अन्य लोगों ने मोबाइल से तेंदुए की वीडियो बनाई और फोटो खींचे। फिर उन्हें वायरल कर दिया। तेंदुए के सड़क से हटने के बाद ही कार सवार लोग आगे बढ़े।
बताया जाता है कि बुधवार को सुबह दिन में तेंदुआ ठाकुरद्वारा नगर के पास दिखाई दिया था। यह तेंदुआ मंडी समिति के पास भी दोपहर में देखा गया था। तेंदुए की बढ़ती गतिविधियों से लोग दहशत में हैं। वन विभाग का कहना है कि उन्हें इस बारे में कोई सूचना नहीं मिली है। सूचना मिलने पर तेंदुए की गतिविधियों की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

जन एक्सप्रेस । मुरादाबाद

कांठ क्षेत्र के गांव महमूदपुर भगवानदास निवासी किसान राजेश चौहान बृहस्पतिवार की शाम करीब साढ़े सात बजे ट्रैक्टर लेकर अपने खेतों पर जा रहे थे, जैसे ही यह गांव से बाहर पहुंचे तो इन्हें रास्ते पर तेंदुआ दिखाई दिया, उसके साथ उसका शावक भी था। तेंदुए को देख राजेश पहले तो रुके। जब तेंदुआ नहीं हटा तो इन्होंने ट्रैक्टर आगे बढ़ा दिया। तेंदुआ हटने की बजाय काफी दूर तक ट्रैक्टर के पीछे दौड़ा। राजेश ने ट्रैक्टर गांव की ओर मोड़ दिया। बाद में तेंदुआ और उसका शावक सहकारी समिति सभापति दीपक चौहान के आम के बाग में आकर छिप गया। जिससे गांव में दहशत है। ग्रामीण हाथों में लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंच गए। उन्होंने वन विभाग से तेंदुआ और उसके शावक को पकड़वाए जाने की मांग की है। महमूदपुर भगवानदास में तेंदुए की दस्तक से रायपुर खुर्द, भगतपुर, मुख्त्यारपुर नवादा, डुडैला, पहाड़मऊ, दुम्हैला आदि गांवों के ग्रामीणों में दहशत है।

नाबालिग छात्रा बरामद

जन एक्सप्रेस । गोला गोकर्णनाथ खीरी

गोला थाना क्षेत्र के एक मुहल्ला निवासी दलित नाबालिग छात्रा गुरुवार को घर से स्कूल बताकर निकली थी। इसके बाद देर शाम तक घर वापस नहीं लौटी तो परिवारजनों ने पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने देर रात मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी। शुक्रवार दोपहर कोतवाली पुलिस ने छात्रा के मुहल्ला निवासी एक युवक को धर दबोचा। जबकि पुलिस हिरासत में लिए गए युवक को चंद लोग समझौता कराकर छुडवाने के प्रयास में जुटे है।
पुलिस क्षेत्राधिकारी गवेन्द्र पाल गौतम ने बताया कि छात्रा की बरामदगी की गई है। जिसे वनस्टाप सेंटर भेजा जा रहा है।
जबकि मामले में आरोपी युवक के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की बात कही।

सूचना

मैं जगदीश प्रसाद पुत्र सरजू प्रसाद ग्राम आगरा पोस्ट सुंदरवल जिला लखीमपुर खीरी अपने पुत्र आदेश कुमार व उनकी पत्नी शैलेंद्र देवी को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं।

बड़ा सवाल | आखिर कब तक लुटती रहेगी बेटियां, या यही है नारी सशक्तिकरण

स्कूली छात्राओं संग बेखौफ मनचलों ने दिन दहाड़े बीच सड़क पर की छेड़छाड़

✻ घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद, सोशल मीडिया पर फुटेज हो रहा वायरल

जन एक्सप्रेस। देवरिया

गल्ली मुहल्ले से लेकर देश के हर कोने में जहां नवरात्रि के महापर्व में बालिकाओं पूजन की तैयारियां जोरों पर है वहीं देश में नारी सशक्तिकरण की दिन रात राग अलापने वाले भारत के सबसे बड़े सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह मंडल गोरखपुर में पुलिस प्रशासन का खौफ मनचलों में शून्य हो चुका है। सीएम योगी मंचों से निरंतर भाषणबाजी कर बेटियों की अस्मत से खिलवाड़ करने वालों खैर नहीं है की बात करते हैं तो वहीं उनके ही गृह मंडल के देवरिया जिले की पुलिस उनके फरमानों को धता करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ती हैं जिसका जीता जागता उदाहरण शुक्रवार को जनपद में दिन दहाड़े देखने को मिला जहां स्कूल जा रही छात्राओं को सरेआम मनचलों ने सड़क पर दौड़ाते हुए उनकी अस्मत से खिलवाड़ करने का जी तोड प्रयास किया है। जिले में स्कूली छात्राओं संग शुक्रवार दोपहर में एक भयावह घटना घटी। स्कूल से परीक्षा देकर साइकिल से घर लौट रहीं दो छात्राओं को रास्ते में रोककर बाइक सवार शोहदे छेड़खानी करने लगे। शोहदों के चंगुल से अपने को बचाकर दोनों छात्राएं चिल्लाते हुए भागीं। इस दौरान एक बच्ची साइकिल समेत खेत में जा गिरी। लड़कियों का शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुचे मगर आरोपी बाइक से भाग निकले। पीड़ित छात्राओं के परिजनों ने चार अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ है। पुलिस वायरल फुटेज के आधार पर जांच में जुटी है। घटना जनपद के तरकुलवां थाना क्षेत्र की है।

एसपी ने किया विडियो बयान जारी

घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा विडियो बयान जारी करते हुए कहा है कि छात्राओं के साथ छेड़खानी का मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से सामने आया है। परिजनों की तहरीर पर चार अज्ञात युवकों पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीम गठित कर छापेमारी की जा रही है शीघ्र ही आरोपियों को गिरफतार कर लिया जाएगा।

बोले ग्रामीण, योगी सरकार के सिर्फ भाषणों में सुरक्षित है बेटियां, धरातल पर नहीं

बताते चलें कि एक गांव की दो लड़कियां प्राइवेट स्कूल में कक्षा 5 की छात्रा हैं। शुक्रवार को दोनों छात्राएं स्कूल गई थीं। स्कूल की छुट्टी होने के बाद दोनों छात्राएं साइकिल से घर लौट रही थीं। रास्ते में एक बाइक पर सवार चार युवकों ने छात्राओं को घेर लिया और छेड़खानी करने लगे। अचानक हुई इस घटना से लड़कियां घबरा गई। मगर फिर हिम्मत जुटाकर किसी तरह अपने आप को शोहदों के चंगुल से छुड़ाकर चिल्लाते हुए भागी। इस दौरान छात्राओं की साइकिल खेत में गिर गई। लड़कियों का शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को आता देख शोहदे बाइक से भाग निकले, घटना से भयभीत ग्रामीणों ने कहा कि योगी सरकार में बेटियां सिर्फ भाषणों में है सुरक्षित, धरातल नहीं।

सोशल मीडिया पर सीसीटीवी फुटेज हो रहा वायरल

यह पूरी घटना एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हो रहा है। इसमें साफ दिखाई दे रहा है कि शोहदे छात्राओं के साथ छेड़खानी कर रहे हैं और छात्राएं चिल्लाते हुए भाग रही हैं। पीड़ित छात्राओं के परिजनों ने तरकुलवां थाने में चार अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच पड़ताल में जुटी है।

जिंदगी व मौत से जूझ रहे युवक की दूरसंचार टीएसी मेम्बर ने की मदद

जन एक्सप्रेस। फाजिलनगर, कुशीनगर

चौराखास थाना क्षेत्र के सरैया महन्थपट्टी गांव में कुछ दिन पहले अराजक तत्वों की पिटाई से घायल 20 वर्षीय एक युवक जिंदगी और मौत से जूझ रहा है।

कहीं से मदद न मिलते देख कुछ युवाओं ने पहल की है। पुलिस ने एससी ,एसटी में मुकदमा दर्ज करने के बाद अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। युवक की हालत देख गांव व आस-पास के युवा जनसंपर्क एवं सोशल मीडिया के माध्यम से मदद की अपील कर रहे हैं। बीते गुरुवार को भारत सरकार के दूरसंचार टीएसी मेम्बर व समाजसेवी अभिनन्दन कुमार ने युवक के खाते में 51,000 रुपये की आर्थिक मदद की। युवक का इलाज शुरू हो गया है। गांव के 20 वर्षीय मनीष प्रसाद के पिता आनंद प्रसाद व माता का निधन हो चुका है। सरैया महन्थपट्टी गांव के मनीष प्रसाद बाहर रहकर वेल्डिंग का काम कर अपने दो छोटे भाइयों 17 वर्षीय रबीश और 12 वर्षीय सरयू प्रसाद का भरण पोषण करता था। मनीष ने बताया कि बीते 12 सितम्बर को घर आए मनीष प्रसाद को कुछ मनबढ़ों ने उसे शराब पिलाया। उसके बाद मोबाइल चोरी का आरोप लगाकर रॉड मारा पीटा। इससे मनीष के मस्तिष्क में तीन जगह सुराख हो गया। एक आंख की हड्डी टूट गई है।

महराजगंज में स्वास्थ्य व्यवस्थाएं लचर, परिजन मरीजों को कंधे पर ले जाने को मजबूर

जन एक्सप्रेस। महराजगंज

सीएचसी बनकटी अस्पताल पर लचर व्यवस्थाओं से मरीज परेशान शासन को चुनौती दें रहें बनकटी अस्पताल के जिम्मेदार।सरकार भले ही सरकारी अस्पतालों में उन्नत सुख-सुविधाओं के दावे कर ले किंतु जमीनी सच्चाइयां कुछ और ही बयां करती नजर आ रही हैं।सरकारी चिकित्सकों द्वारा प्राइवेट प्रैक्टिस से लेकर बाहरी दवाओं को बढावा देने के तमाम मामले उजागर भी हो रहे हैं।

एक तरफ जहां नवागत सीएमओ के लगातार दौरे से जनपद के सरकारी अस्पतालों में काफी स्थितियों में सुधार भी देखने को मिल रहा है,वहीं दूसरी ओर बनकटी अस्पताल में लापरवाही करने वाले जिम्मेदारों की वीडियो वायरल हो रही है।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल शुरू होने के बाद भी सीएचसी बनकटी अस्पताल पर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार नहीं

आयी है जिसे देखने के लिए कोई जिम्मेदार अधिकारी भी नजर नहीं आ रहे हैं।

क्या स्वास्थ्य मंत्री का आदेश इस अस्पताल के लिए है हवा- हवाई या ऐसे ही लचर व्यवस्था में चलते रहेंगे सरकारी अस्पताल

फरेंदा (बनकटी)सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर एक ऐसा मामला सामने आया जो मानवता को तार-तार करने वाला सामने आया है। दरअसल यह अस्पताल पड़ोसी देश नेपाल राष्ट्र को जानें वाली मार्ग पर स्थित है और इस क्षेत्र का यह सरकारी अस्पताल काफी महत्वपूर्ण माना जाता है यह अस्पताल देखा जाए तो एक तरफ राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा है। यहां व्यापक स्तर पर प्रत्येक मरीज को सरकार की सुविधाएं मिलनी चाहिए लेकिन जिम्मेदारों के नदारद होने के कारण अस्पताल में लचर व्यवस्था चल रही है। एक वायरल वीडियो में एक मरीज अपने बेटे को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा। आपातकालीन सेवा के दौरान चिकित्सक मौके पर मिले। डाक्टर द्वारा मरीज को बोतल भी चढ़ाई गई और तबीयत अधिक खराब होने पर उसे भर्ती भी किया गया।स्टाफ नर्स, वार्ड ब्वाय से लेकर अन्य कोई कर्मचारी अस्पताल में न होने के कारण मरीज के परिजन बोतल हाथ में रखकर खुद बेड पर भर्ती कराने चल पड़े।इस दृश्य को देखकर आसपास मौजूद लोग इसकी काफी निंदा करते नजर आए। इसी बीच किसी ने इसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया।

हिन्दी साहित्य के कीर्ति–स्तम्भ हैं आचार्य रामचंद्र तिवारी : शिवप्रताप शुक्ल

✻ साहित्य की आत्मा होती है आलोचना ~– प्रोफेसर पूनम टंडन

जन एक्सप्रेस। गोरखपुर

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संवाद भवन में आयोजित %हिन्दी भाषा और साहित्य~ आलोचना का मूल्य और डॉ. रामचंद्र तिवारी% विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल ने कहा कि आचार्य रामचंद्र तिवारी ने विद्यार्थियों में साहित्य की बुनियादी समझ विकसित की. उनकी शिष्य परंपरा इसका उदाहरण है. उनका कृतित्व विराट है।उन्होंने कहा कि ब्रह्मलीन संत महंत दिग्विजयनाथ तथा सुरति नारायण मणि त्रिपाठी की प्रेरणा से आजादी के बाद गोविन्दबल्लभ पंत ने गोरखपुर विश्वविद्यालय की नींव रखी. अपने स्थापना काल से ही यह विश्वविद्यालय ज्ञान का कीर्तिमान रचता आ रहा है. इसने देश को बड़े चिंतक व मनीषी दिए हैं, जिनमें से एक हैं आचार्य रामचंद्र तिवारी. वह हिन्दी साहित्य के कीर्ति-स्तम्भ हैं।उन्होंने कहा कि यशस्वी आचार्य रामचंद्र तिवारी के जन्म शताब्दी वर्ष में उन्हें याद करते हुए केंद्रीय हिन्दी निदेशालय के सहयोग से आयोजित संगोष्ठी हेतु बधाई देता हूं. उन्होंने कहा कि भारतीय परम्परा में गुरु का स्थान सर्वोच्च है. आचार्य रामचंद्र तिवारी जी के शिष्यों की समृद्ध परंपरा है, जो सफलता व सार्थकता के शीर्ष पर हैं. उनमें से कई आज इस सभागार में मौजूद भी हैं.

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है. हम आचार्य रामचंद्र तिवारी की जन्म शताब्दी और विश्वविद्यालय की हीरक जयंती एकसाथ मना रहे हैं. उन्होंने कहा कि आलोचना, साहित्य की आत्मा होती है. आचार्य रामचंद्र तिवारी की आलोचना, केवल रचना का विश्लेषण नहीं है. वह साहित्य को लोकमंगल के रूप में देखने और

समाज की आवश्यकता के अनुसार मूल्यांकन करना उपयुक्त मानते थे। उन्होंने कहा कि उनका जीवन व चिंतन आज भी प्रेरित करता है. हमें गर्व है कि गोरखपुर विश्वविद्यालय से उनका गहरा संबंध रहा है।

उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता और साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री प्रो.विश्वनाथनाथ प्रसाद तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि दूर्वादल रौदे जाने के बाद, सूख जाने पर भी अपनी ही जीवनी शक्ति से जैसे फिर हरे हो जाते हैं वैसे ही आचार्य रामचंद्र तिवारी जी तमाम संघर्षों के बाद भी बारंबार उठ खड़े होते थे. उन्होंने कहा कि कुछ लोग जन्म से महान होते हैं और कुछ लोग महानता अर्जित करते हैं. आचार्य रामचंद्र तिवारी जी दूसरे कोटि के विद्वान थे. उन्होंने अपने श्रम और लगन से ऊंचाई हासिल की। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि एवं केंद्रीय हिंदी निदेशालय के निदेशक प्रो. सुनील बाबूराव कुलकर्णी ने अपने संबोधन में कहा कि मैथिलीशरण गुप्त और आचार्य रामचंद्र तिवारी का उद्देश्य एक ही है. वे दोनों, इस धरती को ही स्वर्ग-सा सुंदर बनाने के लिए जीवन-भर प्रयासरत रहे. उन्होंने कहा कि किसी शिक्षक के लिए यह बहुत बड़ा सम्मान है कि जिसका छात्र साहित्य की प्रतिनिधि सभा का अध्यक्ष रहा हो और पद्मश्री से सम्मानित किया गया हो. आचार्य रामचंद्र तिवारी जितने बड़े साहित्यकार थे उतने ही बड़े मनुष्य भी थे. उनकी साधना एवं परिश्रम अनुकरणीय है. चुंकि वह किसी खेमे या शिविर में शामिल नहीं हुए इसलिए उन्हें उनकी योग्यता के अनुरूप महत्व नहीं दिया गया. उन्होंने सभा के समक्ष यह ऐलान भी किया कि केंद्रीय हिंदी निदेशालय की भाषा पत्रिका आचार्य रामचंद्र तिवारी पर एक विशेषांक निकालेगी।

उद्घाटन सत्र का स्वागत वक्तव्य हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. कमलेश कुमार गुप्त ने दिया. संगोष्ठी के संयोजक प्रो. विमलेश कुमार मिश्र ने मंच संचालन किया. कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. राजवंत राव ने विधिवत आभार ज्ञापन किया।

मानस कोकिला ने सुनाई हिरण्यकश्यप वध और सती त्याग की कथा

जन एक्सप्रेस। कुशीनगर

पांडेय निवास पर आयोजित श्रीराम कथा के दूसरे दिन मानस कोकिला,साहित्य मर्मज्ञ विजय लक्ष्मी जी द्वारा द श्रीराम कथा सुनाई गई। मानस विदुषी ने हिरण्यकश्यप की कथा सुनाई। मानस मर्मज्ञा ने कहा कि जब हिरण्यकश्यप अपने वाटिका में भ्रमण कर रहा था,तो वाटिका में एक तोता नारायण नारायण कह रहा था ,जिस पर क्रोधित होकर हिरण्यकश्यप तुरन्त अपने महल चल दिया। उसकी पत्नी कयाधु के पूछने पर कि स्वामी आप क्यों इतना शीघ्र आ गए कयाधु की बात सुनकर हिरण्यकश्यप ने कहा कि वाटिका में एक तोता बार बार नारायण नारायण कह रहा है,और यह सुनकर मुझे रहा नहीं गया जिसके कारण मैं तुरंत वहां से आ गया। कयाधु ने कहा कि कम से कम नारायण शब्द तो मेरे स्वामी के जिह्वा पर आ गया। उन्होंने कहा कि इस मंच से मैं जो कथा कह कर रही हूं,इस कथा को जो आप सुन रहे हो

तो आपका निश्चित कल्याण होगा। मर्मज्ञा ने कहा कि भगवान की कथा जब अच्छी ना लगे और भगवान का भजन अच्छा ना लगे, जब भागवत कथा में मन ना लगे, तो समझ लीजिए कि आपत्ति और विपत्ति दोनों आपके सामने दिखाई दे रही है,क्योंकि जीवन में जब विपत्ति आने वाली होती है तब भगवान का भजन और भगवान का चिंतन हमें अच्छा नहीं लगता है। भगवान राम की कथा सुनने के लिए जब मां सती ने कहा तो भगवान शंकर ने मां सती को दक्षिण दिशा में ले जाकर कथा सुनाई। श्रीराम ने पंचवटी में माया की सीता बनाई। जो सीता रावण के द्वारा हरण की गईं वह सीता माया से बनी थीं,अन्यथा सीता यदि सत्य की होतीं तो रावण उनके तेज़ से जलकर भस्म हो जाता। मानस कोकिला ने कहा कि जब सती ने भगवान राम की परीक्षा ली,और सीता का रूप बनाया,किंतु सती को सीता के रूप में देखते ही श्रीराम ने तुरंत प्रणाम किया और कहा कि माता भगवान शंकर कहाँ हैं,जिस पर सती को लज्जा आ गयी। और यह लीला देखते ही भगवान शंकर कुपित हो गए, और कहा कि आज से मैं सती का त्याग करता हूँ। जब सती मां का रूप धारण कर लीं,तो आज के बाद मेरे लिए सती पत्नी के रुप मे स्वीकृत नहीं हैं। रामकथा में पूर्व प्रमुख देसही देवरिया अशोक पांडेय, कृपाशंकर पांडेय, मुकेश कुमार पांडेय,सुनील कुमार पांडेय,बृजेश तिवारी,जोखन प्रसाद मिश्र,दीपक कुमार मिश्र,किरन पांडेय,अनिता पांडेय,पूर्णिमा पांडेय,प्रेमलता पांडेय,प्रतिमा पांडेय।

दशहरा से दीपावली तक अराजक तत्वों की कड़ी निगरानी के दिए गए निर्देश

जन एक्सप्रेस/गोरखपुर। डीआईजी आनंद कुलकर्णी ने रेंज के सभी पुलिस अधीक्षकों को नवरात्रों और आगामी पर्वो पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं तथा अपराधियों, हिस्ट्री शीटरो के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ ही जन शिकायतों के निस्तारण पर जोर दिया है। डीआईजी श्री कुलकर्णी ने आगे कहा कि नवरात्रों के साथ ही दुर्गा पूजा, विजयदशमी और दीपावली के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बरती जाए किसी भी तरह की लापरवाही क्षम्य नहीं की जायेगी। जिसमें रेलवे ट्रैक की सुरक्षा, अपराधियों पर सख्त कार्रवाई, अराजक तत्वों पर निगरानी, महिला सुरक्षा के लिए गठित दल, ऑपरेशन कनविक्शन और मिशन शक्ति की तैयारियों को भी लेकर दिशा-निर्देश भी हैं। डीआईजी ने लंबित विवेचनाओं के त्वरित निस्तारण, फुट पेट्रोलिंग और जन शिकायतों के समाधान पर भी जोर दिया है।

खिलाड़ी कुशाग्र के साथ शतरंज खेल सीएम योगी ने बढ़ाया उत्साह

जन एक्सप्रेस। गोरखपुर

खेल और खिलाड़ियों के प्रति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का लगाव जग जाहिर है। और, जब बात खेल की नन्ही प्रतिभाओं की हो तो फिर कहना ही क्या। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री में देश के सबसे कम उम्र के फीडे (विश्व शतरंज महासंघ) रेटेड खिलाड़ी, गोरखपुर निवासी कुशाग्र अग्रवाल के साथ शतरंज खेल कर उत्साहवर्धन किया। सीएम योगी ने इस लिटिल चैम्प से शतरंज के खेल में मोहरों की चाल और शह-मात पर खूब बात की। कुशाग्र अग्रवाल, शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आशीर्वाद लेने गोरखनाथ मंदिर पहुंचे थे। कुशाग्र अभी सिर्फ 5 साल 11 माह के हैं और यूकेजी में पढ़ते हैं। पर, उनकी उपलब्धि उम्र से काफी बड़ी है। 1428 रैपिड फीडे रेटिंग हासिल कर वह इस समय भारत में सबसे कम उम्र के फीडे-रेटेड खिलाड़ी हैं। उन्होंने 4 साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू किया और अपनी प्रतिभा के दम पर एक साल में ही फीडे रेटिंग हासिल कर ली। शतरंज का शुरुआती प्रशिक्षण उन्हें अपनी बहन अविका से मिला जो खुद भी शतरंज की बेहतरीन खिलाड़ी हैं। कुशाग्र अब तक पटना, बेंगलुरु, पुणे में आयोजित लगभग अंतरराष्ट्रीय फीडे रेटेड प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर पुरस्कार जीत चुके हैं। गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न केवल कुशाग्र को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया बल्कि उनके साथ शतरंज खेलकर खूब उत्साह भी बढ़ाया। उन्होंने कुशाग्र से शतरंज की चालों से जुड़ी बारीकियों पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि कुशाग्र अग्रवाल की प्रतिभा को और निखारने के लिए यूपी सरकार हर तरह की मदद करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि शतरंज का नन्हा अंतरराष्ट्रीय रेटेड खिलाड़ी आने वाले समय में गोरखपुर और प्रदेश का नाम देश-दुनिया में रोशन करेगा।

बीडीओ ने किया पूर्व माध्यमिक विद्यालय अन्धया का औचक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस। कुशीनगर

विद्यालयों के पठन पाठन और विद्यालयीय व्यवस्था के अवलोकन हेतु बीडीओ कसया द्वारा आज पूर्व माध्यमिक विद्यालय अंध्या का अवलोकन किया। उन्होंने सर्वप्रथम बच्चों एवं प्रधानाध्यापक से शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में चर्चा किया ।,बीडीओ द्वारा गणित में कुमारी ज्योति भारती व अलका कुशवाहा से तथा कुमारी मीनाक्षी से हिंदी कविता व नीतीश कुमार यादव से अंग्रेजी के लोगों से संबंधित जानकारी प्राप्त किया ।बच्चों द्वारा उत्साहित होकर समुचित उत्तर दिया गया, इससे प्रसन्न उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित भी किया ।विद्यालय के स्वच्छ एवं हरित प्रांगण एवं विद्यालय के कक्ष को देखकर प्रसन्न होते हुए प्रधानाध्यापक महोदय को बधाई दिए। अवलोकन के क्रम में शौचालय -बालक/ बालिका / विकलांग का अवलोकन किया ,और शौचालय की सुंदरता व स्वच्छता को देखते हुए अति प्रसन्न हुए। साथ में आए ग्राम पंचायत अधिकारी /एडियो समाज कल्याण- नीरज कुमार चतुर्वेदी ने सुंदर विद्यालय को देखते हुए विद्यालय की भूरी भंरी प्रशंसा किए, और विद्यालय के और संसाधन को बढ़ाने में सहयोग करने का आश्वासन दिए। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि- प्रेम कुमार गोण ,बैजनाथ सिंह ,राकेश सिंह ,मोहनलाल कुशवाहा, वाल्मीकि दुबे ,रागिनी पांडे के अलावा रसोईया - राबड़ी देवी व अतवारी देवी के अलावा बच्चों में- कुमारी रिंकी, पिंकी, चांदनी कुशवाहा, खुशी दुबे, राज खरवार, सबिया खातून तनु खरवार पवन कुशवाहा आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सीमा पर तैनात तीन - तीन सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल, सेफ जोन बना निचलौल थाना का सीमावर्ती इलाका

भारत के विभिन्न हिस्सों में भेजी जा रही सरहद पार से मंगाई गई चाइनीज लहसुन

जन एक्सप्रेस। निचलौल/महराजगंज

निचलौल तहसील अंतर्गत इंडो नेपाल सीमा का सीमावर्ती इलाका आए दिन किसी न किसी खाद्यान्न सामग्री की तस्करी को लेकर सुर्खियों में रहता है। सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण व अवैध तस्करी पर प्रभारी लगाम हेतु तीन - तीन एजेंसियां क्रमशः~ नोमेंस लैंड पर एसएसबी जवानों की तैनाती फिर पुलिस बल और कस्टम विभाग की तैनाती की गई है। बावजूद त्रिस्तरीय सुरक्षा एजेंसियों को निगरानी को भेद सीमा पर सक्रिय तस्करों का सिंडिकेड प्रतिबंधित चाइनीज लहसुन की भारी खेप को पगडंडी रास्तों के जरिए भारतीय क्षेत्र के अवैध गोदामों में स्टोर कर नवीन मंडी ऑनलाइन गेट पास के जरिए बड़े शहरों में विभिन्न संसाधनों के माध्यम से भेज मोटा मुनाफा कमा रहे है। जिसकी पुष्टि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा समय समय पर की जा रही बरामदगी से की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि निचलौल थाना क्षेत्र अंतर्गत बहुआर व शीतलापुर चौकी का इलाका कभी कनाडियन मटर की तस्करी को लेकर सुर्खियों में रहता था। इस समय सीमावर्ती इलाका मटरा धमउर व कनमिसवा के पगडंडी

रास्तों से नेपाल से अवैध तरीके से हो रही चाइनीज लहसुन की बड़ी खेप की तस्करी को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। तस्करों के सिंडिकेड द्वारा नेपाल से चाइनीज लहसुन की खेप को पगडंडी रास्तों से पहले बाइक व साइकिल के जरिए भारतीय क्षेत्र के अवैध गोदामों तक मंगाया जाता है फिर मौका देख पिकअप के जरिए लोकल मंडी तक पहुंचा दिया जाता है उसके बाद भारतीय क्षेत्र के विभिन्न फर्मों द्वारा चाइनीज लहसुन की खेप को भारतीय लहसुन बता ऑनलाइन मंडी गेट पास काट ट्रांसपोर्टरों के जरिए भारत के बड़ी मंडियों में विक्रय हेतु आढ़तियों के माध्यम से भेज दिया जाता है।वहीं सीमावर्ती क्षेत्र के बाजार भी चाइनीज लहसुन की बिक्री को लेकर अछूते नहीं है।जबकि 2014 से भारत में बैन है।

भारत के विभिन्न नगरों में भेजी जा रही प्रतिबंधित लहसुन

इंडो नेपाल सीमा से सटे नेपाल से अवैध तरीके से पगडंडी रास्तों के जरिए मोटर साइकिल व साइकिल से मंगाई जा रही लहसुन को खेप को पहले भारतीय क्षेत्र के सीमावर्ती गोदामों में स्टोर किया जाता है फिर उसे पिकअप के जरिए कृषि मंडियों तक पहुंचाया जाता है फिर गड़ौरा एट निचलौल नवीन मंडी गेट पास के जरिए ट्रांसपोर्टरों की मदद से भारत के गोरखपुर, कानपुर, लखनऊ,दिल्ली, चेन्नई समेत अन्य विभिन्न हिस्सों में भेज तस्कर मोटा मुनाफा कमाते है।अब ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि इस क्षेत्र में लहसुन की उत्पादन बहुत कम मात्रा में है तो ऑनलाइन मंडी गेट पास के जरिए बड़ी मात्रा में लहसुन की खेप विभिन्न महानगरों में कैसे भेजी का रही है।

महानगरों में भेजी जा रही लहसुन की खेप गायब हुई तो खुली पोल

इंडो नेपाल सीमा से सटे ढूठीबारी के टोला धमौली स्थित यदुवंशी ट्रेडर्स द्वारा 15 सितंबर को चेन्नई, भेजी जा रही 120 कुंतल लहसुन पहुंचने से पहले ही वाहन समेत गायब हो गया। वही निचलौल के व्यापारी महेश यादव द्वारा 30 अगस्त को ट्रांसपोर्टर के माध्यम से दिल्ली भेजी जा रही 62.80 कुंतल लहसुन व 20 कुंतल मक्का अपने गंतव्य स्थान पहुंचने के पहले ही रास्ते में वाहन समेत लापता हो गई। दोनों व्यापारियों में जब पुलिस को लिखित तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की। जिसके बाद सीमा पर हो रहे अवैध तरीके से ब्लैक से व्हाइट हो रहे लहसुन के काले कारोबार की पोल खुली।

कस्टम ने जब्त किए गए 2122 बोरी लहसुन को किया नष्ट

इंडो नेपाल सीमा से सटे विभिन्न इलाकों से अवैध तरीके से प्रतिबंधित चाइनीज लहसुन की खेप को भारतीय क्षेत्र भेजे जाने के दौरान सुरक्षा एजेंसियों द्वारा बरामद कर कस्टम को सुपुर्द किया गया था। जब्त किए गए चाइनीज लहसुन को उच्चाधिकारियों के निर्देशन के क्रम में बीते दिनों नौतनवा कस्टम ने 1400 बोरी व निचलौल कस्टम ने 722 बोरी लहसुन नष्ट किया। बरामद लहसुन को लैब टेस्ट में भेजा गया था। प्रयोगशाला की जांच में लहसुन खाने योग्य नहीं पाए जाने पर उसे नष्ट कर दिया गया।

नगर निगम ने कबाड़ से किया कमाल

गाजियाबाद से आए कलाकारों ने बनाया 650 किलो के कबाड़ से भारत का नक्शा

जन एक्सप्रेस। आगरा

नगर निगम ने वाहनों के कबाड़ से ऐसी कलाकृतियां बनवाई कि लोग देखते रह जाएं। कबाड़ से बना भारत का नक्शा हो या फिर अयोध्या में बने भगवान श्रीराम मंदिर की आकृति, ये सहर्ष ही अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। गांधी का चरखा और चश्मा भी देखते ही बनता है। नगर निगम के वाहनों से निकले नट बोल्ट, क्लच प्लेट, पिस्टन, रिंग आदि कबाड़ दिया। उन्होंने 550 नट बोल्ट, क्लच आदि का उपयोग भारत का नक्शा बनाने में किया है। यह 650 किलो वजनी है। 220 किलो का वजनी चरखा बनाया। जिसमें पुराने रिक्शों, हथठेलों के पहिये लगाए गए हैं। इन्हें जोड़कर चरखे पर रस्सी लगाई गई है। इसी तरह टायरों को जोड़कर गांधी का चश्मा बनाया गया है। इन कलाकृतियों को नगर निगम परिसर में

बने पार्क में रखा गया है। नगर निगम में आने वाले लोग इसके साथ सेल्फी ले रहे हैं और कबाड़ से कलाकृतियां बनाने की पहल की तारीफ कर रहे हैं। आगरा नगर निगम ने इससे पहले वेस्ट टू वंडर पार्क का निर्माण फतेहाबाद रोड पर किया है। वहीं श्रीराम मंदिर का कबाड़ से बना मॉडल भी बनाया है। इन कलाकृतियों को गाजियाबाद से आए कलाकार सरफराज अली और साक्षी झा ने बनाया। इनमें से कई कलाकृतियों को शहर के प्रमुख स्थानों पर रखा जाएगा। इसमें श्रीराम मंदिर, पेंसिल, भगवान शिवशंकर का डमरू आदि कलाकृतियां शामिल हैं। आगरा में रिटायर प्रिंसिपल को डिजिटल अरेस्ट कर बदमाशों ने 2 लाख रुपए ठग लिए। इसके बाद भी जब रुपयों की डिमांड बंद नहीं हुई तब महिला को ठगी का पता चला। इसके बाद पीड़िता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। मामला लोहामंडी थाना क्षेत्र का है। सरोज भार्गव आगरा के एमजी रोड के साहित्य कुंज की रहने वाली हैं। वह बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय की पूर्व प्रिंसिपल हैं। उन्होंने बताया- 30 सितंबर की शाम को उनके फोन पर एक अनजान नंबर से वॉट्सऐप कॉल आई। जिस पर पुलिस का फोटो लगा था। फोन करने वाले ने कहा, मैं पुलिस अधिकारी सुनील कुमार बोल रहा हूं। आपके नाम से एक पार्सल मलेशिया भेजा गया है। इसमें कई फर्जी पासपोर्ट और एटीएम कार्ड और भारी मात्रा में ड्रग्स मिले हैं। इसे जब्त कर लिया गया है। आपकी गिरफ्तारी हो सकती है। मैंने अभी आपके नाम पर एफआईआर नहीं होने दी। अगर आपको केस से बाहर निकलना है तो आप मुझे तुरंत दो लाख रुपए दे दें। मैं अपने अधिकारी को समझा कर मामला खत्म करा दूंगा। उसकी बात सुनकर वो घबरा गईं। फोन करने वाला बार-बार गिरफ्तार करने की धमकी दे रहा था। सरोज ने बताया- शाम चार बजे फोन आया था। इसके बाद से उसने मुझे फोन नहीं रखने दिया। वह बार-बार मुझे गिरफ्तारी की धमकी दे रहा था। उसने रात 12 बजे तक मुझे फोन पर उलझाए रखा। मोबाइल पर फर्जी लेटर भेजे। उसने कहा कि अगर फोन काटा और किसी को बताया तो परिवार के लोगों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया जाएगा, जिससे मैं और भी ज्यादा घबरा गई।

क्षेत्र से 15 फुट लंबे विशाल अजगर को बचाया

जन एक्सप्रेस। आगरा।

एक चुनौतीपूर्ण बचाव अभियान में, आगरा की आवासीय कॉलोनी- कानन वन रेजीडेंसी, कालिंदी विहार में सीवेज स्लैब के नीचे से 15 फुट लंबे अजगर को सुरक्षित रूप से निकाला। वाइल्डलाइफ एसओएस रैपिड रिस्पांस यूनिट ने स्थानीय निवासियों की संकटपूर्ण कॉल का तेजी से जवाब देते हुए भारी भीड़ की उपस्थिति के बीच से सांप को सुरक्षित रूप से स्थानांतरित करने में कामयाब रही। वाइल्डलाइफ एसओएस को आगरा के कालिंदी विहार से 2477 आपातकालीन हेल्पलाइन (+91 9917109666) पर संबंधित नागरिकों द्वारा 15 फुट लंबे विशाल अजगर को देखे जाने की सूचना प्राप्त हुए। जिसके पश्च्यात दो सदस्यीय बचाव दल तुरंत स्थान पर पहुंचा। वहाँ पहुंचने पर, उन्होंने देखा की सांप सीवेज स्लैब के नीचे फंसा हुआ था। अजगर सांप के विशाल आकार और एकत्रित भीड़ ने स्थिति को जटिल बना दिया, जिससे टीम के लिए काफी समस्या उत्पन्न हुई और उनके लिए आगे बढ़ना मुश्किल हो गया। आगरा पुलिस के त्वरित समर्थन की बदौलत स्थिति को नियंत्रण में लाया गया,

जिससे बचावकर्मियों को अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने का मौका मिला। करीब घंटे भर चले ऑपरेशन में सावधानीपूर्वक कोशिश के बाद, अजगर को निकाला गया ' कुछ देर निगरानी में रखने के बाद अजगर को वापस जंगल में छोड़ दिया गया। इसके अतिरिक्त, सड़क के किनारे काम कर रहे किसानों द्वारा देखे जाने के बाद, शाहपुर, फरह, मथुरा के पास एक 8 फुट लंबे अजगर को भी टीम ने सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। इसी तरह एक बचाव अभियान अगले दिन हुआ, जब धाना तेजा में बिटुमेन ड्रम फिलिंग सुविधा की सीमा दीवार के पास अजगर देखा गया। दोनों अजगरों को सफलतापूर्वक बचाया गया और पास के वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। वाइल्डलाइफ एसओएस के सह-संस्थापक और सीईओ कार्तिक सत्यनारायण, ने टिप्पणी की, भीड़भाड़ वाले शहरी इलाके में इतने बड़े सांप का पाया जाना और उसको बचाना कभी आसान नहीं होता। हम स्थानीय अधिकारियों और पुलिस के सहयोग के लिए आभारी हैं, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि बचाव अभियान सुचारू रूप से चले। वाइल्डलाइफ एसओएस के डायरेक्टर कंजरवेशन प्रोजेक्ट्स, बैजूराज एम.वी. ने कहा, बड़ी भीड़ ने ऑपरेशन में महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश कीं लेकिन हमारी टीम ने कठिन परिस्थितियों में तेजी से काम किया। हमें खुशी है कि अजगर को सुरक्षित जंगल में वापस छोड़ा जा सका।

उत्तर प्रदेश स्केटिंग खो-खो एसोशिएशन के सौजन्य से नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्केटिंग खो-खो चैंपियनशिप

जन एक्सप्रेस। अलीगढ़

उत्तर प्रदेश की सीनियर टीम के उप विजेता बनने पर और जूनियर वर्ग की टीम के तीसरे स्थान पर आने पर अलीगढ़ जिले के एडीएम प्रशासन पंकज कुमार और उत्तर प्रदेश स्केटिंग खो-खो एसोशिएशन अध्यक्ष पूर्व विधायक विवेक बंसल ने खिलाड़ियों को सम्मान समारोह कार्यक्रम में सम्मानित किया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एडीएम प्रशासन पंकज कुमार को अध्यक्ष विवेक बंसल पूर्व विधायक और जनरल सेक्रेटरी प्रदीप रावत ने बुके देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि एडीएम प्रशासन पंकज कुमार ने स्केटिंग खो खो टीम के जूनियर कप्तान योग कुमार व सीनियर कप्तान आदित्य ठाकुर को माला पहनकर स्वागत किया और पूर्ण टीम को मेडल व प्रमाण पत्र देकर उनका हौसला बढ़ाया द्य दिल्ली में हुई राष्ट्रीय स्केट खो खो प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की स्केटिंग खो-खो सीनियर टीम के होनहार खिलाड़ी तथा रू एबीके हाई स्कूल के कक्षा 7 के छात्र मोहम्मद मुस्तफा खान को सभी

मैचों मे उत्कृष प्रदर्शन करने पर विशेष सम्मान के तौर पर ट्रॉफी व मैडल मिलने पर एडीएम प्रशासन पंकज कुमार जी ने मुस्तफा खान को काफी सराहा और सम्मानित किया । एडीएम प्रशासन पंकज कुमार ने कहा खिलाड़ियों को खेल के साथ-साथ शिक्षा का भी लगाव रहना चाहिए।उत्तर प्रदेश की टीम कोच वंशिका चौहान को मूवमेंट को देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह कार्यक्रम में इंडो एशिया रिकॉर्ड, आइकॉन एंबेसडर बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड और इनफ्लुएंसर बुक ऑफ़ वर्ल्ड के 45 स्केटिंग खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। रिकॉर्ड वाले खिलाड़ियों ने 78 मिनट लगातार स्केटिंग चलकर यह रिकॉर्ड 15 अगस्त को पूर्ण किया था। इसके प्रमाण पत्र पुणे महाराष्ट्र से प्राप्त हुए हैं। अध्यक्ष विवेक बंसल ने कहा अलीगढ़ के स्केटिंग खिलाड़ी लगातार कई वर्षों से अलीगढ़ का ही नहीं उत्तर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। स्केटिंग खिलाड़ियों में मैंने देखा यह खिलाड़ी हमेशा ही अनुशासित रहते हैं। एक अनुशासित खिलाड़ी ही अनुशासन में रहकर अपने खेल का निखार करता है। संघ के अध्यक्ष विवेक बंसल ने स्केटिंग खो-खो के जनरल सेक्रेटरी प्रदीप रावत को भी हार्दिक बधाई दी और कहा आज अलीगढ़ में इस स्केटिंग खिलाड़ियों को जो उपलब्धि प्राप्त हो रही है वह जनरल सेक्रेटरी कोच प्रदीप रावत की मेहनत का फल है। नई दिल्ली में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर मोहम्मद मुस्तफा खान को ट्रॉफी देकर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है।

रिटायर्ड प्रिंसिपल से बोला, फोन काटा तो अरेस्ट हो जाओगी

जन एक्सप्रेस। आगरा

डिजिटल अरेस्ट कर दो लाख ठगे, कहा-पार्सल में ड्रग्स मिले हैं

रिटायर प्रिंसिपल को डिजिटल अरेस्ट कर बदमाशों ने 2 लाख रुपए ठग लिए। इसके बाद भी जब रुपयों की डिमांड बंद नहीं हुई तब महिला को ठगी का पता चला। इसके बाद पीड़िता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। मामला लोहामंडी थाना क्षेत्र का है। सरोज भार्गव आगरा के एमजी रोड के साहित्य कुंज की रहने वाली हैं। वह बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय की पूर्व प्रिंसिपल हैं। उन्होंने बताया- 30 सितंबर की शाम को उनके फोन पर एक अनजान नंबर से वॉट्सऐप कॉल आई। जिस पर पुलिस का फोटो लगा था। फोन करने वाले ने कहा, मैं पुलिस अधिकारी सुनील कुमार बोल रहा हूं। आपके नाम से एक पार्सल मलेशिया भेजा गया है। इसमें कई फर्जी पासपोर्ट और एटीएम कार्ड और भारी मात्रा में ड्रग्स मिले हैं। इसे जब्त कर लिया गया है। आपकी गिरफ्तारी हो सकती है। मैंने अभी आपके नाम पर एफआईआर नहीं होने दी। अगर आपको केस से बाहर निकलना है तो आप मुझे तुरंत दो लाख रुपए दे दें। मैं अपने अधिकारी को समझा कर मामला खत्म करा दूंगा। उसकी बात सुनकर वो घबरा गईं। फोन करने वाला बार-बार गिरफ्तार करने की धमकी दे रहा था। सरोज ने बताया- शाम चार बजे फोन आया था। इसके बाद से उसने मुझे फोन नहीं रखने दिया। वह बार-बार मुझे गिरफ्तारी की धमकी दे रहा था। उसने रात 12 बजे तक मुझे फोन पर उलझाए रखा। मोबाइल पर फर्जी लेटर भेजे। उसने कहा कि अगर फोन काटा और किसी को बताया तो परिवार के लोगों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया जाएगा, जिससे मैं और भी ज्यादा घबरा गई।

जन कल्याण समिति ने शाहजमाल में महारक्तदान शिविर का किया आयोजन

जन एक्सप्रेस। अलीगढ़

जन कल्याण समिति ने शाहजमाल के अहमद उल्लाह नगर में महारक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि अलीगढ़ महापौर श्री प्रशांत सिंघल ने फीता काटकर शिविर का उद्घाटन किया इसी क्रम में संस्था ने महापौर अलीगढ़ का शॉल व फूल माला पहनाकर सम्मान किया व मोमेंटो देकर उनका अभिवादन किया इस अवसर पर जन कल्याण समिति ने 52 यूनिट रक्तदान कराया जिसमे शाहजमाल के युवाओं व महिलाओं ने पूरे जोश व उत्साह के साथ रक्तदान शिविर में आकर रक्तदान किया रक्तदान शिविर जे एन मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक के डॉक्टर्स व सभी सहयोगी स्टाफ़ का पूर्ण सहयोग रहा इस अवसर पर महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा कि जन कल्याण समिति बहुत समाज मे बहुत ही पुण्य के काम कर रही है जिसमे रक्तदान शिविर,व कपड़ा वितरण कैम्प ,फ्री मेडिकल हेल्थ कैम्प के साथ साथ शिक्षा पर भी बहुत सराहनीय काम कर रही है महापौर ने संस्था का अपने शब्दों में धन्यवाद किया और आम लोगों को मेसेज दिया कि समाज मे ऐसे ही काम लोग करते रहें जिससे स्वस्थ रहेगा भारत तभी तो आगे बढ़ेगा भारत जैसे शब्द कहकर धन्यवाद दिया इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष इमरान खान ने बताया कि हमारा 7वां रक्तदान शिविर है और हम लगातार समाज मे स्वास्थ और शिक्षा पर कार्य कर रहे हैं जिसमे हमे लगातार लोगों का सहयोग मिल रहा है।

जी आई सी ग्राउंड पर फैलेगी पंजाबी संस्कृति की मीठी सुगंध

जन एक्सप्रेस/आगरा। पंजाबी विरासत परिवार की महिला विंग द्वारा विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी सरगी मेला 13 अक्टूबर को जी आई सी ग्राउंड पंचकुइया पर बड़ी धूमधाम से मनाया जायेगा। पंजाबी विरासत के महामंत्री बंटी ग्रोवर ने बताया कि इस बार यह मेला पंजाबी विरासत की सरक्षिका रानी सिंह जी की अगुवाई में मनाया जा इसके लिए उन्होंने 21 सदस्यीय कोर कमेटी बनाई है इसके लिए अलग अलग कार्यों के अलग अलग कमेटी का गठन किया । सांस्कृतिक कार्यक्रम के मधु पुरी बघेल,दीपिका आहूजा, दीप्ति खन्ना ,स्टॉल के लिए आरती सामा,सुनंदा अरोरा एवम सुनीता मेहता।सरगी क्वीन अवार्ड एवम विभिन्न प्रतियोगिता के अलग अलग टीम बनाई है। इस बार आगरा के अतिरिक्त फिरोजाबाद एवम हाथरस का पंजाबी विरासत परिवार भी जुड़ेगा। अधिक जानकारी के रानी सिंह 9997707615 एवम पंजाबी विरासत की मंत्री कुसुम महाजन जी से संपर्क कर सकते हैं।

जबरन पंचायत के नाम पर घर में घुसकर महिलाओं से की बदसलूकी

जन एक्सप्रेस/आगरा। किरावली के गांव खेड़ा निबासी गयाप्रसाद शर्मा ने एसीपी अछ्नेरा शिरोमणि उपाध्याय को तहरीर देकर बताया कि पड़ोस में रहने वाली सुनीता पत्नी रामबाबू से दीवार को लेकर न्यायालय में वाद लंबित है। परन्तु उक्त महिला व उसके परिजन दीवार को लेकर आए दिन झगड़ा करते हैं। तथा 29 सितंबर रविवार को महिला और परिजनों के साथ शातिर किस्म के 20 लोगों ने पीड़ित के घर पहुंचकर बताया कि हम पंचायत करने आए हैं। तथा उक्त लोगों ने जबर्दस्ती दीवार एवं मुकदमे में राजीनामा का दबाब डाला, पीड़ित द्वारा कोर्ट में मामला बताने पर रिवाल्वर निकालकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की पत्नी के विरोध पर धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया।

किवानी क्लब के अध्यक्ष प्रवीण मंगला को भावभीनी विदाई

जन एक्सप्रेस। अलीगढ़

किवानी ज्वेलर्स क्लब अलीगढ़ के अध्यक्ष प्रवीण मंगला के एक वर्ष का अध्यक्ष पद कार्यकाल पूर्ण होने पर दी भावभीनी विदाई। अध्यक्ष प्रवीण मंगला ने कहा आज मेरे लिए बहुत ही भावुक दिन है यह एक साल कैसे गुजर गया पता ही नहीं चला अध्यक्ष वर्ष 2023-24 के रूप में अपनी इस सुखद यादगार यात्रा को समाप्त करना मेरे लिए गर्व की बात है। आप सभी के साथ के बिना यह यात्रा संभव नहीं थी, इसके लिए उन्होंने सभी सदस्यों का धन्यवाद किया, उन्होंने विशेष रूप से सेक्रेटरी अंकित गर्ग, ट्रेजरार तुषार अरोरा और अपने धर्मपत्नी प्रीति

मंगला का हर कदम पर साथ देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा की अध्यक्ष पद पर रहते हुए मैंने बहुत कुछ यहां से सीखा है खासकर चुनौतियों का सामना करते हुए सबको साथ लेकर चलने और टीमवर्क के असली महत्व को समझा है। उन्होंने आने वाली नई टीम वर्ष 2024-25 अध्यक्ष दीपेंद्र वासने, सेक्रेटरी अंकित गुप्ता डिजिटल वर्ड, ट्रेजर अंशुमन अग्रवाल फाइनेंस कंसलटेंट को शुभकामनाएं दी और उम्मीद जताई कि आने वाले साल में नई टीम क्लब को और अधिक ऊंचाइयों पर लेकर जाएगी। सेक्रेटरी अंकित गर्ग की धर्मपत्नी प्रियंका गर्ग ने पूरे साल के कार्यक्रमों का लेखा-जोखा रखा और कहां यह वर्ष क्लब के लिए कई मील के पत्थर साबित करने वाला रहा और आने वाली नई टीम को बधाई दी । कार्यक्रम में पदाधिकारी के साथ-साथ सम्मानित सदस्य अपने परिवार सहित अखिल चोला बीज, अमित जैन, अतुल दीक्षित स्वास्तिक, गौरव हरकुट, हिमांशु जिंदल, निखिल भाटिया, नितिन जैन, नितिन मित्तल, नितिन शर्मा, प्रवीण सदानी, राहुल अग्रवाल,राजीव कुमार रामसन, सचिन अग्रवाल, साहिल सोढ़ी, सौरभ नय्यर , डॉ शशांक सूद, सुमित रावल, विनीत जैन, विशाल मित्तल अग्रवाल एग्रो, विभूत तेओरी आदि मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर की छापेमारी

जन एक्सप्रेस। अम्बेडकर नगर

जनपद में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड-2 श्रवण कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में नवरात्रि पर्व के अवसर आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य/पेय पदार्थ उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के सचल दल द्वारा विशेष अभियान चलाकर जनपद के विभिन्न स्थानों पर औचक छापेमारी करते हुए कुट्टू आटा, किशमिश, साबूदाना, सिंघाड़ा आटा, तिन्ना चावल, मूंगफली दाना इत्यादि खाद्य पदार्थों के कुल

12 नमूनें संग्रहित कर खाद्य विश्लेषक, उ0प्र0 की प्रयोगशाला को जांच हेतु प्रेषित किया गया। संतोष प्रोविजन स्टोर, पटेलनगर अकबरपुर के प्रतिष्ठान से 23 किग्रा0 मूंगफली दाना मिथ्याछाप एवं अधोमानक होने के संदेह पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की सुसंगत धाराओं में जब्त किया गया जिसका अनुमानित मूल्य रूपय 3450 है जन स्वास्थ्य के दृष्टिगत जनपद के समस्त खाद्य पदार्थ कारोबार कर्ताओं को निर्देशित किया जाता है कि कुट्टू आटा सिंघाड़ा आटा जिसका पैकिंग तीन सप्ताह से अधिक हो चुकी हो या बिना पैकिंग तिथि अथवा खुला हो की बिक्री कदापि ना की जाए।

अग्रकुल प्रवर्तक तुम्हे सौ सौ प्रणाम..

जन एक्सप्रेस। आगरा

अग्रबन्धु समन्वय समिति की ओर से अग्रसेन जयंती महोत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोह का आयोजन वाटरवर्क्स स्थित अग्रवन में किया गया। शुभारम्भ उ. प्र. लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राकेश गर्ग, डॉ. सचिन गोयल, प्रकाश चन्द अग्रवाल, गिरीश चन्द बंसल, रविंद्र बंसल और मुरारी प्रसाद अग्रवाल ने दीप प्रवज्जलित कर किया। मुख्य संरक्षक संतोष कुमार गोयल ने बताया कि बल्केश्वर क्षेत्र की सर्वाधिक उम्र 94 वर्ष की सावित्री देवी अग्रवाल को अग्र माता व 87 वर्ष के भगवान दास अग्रवाल दवाई वालो को अग्र पिता के रूप में मुकुट व माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस वर्ष के अग्रवंश शिरोमणि सम्मान से भगवान दास बंसल सेवला वालो को सम्मानित किया गया। मार्गदर्शक वीके अग्रवाल ने बताया कि पार्षद मुरारी लाल गोयल के नेतृत्व में अग्र शक्ति स्मारिका 2024 का मंच से समिति ने विमोचन किया। मेधावी विद्यार्थियों को समिति का स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। महाराजा अग्रसेन व रानी माधवी का स्वरूप बने प्रेमचंद बंसल व पुष्पा रानी ने सभी को आशीर्वाद दिया और महाराजा अग्रसेन के पथ पर चलने को प्रेरित किया। दोपहर में बच्चों व महिलाओं के लिए मेहंदी, फैंसी ड्रेस, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्वागत अध्यक्ष रमन अग्रवाल व अध्यक्षता रामप्रकाश अग्रवाल ने की। इस अवसर पर संस्थापक ताराचंद मित्तल, राजू अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, शिवशंकर अग्रवाल, छोटेलाल बंसल, अनुरंजन सिंघल, सतीश चन्द अग्रवाल, पवन कंचन बंसल, अनिल गोयल, अमित अग्रवाल, हरिओम अग्रवाल, पूजा बसंल, सचिन मित्तल, अशोक अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

सांकरा में जिम का उद्घाटन व भमोरी में भागवत का उद्घाटन करते राष्ट्रीय लोक गायक

जन एक्सप्रेस/अलीगढ़। दादों क्षेत्र के गांव सांकरा में जिम सेंटर का उद्घाटन किया गया जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय लोक गायक सिंगर कालू यादव ने फीता काट कर किया साथ में श्री कृष्ण इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अशोक यादव मौजूद रहे कासगंज रोड पर जिम सेंटर खोला गया जिम के मालिक देवांश यादव ने बताया यह सब बाबा खाटू श्याम की कृपा है और सभी युवाओं का साथ, अशोक कुमार प्रधानाचार्य ने बताया योग भी हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है योग से रोग दूर होते हैं और मनुष्य निरोग रहते हैं वही भमोरी गांव में भागवत कथा का उद्घाटन राष्ट्रीय लोक गायक कालू यादव ने फीता काट कर किया राष्ट्रीय लोक गायक क्षेत्र में बहुत ही मेहनत और संघर्ष कर रहे हैं अच्छा वर्चस्व प्राप्त कर सभी युवाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलते हैं और जो जनता का निर्णय होता है उसे स्वीकार करते हुए दिन पर दिन अपना परचम लहरा रहे हैं और नाम रोशन कर रहे हैं।

महारानी माधवी व महाराजा अग्रसेन संग महिलाओं ने रचाई मेंहदी

जन एक्सप्रेस। आगरा

अग्रवाल संगठन कमला नगर की ओर से महाराजा अग्रसेन के निवास पर मेहंदी उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अध्यक्ष रविंद्र कुमार और महामंत्री राम जिंदल कोषाध्यक्ष प्रवीन कुमार ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर किया गया। गणेश स्तुति के बाद मंगल गीतों के साथ मेहंदी के

गीतों पर नृत्य कर खूब झूमी महिलाएं। मुरारी प्रसाद अग्रवाल व कौशल किशोर सिंघल ने बताया कि महिलाओ ने महाराजा अग्रसेन बने अशोक मित्तल और महारानी माधवी बनी आशा मित्तल को मेहंदी लगा कर मंगल गीत गाए। आज कमला नगर से अग्रसेन जयंती शोभायात्रा में हजारो की संख्या में वैश्य समाज के लोग शामिल होंगे। शोभायात्रा विभिन्न कॉलोनियों में होते हुए बी ब्लॉक कमला नगर पर पहुँच कर समाप्त होगी।

प्रमोद कुमार बघेल एडवोकेट समाजसेवी अखिल भारतीय पंचायत परिषद में शामिल

जन एक्सप्रेस। अलीगढ़

प्रमोद कुमार बघेल एडवोकेट निवासी ग्राम शहबाजपुर ब्लॉक धनीपुर जनपद अलीगढ़ जो गाजियाबाद में वकालत करते हैं आज दिनांक 4 अक्टूबर 2024 को अखिल भारतीय पंचायत परिषद के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी गवेन्द्र सिंह एडवोकेट के प्रयासों से पंचायत परिषद में शामिल हो गए उन्होंने इस अवसर पर कहा अखिल भारतीय पंचायत परिषद एक गैर राजनीतिक महत्वपूर्ण संस्था है जो ग्राम पंचायतो के उत्थान के लिए पूरे देश में उत्कृष्ट कार्य कर रही है और पंचायत प्रतिनिधियों के हित में निरंतर संघर्षरत है पंचायत परिषद को मजबूत करने के लिए गाजियाबाद जनपद एवं अलीगढ़ जनपद में अपना सक्रिय रूप से योगदान दूंगा और उन्होंने यह भी कहा अखिल भारतीय पंचायत परिषद की सदस्यता ग्रहण करने पर मैं अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी गवेन्द्र सिंह एडवोकेट ने कहा प्रमोद कुमार बघेल एडवोकेट ग्रामीण परिवेश से जुड़े हुए समाजसेवी प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं जो अलीगढ़ जनपद के हैं और वकालत गाजियाबाद में करते हैं जो अनेकों स्वयं सेवी संस्थाओं से जुड़े हुए हैं और वर्तमान में नारायण सेवा संस्थान के संरक्षक श्री बेलोन धाम ट्रस्ट के आजीवन सदस्य एवं

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य है तथा हर 3 महीने में रक्तदान करते हैं अखिल भारतीय पंचायत परिषद में उनके शामिल होने से पंचायत परिषद को मजबूती मिलेगी उनका हार्दिक आभार है प्रमोद कुमार बघेल एडवोकेट का पंचायत परिषद में शामिल होने पर प्रदेश संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रदेश सहसंयोजक चौधरी महेंद्र सिंह महासचिव नरेंद्र सिंह सोलंकी महेंद्र कुमार तिवारी प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष राज बाबू गहलोत राजा प्रदेश सचिव श्रीमती प्रियंका सिंह श्रीमती सुनीता सिंह दि अलीगढ़ बाहर के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता दुर्गेश चंद्र गौतम जिला अध्यक्ष अनुज प्रताप सिंह महानगर अध्यक्ष धर्मवीर सिंह पूर्व पार्षद ठाकुर सत्येंद्र सिंह पूर्व पार्षद आसिफअली खा प्रधान एडवोकेट नरेंद्र सिंह प्रधान जिले के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ठाकुर गजेंद्र पाल सिंह उर्फ अक्कू प्रधान कुं मोहम्मद अहमद प्रधान आदि ने प्रसन्नता व्यक्त कर उनको हार्दिक बधाई दी।

पुलिस के नाम पर मौलाना ने ठगे 40 हजार रुपए, भेजा जेल

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

शक के आधार पर पुलिस ने तीन युवकों से पूछताछ की और फिर छोड़ दिया। इस बात का पता लगते ही एक मौलाना ने पहले तीनों को मुकदमे का डर दिखाया। जब तीनों घबरा गए तो 40 हजार रुपये पुलिस के नाम पर ऐंठ लिए। यह भरोसा दिला दिया गया कि कोतवाली में उसकी अच्छी पैठ है, रुपये पहुंचा दिए गए हैं और अब कोई एफआईआर नहीं लिखी जाएगी। कुछ समय बाद जब पोल खुली तो पीड़ितों को रुपये लौटाने के बजाय धमकाने लगा। कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है। शहर के मोहल्ला बेनी चौधरी के निवासी सुल्तान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि करीब दो माह पूर्व कोतवाली पुलिस ने पीड़ित व मोहल्ले के ही फुरकान और सलीम उर्फ गंटा को शक के आधार पर पूछताछ की थी। दूसरे दिन मोहल्ला डालचंद निवासी मौलाना तस्लीम मिला। उसने कहा कि पुलिस तीनों पर संगीन धाराओं में मुकदमा लिखने की तैयारी कर रही है। ये भी कहा कि उसकी कोतवाली में अच्छी जान पहचान है। अगर 50 हजार रुपये का इंतजाम कर दो, तो मुकदमे से बचा लिया जाएगा। मौलाना के डराने धमकाने पर तीनों परेशान हो गए। फिर 40 हजार रुपये दे दिए। मौलाना ने कहा कि वह चालीस हजार रुपये कोतवाली पुलिस को दे आया है। कुछ समय बाद पता चला कि उन पर तो कोई मुकदमा लिखा ही नहीं जा रहा। पुलिस के नाम पर आरोपी मौलाना ने उनके साथ ठगी कर ली है। जब रुपये वापस मांगे गए तो आरोपी ने धमकाना शुरू कर दिया। जान से मारने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। पुलिस के नाम पर उगाही करने का मामला संज्ञान में आते ही गहनता से छानबीन की गई। जिसके बाद लगाए गए आरोप सही पाए गए। आरोपी लोगों को डरा धमकाकर पुलिस का भय दिखाकर रुपये ठगा करता था। पुलिस मामले में नामजद एफआईआर दर्ज की। आरोपी मौलाना तस्लीम पुत्र रियाजुउद्दीन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पिछले दो माह से तालाब में देखे जा रहे हैं तीन मगरमच्छ, ग्रामीणो में भय

- वनकर्मी बोले, पहले तालाब की सफाई कराओ तभी पकड़वाएंगे आज दिन पानी से बाहर निकल आते हैं मगरमच्छ

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

जनपद के थाना बरखेड़ा क्षेत्र में पिछले दो माह से एक तालाब में तीन मगरमच्छ दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीण इसे लेकर भयभीत हैं, लेकिन वन विभाग सुध नहीं ले रहा है। एक बार टीम पहुंची भी तो पहले प्रधान के स्तर से तालाब की सफाई कराने की सलाह देकर लौट गई। ग्राम पंचायत लखाखास के मजरा दौलापुर में आबादी के अंदर एक एकड़ का तालाब है। गांव के ही सोमपाल ने बताया कि इस तालाब में करीब दो माह से तीन मगरमच्छ देखे जा रहे हैं। जोकि आए दिन पानी से बाहर निकल आते हैं। तालाब में मगरमच्छ होने की सूचना कई बार वन विभाग को दी गई। लेकिन मात्र एक बार वन विभाग के कर्मचारी सूचना पर मौके पर पहुंचे। कर्मचारियों ने मगरमच्छों को पकड़ने का प्रयास नहीं किया। वन विभाग के कर्मचारियों ने ग्रामीणों से कह दिया कि ग्राम प्रधान के द्वारा इस तालाब की सफाई कराएं। उसके बाद ही मगरमच्छों को पकड़ पाना संभव होगा। सोमपाल ने बताया कि उसका घर तालाब के नजदीक है। शुक्रवार को एक बार फिर सुबह तीनों मगरमच्छ तालाब के पानी से बाहर आ गए। कुछ देर बाद आहट होने पर फिर पानी में चले गए। ग्रामीणों का कहना है की सूचना देने के बाद भी वन विभाग के कर्मचारी मगरमच्छ को नहीं पकड़ रहे हैं जिस कारण ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति रोष व्याप्त है।

पीटीआर में तेंदुआ की मौत.. वनकर्मियों को गश्त के दौरान घायल अवस्था में पड़ा मिला तेंदुआ

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में वनकर्मियों को गश्त के दौरान एक घायल तेंदुआ पड़ा मिला। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची, तब तक तेंदुए की मौत हो चुकी थी। पशु चिकित्सकों के तीन सदस्यीय पैनल द्वारा तेंदुए के शव का पोस्टमार्टम किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही तेंदुए की मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। हालांकि वन अफसर प्रथम दृष्टया मिले साक्ष्य के आधार पर तेंदुए की मौत बाघ के हमले में होने की बात कह रहे हैं। घटना गुरुवार को पीलीभीत टाइगर रिजर्व की हरीपुर रेंज में हुई। वन कर्मियों की टीम गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान ही एक तेंदुआ साइकिल सवार वन वॉचर पर झपट पड़ा। अचानक हुए हमले से वन वॉचर भाग खड़ा हुआ। बताते हैं कि हमले के तुरंत बाद ही तेंदुआ भी एक तरफ लुढ़क गया। वन वॉचर ने तत्काल इसकी सूचना रेंज कार्यालय को दी। उच्चाधिकारियों को भी इसकी जानकारी दी गई। डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने टीम को तत्काल मौके पर भेजा। टीम में शामिल पीटीआर के पशु चिकित्साधिकारी डॉ. दक्ष गंगवार हरीपुर रेंज पहुंचे। वन अफसरों के मुताबिक जब टीम जब तक मौके पर पहुंची तब तक तेंदुए की मौत हो चुकी थी। जांच पड़ताल में तेंदुआ घायल पाया गया। उस दौरान तेंदुए की मौत आपसी संघर्ष में होने की बात कही जा रही थी। तेंदुए के शव को देर शाम पीटीआर मुख्यालय लाकर फ्रीजर में रखा गया। इधर शुक्रवार को एनटीसीए की गाइडलाइन के मुताबिक तेंदुए के शव का पोस्टमार्टम पशु चिकित्सकों की तीन सदस्यीय टीम द्वारा किया गया। पोस्टमार्टम सामाजिक वानिकी प्रभाग की की एक नर्सरी में किया गया। पैनल में पशु चिकित्साधिकारी न्यूरिया डॉ. उमेश सिंह, पशु चिकित्साधिकारी जहानाबाद डॉ. नरेंद्र सिंह, पशु चिकित्साधिकारी पीटीआर डॉ. दक्ष गंगवार के के अलावा उप प्रभागीय वनाधिकारी रमेश चौहान, वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के निदेशक अरुण कुमार, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेश कुमार, ग्राम प्रधान लालाराम शामिल रहे।

चित्रकूट में श्री राम-भरत मिलाप व संवाद महाराज दशरथ ने पुत्र वियोग में त्यागे अपने प्राण

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

शुक्रवार को स्थानीय रामलीला मैदान में श्री राम भरत मिलाप लीला का सजीव मनमोहक मंचन किया गया। श्री राम वन गमन के पश्चात महाराज दशरथ ने पुत्र वियोग में अपने प्राण त्याग दिए। सारे अयोध्या वासी शोक में डूब गए। पिता के प्राण त्यागने की खबर पा भरत शत्रुघ्न अविलंब अयोध्या पहुंचे। जब उन्हें पता चला कि मेरी मां ने बड़े भाई प्रभु राम लक्ष्मण और सीता को चौदह वर्ष के लिए वनबास भेजा है और मैं राज सिंहासन पर राज करूं अत्यंत व्यथित हो उठे। कुलगुरू वशिष्ठ से बोले हे गुरुश्रेष्ठ आपने उन्हें रोका क्यों नहीं? पिता के अंतिम संस्कार के पश्चात भरत प्रभु राम को मनाने के लिए माताओं,गुरुओं और अयोध्यावासियों के साथ प्रस्थान करते हैं। राह में निषादराज गुहू को साथ ले के चित्रकूट पहुंचे और प्रभु को पिता के स्वर्गवासी होने की बात कही। प्रभु अत्यंत दुखित हो उठे। भरत ने प्रभु से वापस अयोध्या चलने की बात कही तब प्रभु बोले मैं पिता के वचनों को असत्य नहीं कर सकता। इस पर भरत बोले अयोध्या के राजा राम ही हैं मैं तो आपका तुच्छ सेवक मात्र हूं। यदि आप नहीं चल सकते तो आप अपने खड़ाऊँ ही मुझे दे दें वे ही राज सिंहासन पर विराजमान होंगी। इसके साथ आप चौदह वर्ष पश्चात वापस अयोध्या नहीं आए तो अपने आप को अग्नि में समर्पित कर दूंगा। यह देख प्रभु राम ने भरत को अपने हृदय से लगा लिया। सभी भक्तगण भरत की जय जयकार करने लगे। भरत प्रभु राम की खड़ाऊँ लेकर अयोध्या आए और उन्हें राज सिंहासन पर स्थापित कर स्वयं नंदी वन में वनवासी जीवन व्यतीत करते हुए प्रभु के आने की राह देखने लगे। आज इस अवसर पर महंत ओमकार नाथ, सुनील मिश्रा, प्रतीक अग्रवाल, अमरीश शर्मा अंबू, भानु प्रताप सिंह, अंकुर गुप्ता, नरेश शुक्ला, प्रेम सिंह, डा. विश्वनाथ दीक्षित, रामाकांत पांडेय, आयुष सक्सेना, अमित जौहरी, आकाश कश्यप, प्रदीप शर्मा, पुनीत शर्मा, विनीत शर्मा आदि सहित अनेकों पदाधिकारी एवं भक्तगण उपस्थित रहे। लीला का संचालन संजय पांडेय, सोमनाथ सप्रे तथा अंकुर मिश्रा ने किया एवं रामायणी निशांत तिवारी तथा ओमकार सिंह यादव ने रामचरितमानस चौपाइयों का गायन किया।

जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय चिड़ियादाह का किया औचक निरीक्षण

- निरीक्षण के दौरान उपस्थिति रजिस्टर सहित अन्य अभिलेखों की जांच
- अध्यापक/अध्यापिका को शिक्षा में सुधार लाने के दिये निर्देश

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह ने आज विकासखण्ड मरौरी क्षेत्र के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय चिड़ियादाह का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक विद्यालय में अध्यापक/अध्यापिका मौके पर उपस्थित पाए गए। प्राथमिक विद्यालय में पंजीकृत 186 पाए गए। जिसमें से आज मौके पर प्राथमिक 100 छात्र/छात्राऐं उपस्थित पाए गए। उन्होंने ने विद्यालय में उपस्थिति रजिस्टर, बच्चों की हाजिरी रजिस्टर, मिड डे मिल को चेक किये गये। निरीक्षण के दौरान शौचालय व्यवस्था ठीक पाई गई। इस दौरान कक्षा में उपस्थित छात्र/छात्राओं से गिनती, पहाड़ा सुनकर शिक्षा की गुणवत्ता परखी। इसके साथ ही प्रधानाचार्य को विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति को बढ़ाने व शिक्षा में और सुधार लाने के निर्देश दिये। विद्यालय में साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। इस दौरान उप जिलाधिकारी सदर, डीसी मिड डे मिल सहित अन्य उपस्थित रहे।

50 लाख रुपये और फॉरच्यूनर के लिए महिला का चेहरा झुलसाने की कोशिश, पति समेत चार पर रिपोर्ट

जन एक्सप्रेस । मुजफ्फरनगर

दहेज में 50 लाख रुपये और फॉरच्यूनर की मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने विवाहिता पलक को यातनाएं दीं। आरोप है कि गैस चूल्हे पर उसका चेहरा जलाने का प्रयास किया। अपहरण कर हत्या की धमकी दी गई। महिला थाने में पलक की तहरीर पर पति अक्षय कुमार, ससुर विजेंद्र कुमार, सास सीमा गर्ग और जेठ ऋषभ गर्ग के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, जानलेवा हमले और मारपीट की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की गई है। बागपत किशनपुरा निवासी अशोक कुमार की पुत्री पलक की शादी तीन मार्च को सैक्टर-11 ब्लाक डी-फरीदाबाद हरियाणा निवासी अक्षय पुत्र विजेंद्र कुमार के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले 50 लाख रुपये और फॉरच्यूनर गाड़ी की मांग करने लगे। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। गैस चूल्हे पर चेहरा तक झुलसाने की कोशिश की गई। सूचना पर विवाहिता के परिजन फरीदाबाद पहुंचे। वहां हुए फैसले में अशोक कुमार ने फॉरच्यूनर के लिए 25 लाख रुपये के चेक उन्हें दिए। आरोप है कि इसके बाद उनका लालच और बढ़ गया और फिर से रुपये लाने का दबाव बनाया। तीन सितंबर को 50 लाख रुपये मांगने का पलक ने विरोध किया।

पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर मार-पीट अदालत के निर्देश पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

जन एक्सप्रेस । पीलीभीत

पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर मार-पीट करने के मामले में अदालत के आदेश पर दियोरिया पुलिस ने पांच लोगों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। दियोरिया कोतवाली क्षेत्र के गांव खामघाट निवासी तारावती पत्नी छोटेलाल ने अदालत को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया है कि उसके गांव का जगजीवन राम पुरानी रंजिश रखता है। आरोप है कि दो जुलाई को उसके पति बारात में गये हुए थे। महिला अपने बच्चों के साथ घर पर सो रही थी। तभी मौका पाकर शाम के समय आकाश, दुर्वेश, विशाल पुत्रगण जगजीवन राम, जगजीवन राम पुत्र कढ़ेराम, कोकिला देवी पत्नी कढ़ेराम एक राय होकर घर में घुसकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर मारपीट करते हुए जान से मारने की नियत से गर्दन दबाई और कपड़े फाड़कर दुष्कर्म का प्रयास किया। चीख-पुकार सुनकर जब महिला का बेटा छेदा लाल बचाने आया तो उसे लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित महिला घायल को लेकर थाने पहुंची। जहां पर पुलिस ने मेडिकल परीक्षण कराया लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं किया। पीड़ित महिला ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई करने की गुहार लगाई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

चचेरी बहन को लेकर कलयुगी भाई फरार, मुकदमा दर्ज

जन एक्सप्रेस/बीसलपुर। एक कलयुगी भाई अपनी ही 19 वर्षीय चचेरी बहन को लेकर फरार हो गया है। काफी तलाश करने पर भी जब कोई पता नहीं चला तो पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक और युवती की तलाश शुरू कर दी है। दियोरिया कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि उसकी गैर मौजूदगी में उसका सगा भतीजा उसकी 19 वर्षीय बेटी को लेकर फरार हो गया है। जिसे काफी तलाश किया गया लेकिन कोई पता नहीं चला। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर शिवकुमार पुत्र रामचंद्र के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर फरार युवती की तलाश शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार विश्नोई ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

फास्ट फॉरवर्ड

डॉ. ओपी सिंह तिलकधारी महाविद्यालय के नये प्राचार्य बने

जन एक्सप्रेस। जौनपुर। डा0 ओमप्रकाश सिंह ने तिलकधारी महाविद्यालय में प्राचार्य के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। इसके पूर्व ओपी सिंह इसी महाविद्यालय में कृषि विभाग में प्राध्यापक रहे। प्रबन्ध समिति एवं शिक्षकों ने नये प्राचार्य से अपेक्षा की है कि वे महाविद्यालय की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे। नये प्राचार्य ने भी महाविद्यालय में अनुशासन एवं शैक्षणिक वातावरण के सृजन में सभी प्राध्यापकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं दाल-दाताओं से सहयोग काने की अपील की है। उक्त अवसर पर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष डा श्रीप्रकाश सिंह, प्रबन्धक राघवेन्द्र सिंह, प्रबन्ध समिति के सदस्य दुष्यन्त सिंह शिक्षक नेता राहुल सिंह आदि उपास्थित रहे।

गाजे बाजे के साथ अष्टभुजा माता की मूर्ति के साथ महिलाओं पुरुषों ने शोभायात्रा निकाली

जन एक्सप्रेस। जौनपुर। अष्टभुजा मंदिर सूरापुर से निकली शोभायात्रा पंचमुखेश्वर महादेव मंदिर भवानीपुर होते हुए कालिनेमि वध स्थल पौराणिक बिजेथुआ महावीर धाम के मकरी कुण्ड सरोवर से जल लेकर सूरापुर बाजार मार्ग से होते लमिया शिव मंदिर के सरोवर से जल लेकर अष्टभुजा मंदिर पहुंचे। मुख्य आचार्य अभय नारायण पाण्डेय,आचार्य रमेश चन्द्र मिश्रा, अमित शास्त्री, सुधीर पांडेय की देखरेख में मां की मूर्ति स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा की गई। संयोजक रामसिंह व प्रेम प्रकाश जायसवाल ने बताया कि नौ दिन मां दुर्गा का पाठ अनवरत होता रहेगा तत्पश्चात दशवें दिन शनिवार को हवन पूजन के साथ महाप्रसाद भंडारा आयोजित किया जाएगा। शोभायात्रा में पूर्व प्रमुख सुंइथाकला प्रदीप सिंह गप्पू, झिनकू सिंह,बब्लू बरनवाल नन्दी, राजेश गुप्ता सुड्डू, सुनील सोनी,सुरजीत मौर्य,राम मिलन मौर्य, शंकर ड्राइवर, अमित सिंह, सौरभ सिंह, विपुल सिंह,राज सिंह, हिमांशू सिंह,सहित स्थानीय महिलाएं शामिल रहीं।

जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने मिशन शक्ति फेज 5 अभियान का किया शुभारंभ

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

महिलाओं एवं बालिकाओं के सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु शारदीय नवरात्र के पर्व पर 'मिशन शक्ति' के विशेष अभियान (फेज-5) का शुभारंभ हो गया है। जिसके सफल क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। जिलाधिकारी ने कहा कि नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन की दृष्टि से प्रदेश में शारदीय नवरात्र के अवसर पर मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत विशेष अभियान चलाए जाने का निर्णय लिया गया है। यह अभियान 03 अक्टूबर 2024 से 90 दिनों तक चलाया जाएगा, जिसमें विभिन्न विभागों की सहभागिता से अनेकों गतिविधियां की जाएंगी। सभी विभाग शासनादेश के अनुसार कार्ययोजना बनाकर गंभीरता से कार्य करें। उन्होंने बताया कि अभियान में महिला पुलिस कर्मी ग्रामन्याय पंचायत हेतु नियुक्त बीसी सखी, राजस्व लेखपाल, एएनएम, आशा वर्कर तथा अन्य सरकारी विभागों के कर्मियों से समन्वय कर तीन बिंदुओं महिला सुरक्षा, विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना एवं महिला हिंसा से संबंधित और अन्य शिकायतों के निवारण हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नंबर फोरम के संबंध में खुली बैठक कर जानकारी प्रदान करेंगी। इसके साथ ही उन्होने पंफलेट, होर्डिंग और सेल्फी प्वाइंट बनाए जाने के लिए निर्देश दिए गए। एनजीओ के साथ समन्वय कर कार्यक्रम को सफल बनाए जाने हेतु निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग महिलाओं और बालिकाओं को स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करेगा। बेसिक शिक्षा विभाग महिलाओं को शिक्षा से जोड़ेगा। इस प्रकार सभी संबंधित विभाग दिए गए दायित्वों का प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक डॉ अजयपाल शर्मा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान,अपर पुलिस अधीक्षक शहर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी विजय पांडे, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला के पेट में दो युट्रस (बच्चेदानी) देख डॉक्टर आश्चर्यचकित

- लाखों महिलाओं में कभी एक मे आते हैं ऐसे मामले
- कुतुपुर के निजी अस्पताल में देखने को मिला कुदरत का करिश्मा

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कुतुपुर एक निजी अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों ने एक महिला के पेट में दो यूट्रस देखकर आश्चर्यचकित हो गए । लाखों महिलाओं मे से किसी एक मे ऐसै मामले पाया जाता है। यह किसी कुदरत की करिश्मा से कम नहीं है। बताया जाता है कि जिले के ही बाखोपुर लेदुका निवासी संजय की पत्नी नीलू को सातवे माह तीसरा बच्चा का प्रसव पीड़ा हुई। दर्द से समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था । जिसे कुतुपुर के लक्ष्मी हेल्थ केयर सेंटर में भर्ती कराया गया । जहा डॉ आरपी शुक्ला की देखरेख में उपचार चल रहा था। जाच मे पता लगा कि बच्चा अंदर ही खत्म हो चुका है तो उन्होंने ऑपरेशन का निर्णय लिया और जब ऑपरेशन किया, तो महिला के पेट में दो युटरस देखकर आश्चर्यचकित रह गए ,उन्होंने बताया कि हमारे 36 साल के प्रैक्टिस कार्यकाल में आज तक ऐसा कोई भी वाक्या उनके सामने नहीं आया। यह जीवन का पहला मामला देखने को मिला है, जो की लक्ष्मी हेल्थ केयर सेंटर में उन्होंने मृत बच्चे को करके निकाला और वह खुद असहज हो गए। ऐसा मामला देखने को आज तक नहीं मिला था। महिला 36 वर्षीय नीलू के पास इसके पहले दो बच्चे हैं तीसरा बच्चा के लिए ऑपरेशन हुआ हालांकि एक यूट्रस में सडन था, जिसे निकाल दिया गया। सरवाईब कर रहा दूसरा यूटरस का नसबन्दी ऑपरेशन कर दिया गया । डॉ संदीप मौर्य ने कहा की करोडो कभी ऐसे मामले देखने को मिल जाते है। वरिष्ठ सर्जन डा आरपी शुक्ला ने महिला का ऑपरेशन कर दिया महिला पूरी तरह से स्वस्थ है।

आरोपी शिक्षक की तबीयत बिगड़ी आईसीयू में भर्ती

- मुझे साजिश का शिकार बनाया गया: डॉ सुधीर उपाध्याय
- मैं हर तरह की जांच के लिए तैयार हू

जन एक्सप्रेस । जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में छात्रा के उत्पीड़न के आरोपी शिक्षक की तबीयत बिगड़ गई है। वह इलाहाबाद के निजी चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। वहीं उन्होंने कहा है कि वह किसी भी तरह के जांच के लिए तैयार हैं। उन्हें साजिश का शिकार बनाया गया है । मेरे ऊपर लगे सभी आरोप बे-बुनियाद है । बता दे की विश्वविद्यालय परिसर में संचालित पर्यावरण विज्ञान की एक फिर दो छात्रा ने अपने शिक्षक पर आरोप लगाया कि वह उनका मानसिक उत्पीड़न दुर्व्यवहार करते हैं। इस मामले पर कुलपति से शिकायत की। कुलपति पे उन पर विभाग में आने से रोक लगा दिया। उधर शिक्षक की पत्नी अनीता उपाध्याय ने बताया कि उनकी तबीयत बिगड़ गई है और वह इलाहाबाद के निजी चिकित्सालय में आईसीयू में भर्ती हैं । अनीता उपाध्याय ने डा सुधीर उपाध्याय से फोन पर बात कराया । शिक्षक डॉ सुधीर ने कहा कि मुझे साजिश का शिकार बनाया जा रहा है। दो परसेंट विज्ञानिक की सूची में रसिया जाने की तैयारी थी, उनकी बढ़ती इस ख्याति को रोकने के लिए ऐसी साजिश रची गई है। विरोधी छात्राओं को मिलाकर अनाप सनाप आरोप लगाया जा रहे हैं। जो पूरी तरह बे बुनियाद व गलत है । हम किसी भी तरह के जांच के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा वर्ष 2010 से मैं विश्वविद्यालय में कार्यरत हूं कभी ऐसी कोई शिकायत नहीं आई । कई विद्यार्थियों को पीएचडी भी कराया। यूनिवर्सिटी से पूर्वांचल विश्वविद्यालय का एमओयू करने में सफलता मिली। डॉ सुधीर उपाध्याय ने कहा कि मेरा भाव अपनी छात्राओं को अपनी बेटी की तरह देखने को रहता है, जो ऑडियो वायरल किया जा रहा वह सच नहीं है मैं हर तरह की जांच के लिए तैयार हूं और दोषी पाए जाने पर कानून की किताब में जो कठोरतम सजा हो वह भी मैं भुगतने के लिए तैयार हूं ,मैं भी एक बेटी का पिता हूं जो कभी सोच नहीं सकता। वैसे षडयन्तकारी कलंक लग रहे हैं, निष्पक्ष जांच होगी तो दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा।

रात में काट दिए गए 454 हरे पेड़, जांच में जुटी ईडी

जन एक्सप्रेस । मथुरा

मथुरा के जैंत थाना क्षेत्र स्थित छटीकरा रोड पर डालमिया फार्म हाउस में 454 हरे पेड़ काटने के मामले में ईडी भी सक्रिय हो गई है। बताया जा रहा है कि गोपनीय तरीके से ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) निवेशकों की जानकारी करने में जुटी है। संभावना जताई जा रही है कि ईडी साक्ष्य एकत्रित करने के बाद बड़ा कदम उठा सकती है।

18 सितंबर की रात को छटीकरा रोड स्थित डालमिया फार्म हाउस में गुरु कृपा तपोवन प्रोजेक्ट के लिए बड़ी संख्या में मजदूर और जेसीबी की मदद से पेड़ काटे गए। इस मामले में अब तक चार मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। चर्चा है कि पूरा प्रोजेक्ट 500 करोड़ रुपये से भी अधिक का है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इस मामले में ईडी भी सक्रिय हो गई है। चर्चा है कि पिछले कई दिनों से ईडी के अधिकारी इस मामले में साक्ष्य एकत्रित करने के लिए यहां का चक्कर भी लगा चुके हैं। माना जा रहा है कि ईडी इस पर फोकस कर रही है कि इतना बड़ा खेल और इतने पैसे के लेनदेन का वास्तव में क्या कोई दस्तावेजी तरीका भी अपनाया गया है या पूरा लेनदेन वायदे पर ही चल रहा है। यही कारण है कि ईडी पेड़ काटने के आरोपी और प्रोजेक्ट में निवेश करने वालों की संपत्ति की अपने स्तर पर जांच कर सकती है।

प्लाट खरीदने वालों की उड़ गई नींद

इस पूरे प्रकरण में सबसे ज्यादा वे लोग फंस गए हैं जिन्होंने तपोवन में भूखंड बुक कराए हैं। एक लाख रुपये वर्ग गज से ऊपर का यहां रेट है और कई सौ प्लॉट यहां केवल कच्ची रसीद पर बुक किए जा चुके हैं। रसीद पर ही कुछ प्लाट रीसेल भी हो चुके हैं। ऐसे में प्लॉट बुक कराने वालों के इस समय पसीने छूट रहे हैं। चूंकि यह प्रोजेक्ट अब फंस गया है और यहां का नक्शा भी स्वीकृत नहीं है तो ऐसे में प्लॉट लेने वालों को अपनी रकम डूबती नजर आ रही है। हालांकि प्लॉटिंग करने वाले उन्हें भरोसा दे रहे हैं पर इस भरोसे से काम नहीं चल पा रहा है। यही कारण है कि दो दिन पूर्व ऐसे ही कुछ आवंटियों ने एक होटल में जाकर निवेशकों के यहां हंगामा भी किया था। कहा कि उनका पैसा तत्काल लौटाया जा

श्रीकृष्ण जन्मस्थान से जुड़े डालमिया परिवार का कोई संबंध नहीं

मथुरा। सैकड़ों वृक्षों के कटान को लेकर चर्चा में आए वृंदावन के डालमिया फार्म हाउस का श्रीकृष्ण जन्मस्थान से जुड़े डालमिया परिवार एवं ग्रुप का कोई संबंध में नहीं है। इस संबंध में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने स्पष्टीकरण जारी किया है। उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण जन्म स्थान के जीर्णोद्धार में विशिष्ट सेवा प्रदान करने सहित कई धार्मिक एवं समाज से जुड़े कार्य करने वाले डालमिया परिवार या डालमिया औद्योगिक ग्रुप का कोई संबंध वृंदावन के डालमिया फार्म से कोई संबंध नहीं है। कुछ लोग यही सोच रहे हैं कि यह एक ही परिवार है। ऐसा नहीं है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए समुचित व्यवस्था की जानी चाहिए वन और ब्रज को अलग नहीं देख सकते। यहां भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रज और इसके वन में विशिष्ट लीलाओं के दर्शन कराए उनके महत्व को बारे में जगत को बताया।

बिल्हौर जीटी रोड ककवन रोड चौराहे से रेलवे फाटक पर हर घंटे लगता रहता है जाम, सुरक्षा कर्मी नदारद

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

बिल्हौर तहसील और रेलवे फाटक के बीच भीड़भाड़ और रेलवे फाटक जीटी रोड के बीच में कम दूरी होने की वजह से फाटक हर आधे घंटे और 1 घंटे में बंद होकर 10-15 मिनट तक बंद रहता है जिससे लंबी कतारें ट्रैक्टर-ट्राली, बैटरी रिक्शा, मोटरसाइकिलें, कारें, मिट्टी ढोने वाले ट्रक आदि वाहनों की पूरे दिन लगी रहती है। पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रहती है।

लेकिन जब दोपहर के समय में स्कूली वाहन लगभग 2:00 बजे के आसपास ही चौराहे से होकर सैकड़ो की संख्या में गुजरते हैं इस बीच में बैटरी रिक्शा और ट्रैक्टर ट्राली, मिट्टी लदे हुए डंपर गुजरते हैं तो जाम में फंस जाते हैं।

शुक्रवार दोपहर लगभग 2:00 बजे जाम देखने को मिला कि वहां पर उसे समय सुरक्षाकर्मी कोई भी नहीं थे वैसे हालांकि चार सुरक्षाकर्मी चौराहे पर और चार रेलवे फाटक पर तैनात किए गए कि जाम नहीं लगना चाहिए क्योंकि तहसील में आने जाने वाले अधिकारी जाम में न फंसे इसके बाद भी एक साथ सभी सुरक्षा कर्मी नदारत दिखे वहीं पर मिट्टी से भरी एक ट्राली भी जाम में फंस गई जो काफी देर बाद निकल सकी।

एनटीपीसी एवं सहयोगी कम्पनी वत्सा की लापरवाही, किसी भी वक्त हो सकती है अनहोनी

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

तहसील क्षेत्र के उत्तरीपूरा डोडवा में हजारों किसानों की जमीनों को अधिग्रहण करने के पश्चात करोड़ों की लागत से बनाया गया एनटीपीसी सोलर पावर प्लांट उत्तरीपुरा में एन दिनों चारों तरफ प्लांट के पानी ही नज़र आता है ऐसे में वत्सा कम्पनी में कार्य करने वाले इलेक्ट्रीशियन व मजदूरों के साथ बड़ी अनहोनी की आशंकाएं बनीं हुईं हैं।

पूरा मामला उत्तरीपुरा, डुंडवा जमौली एनटीपीसी का है जहां के किसानों ने एक बड़ा सपना देखा था कि रोजमर्रा की खेती बाड़ी में जरूरी फसलें उत्पादन करने वाले किसान भाइयों की जमीनें तो जा रही है।

अब क्षेत्र में विकास के साथ साथ हमारे बच्चों को एनटीपीसी में रोजगार उपलब्ध होगा लेकिन एनटीपीसी अधिकारियों ने एनटीपीसी पावर प्लांट न बनाकर सोलर पैनल पावर प्लांट बना दिया था और किसानों की सारी उम्मीदों पर पल भर में पानी फेर दिया न मिला रोजगार न हुआ क्षेत्र में विकास।

बिना सेफ्टी के कार्य कर रहे इलेक्ट्रीशियन

एक तरफ जहां उत्तरी पूरा एनटीपीसी के 225 मेगावाट में चारों तरफ पानी भरा हुआ है वहीं एनटीपीसी के जिम्मेदार अधिकारी अमितोष वर्मा और वत्सा कम्पनी के श्याम मिश्रा एवं पांडेय मीसटू घोस की घोर लापरवाही से इलेक्ट्रीशियन व मजदूर पानी में घुसकर बीना सेफ्टी के कार्य करवा रहे हैं जिससे अनहोनी की आशंकाएं लगातार बनी हुई है जबकि एनटीपीसी पावर प्लांट में बड़ी बड़ी घास उग आई है और जहरीले सांप और जंगली जानवरों का बसेरा अब बन चुका है पावर प्लांट लेकिन जिम्मेदार क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस ओर चुप्पी साध रखी है।

हाईवे पर छात्र को ट्रक ने रौंदा

जन एक्सप्रेस । कन्नौज

कन्नौज जिले के तालग्राम थाना क्षेत्र में मार्निंग वॉक पर निकले छात्र को ट्रक ने टक्कर मार दी । हादसे में छात्र की मौत हो गई। जैसे ही खबर गांव पहुंची, तो परिवार में कोहराम मच गया। तालग्राम क्षेत्र के हिम्मत नगला निवासी अवनीश कुमार यादव का इकलौता बेटा वैभव प्रकाश (17) छिबरामऊ में गनी मार्केट में किराये पर आवास लेकर दो छोटी बहनों के साथ रहता था।

किशोर हीरालाल इंटर कॉलेज में कक्षा नौ में पढ़ाई कर रहा था। शुक्रवार सुबह साढ़े चार बजे मॉर्निंग वॉक पर निकला था। नेशनल हाईवे पर कोतवाली छिबरामऊ के सराय सुंदर के पास ट्रक ने टक्कर मार दी, हादसे में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेजा है। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस फरार ट्रक चालक की तलाश में जुटी है।

सुबह अंधेरे का फायदा उठाकर ट्रक भाग गया है। सीसीटीवी कैमरों से ट्रक का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अधिशासी अधिकारी ने आकस्मिक निरीक्षण कर सफाई की जानी हकीकत

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

बिल्हौर नगर पालिका अधिशासी अधिकारी सुश्री अंजनी मिश्रा गांधी जयंती के उपलक्ष में सुबह ही नगर पालिका की गली-गली में घूम कर देखा की सफाई हुई कि नहीं हुई है वहीं पर कई जगह टीमें सफाई कर रही थी और ज्यादातर जगह में सफाई हो चुकी थी। उन्होंने सफाई करने वाले कर्मचारियों की सराहना की और बताया कि इसी तरह से हमेशा साफ सफाई होती रहनी चाहिए कभी भी किसी समय कोई भी आकर देख सकता हमारा उद्देश्य सफाई से हमें रहना है। गांधी जी की बताए हुए पद चिन्हो पर चलने के लिए हम सबको जागरूक होना है जब हम सब जागरूक होंगे तभी स्वच्छता का मूल उद्देश्य सफल होगा दिखावे के लिए नहीं सिर्फ हर आदमी यह मान ले कि हमें साफ सफाई से रहना है और इधर-उधर गंदगी नहीं फैलाना है सिर्फ चिन्हित स्थान पर ही कूड़ा आदि को डालना है। हमारे सफाई नायक हर जगह पर प्रतिदिन घूम-घूम कर सफाई करवा रहे हैं और लोगों को जागरूक करने के लिए हम लोग गली-गली जाकर जागरुक कर चुके हैं हमारा 15 दिन का पखवाड़ा सफाई के लिए सफल रहा है। महिला सभासदों के साथ में गमले के साथ पेड़ लगाकर फोटो खिचाता रही।

जहरखुरानी गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । मथुरा। जीआरपी को बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने ट्रेन में जहरखुरानी करने वाले दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों के कब्जे से चुराई गई नगदी और अन्य सामान बरामद किया गया है। ट्रेन में सफर के दौरान पहले दोस्ती और फिर जहरखुरानी। जीआरपी मथुरा टीम ने दो ऐसे शातिरों को गिरफ्तार किया है, जो ट्रेन में सफर के दौरान लोगों को भरोसे में लेकर उन्हें लूट लेते थे। पहले लच्छेदार बातें करके यात्री से दोस्ती करते थे, फिर मौका देखकर उन्हें पीने के लिए चाय या कोल्डड्रिंक देते थे। बातों का जाल इतना मजबूत होता था कि सामने बैठा यात्री चाहकर भी कोल्डड्रिंक, चाय पीने से मना नहीं कर पाता था। कुछ दिन पहले गिरोह ने मथुरा छपरा एक्सप्रेस में इसी अंदाज में जहरखुरानी का शिकार बनाया था। सीओ जीआरपी नजमुल हुसैन नकबी ने बताया कि आरोपी अली मोहम्मद और अशरफ अली के कब्जे से काफी सामान बरामद किया गया है।

बिल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बीमार बच्चों की बढ़ती जा रही संख्या

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो। बिल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इन दिनों बीमार बच्चों की संख्या बढ़ने लगी है अधीक्षक डॉ दिलीप कटियार ने बताया कि पिछले हफ्ते तक प्रतिदिन चार-पांच बच्चे बीमार आते थे इन दिनों प्रति दिन 20 से 25 बच्चे बीमार आ रहे हैं इन दिनों खांसी-जुकाम, पेट दर्द, बच्चों का रोना, उल्टी दस्त के भी मरीज आने लगे हैं उन्होंने बताया कि महिलाएं विशेष रूप से छोटे बच्चों पर ध्यान नहीं देती हैं बच्चों को गीले कपड़े में सुला देना, मां अपना दूध न पिला कर बोतल से दूध पिलाती हैं सबसे बड़ी बीमारी का खतरा है जिससे बच्चों के अंदर रोग प्रतिरोधक क्षमता समाप्त हो जाती है। और बच्चे बीमार पड़ने लगते हैं जो महिलाएं अपना स्तनपान कराती हैं उनके बच्चे कम बीमार पड़ते हैं। उन्होंने बताया कि अस्पताल में बच्चे, बृद्ध और जवान के लिए सभी दवाइयां पर्याप्त रूप से उपलब्ध हैं। कहीं पर कोई भी दबाए बाहर से नहीं लिखी जा रही हैं। अगर कोई मरीज बाहर से दवाई लिखने के लिए डॉक्टर पर दबाव डालते हैं तो डॉक्टर सीधे मना कर देते हैं। और वह कहते हैं उससे अच्छी दवाई अस्पताल में मौजूद हैं।

नौकरी के नाम पर ठगी: 50 हजार रुपये ठगे

जन एक्सप्रेस । मथुरा। मथुरा में नौकरी के नाम पर सरकारी कर्मचारी बनकर पैसा ऐंठने वाले एक अभियुक्त को दोषी करार देते हुए एसीजेएम (प्रथम) सोनिया वर्मा ने उसे दो साल की कैद व एक हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। थाना कोतवाली में जून 2022 को पीड़ित काजीपाडा निवासी अमित कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित ने आरोप लगाया था कि आरोपी शेखर रस्तोगी निवासी लखनऊ ने उसकी नौकरी लगाने के नाम पर 50 हजार रुपये की रकम ली थी। शेखर ने अपने को लोक भवन लखनऊ में अधिकारी बताया था। उसकी मुलाकात एक बाबा ने आश्रम में कराई थी। आरोपी ने पीड़ित के कागजात लिए और रकम अपने बैंक अकाउंट में डलवाई, लेकिन उसकी नौकरी नहीं लगी। रुपये वापस मांगने पर वह आनाकानी करने लगा। इस पर उसने रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की विवेचना कर आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया।

कान्हा की नगरी में निकली श्रीराम की बरात

प्रभु की एक झलक के लिए आतुर दिखे भक्त

जन एक्सप्रेस । मथुरा

रामलीला सभा द्वारा नगर में भगवान श्रीराम की बरात धूमधाम से निकाली गई। राम बरात में अपने आराध्य की एक झलक पाने को भक्तजन आतुर दिखे और जयश्रीराम के जयकारों के बीच भक्तों ने कदम-कदम पर पुष्पवर्षा कर बरात का स्वागत किया। लाल दरवाजा स्थित बाटी वाली कुंज से बृजधाम सेवा समिति के संयोजन में राम बरात ने बैंडबाजे और सात दर्जन कलात्मक झांकियों के साथ प्रस्थान किया। बरात चौक बाजार में किशन चंद्र शर्मा चैरिटेबिल ट्रस्ट के तत्वावधान में मनोज शर्मा एवं बादल शर्मा के संयोजन में बनी अवधपुरी पहुंची। यहां स्वागत के बाद स्वामी घाट, छत्ता बाजार, होली गेट होते हुए कोतवाली रोड, भरतपुर गेट स्थित विशाल और भव्य जनकपुरी पहुंची। राम बरात की अगुवाई कर रहे सजे धजे ऊंट, घोड़े पर सवार झंडे हाथ में थामे भक्तजन जयकारे लगा रहे थे। बरात का अनेक स्थानों पर आरती व पुष्प वर्षा कर नगरवासियों ने भव्य स्वागत किया गया। प्रभु राम एवं जानकी के विवाहोत्सव की लीला हुई। तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला के संयोजन में जनकपुरी समिति द्वारा मुनि वशिष्ठ, विश्वामित्र व राजा दशरथ का स्वागत किया। प्रभु राम ने जैसे ही जानकी को वरमाला पहनाई, भक्तों में उल्लास छा गया और उच्च स्वर में जयकारे लगाकर खुशी जताई।

राम बरात में ये रहे मौजूद

राम बारात में जयन्ती प्रसाद अग्रवाल, रविकांत गर्ग, गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, जुगलकिशोर अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, मूलचंद गर्ग, विजय सराफ किरोड़ी, प्रदीप सर्राफ पीके, शैलेश अग्रवाल सर्राफ, अजय, पं शशांक पाठक, संजय, नगेंद्र मोहन मित्तल, अजयकांत गर्ग, अमित भारद्वाज, प्रेम सर्राफ, मदनमोहन श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

राम बारात में निकली आकर्षक झांकियां

ढोल के थापों के बीच गणेश रथ, भगवान शिव, दुर्गा मां, राधकृष्ण, हनुमानजी, कैलाश देवी, बांकेबिहारी महाराज, खाटूश्याम, श्रीनाथजी, गिरिराज महाराज, बद्रीनाथ, यमुनाजी की आकर्षक झांकी निकाली गई। इसके अलाव काली अखाड़ा एवं भगवान विष्णु के अवतारों की झांकियां आकर्षक का केंद्र रही।

प्रशिक्षु आईपीएस/एसीपी ने लगाई थानेदार और दरोगाओं की क्लास

- बोले आईजीआरएस के मामले जल्द निपटाएं
- हिस्ट्रीशीटर पर बनाये रखें नजर
- अंतिम पर्चे पर लटकी विवेचनाओं को जल्द पूरा करें

जन एक्सप्रेस । बिल्हौर ब्यूरो

तहसील क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थित में प्रशिक्षु आईपीएस /एसीपी सुमित रामटेके ने बुधवार को तहसील सभागार में त्योहारों के मद्देनजर पुलिस सर्किल के थानेदार और दरोगाओं की बैठक बुलाई। इस दौरान बिल्हौर, ककवन, अरौल, चौबेपुर, शिवराजपुर सभी थानेदारों से उनके क्षेत्र के बारे में जानकारी ली। और बेहतर पुलिसिंग देने की रूपरेखा तैयारी की। इस दौरान क्षेत्र के अपराधियों पर कार्रवाई करने का सख्त निर्देश दिया। और हिस्ट्रीशीटर एवं सक्रिय अपराधियों पर नजर रखने को कहा। एसीपी ने लंबित विवेचनाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। कहा कि सभी थानाध्यक्ष सुनिश्चित करें कि अनावश्यक रुप से विवेचनाओं को लंबित न रखा जाए। इसकी वे खुद निगरानी करें। और अंतिम पर्चे पर लटकी विवेचनाओं को जल्द पूरा कराएं।

आगामी त्योहार पर भी चर्चा की गई

थानेदार और दरोगाओं के साथ पीस कमेटी के सदस्य भी मौजूद रहे। सभी हिन्दू मुस्लिम नेता मौजूदगी में एसीपी सुमित रामटेके ने आगामी त्योहार को लेकर पीस कमेटी के सदस्यों से चर्चा की और आने वाली समस्याओं के बारे मे पूछा तथा त्योहार पर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर स्थानीय पुलिस को सूचना देने की बात कही। कानून का उलंघन करने वाले को छोड़ा नहीं जाएगा।

खुले में बिक रहे कुट्टू के आटे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध

जन एक्सप्रेस । मथुरा

मथुरा में जन्माष्टमी पर कुट्टू के आटे से बने पकवान खाने से 10 गांव के 250 से अधिक लोग बीमार हो गए थे। नवरात्र में खाद्य विभाग इस तरह का कोई खतरा मोल लेना नहीं चाहता है। यही कारण है कि खुले में बिक्री होने वाले कुट्टू आटे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है।

इसके साथ ही नवरात्र में फलाहार के रूप में प्रयोग होने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में 6 खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए साथ ही पांच किलो कुट्टू का आटा नष्ट कराया।

बृहस्पतिवार को खाद्य विभाग के सहायक आयुक्त (द्वितीय) धीरेंद्र प्रताप सिंह के निर्देशन में मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु अभियान चलाया गया। इस दौरान कुट्टू, सिंघाड़े का आटा, सूखे मेवे, मूंगफली, साबूदाना, रामदाना व अन्य फलाहार की गुणवत्ता सुनिश्चित कराए जाने तथा हानिकारक रसायनों से कृत्रिम रूप से पकाए गए फलों के भंडारण, विक्रय को प्रतिबंधित करने के उद्देश्य से गोविंद नगर, सदर, गोवर्धन, वृंदावन समेत कई स्थानों पर चेकिंग की गई।

सहायक आयुक्त ने बताया कि गोवर्धन तहसील में बड़ा बाजार से साबूदाने का, वृंदावन स्थित निर्माण इकाई से व्रत का आटे का, गोविंद नगर से कुट्टू के आटे का, सदर तहसील में बाद से कुट्टू, गिरी, बरारी में खुले कुट्टू का आटा और औरंगाबाद में सावां चावल के नमूने लिए गए।

इसके साथ ही लगभग 5 किलोग्राम खुले कुट्टू के आटे को नष्ट कराया गया। सभी छह सैंपलों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

जांच रिपोर्ट में यदि सैंपल फेल हुए दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान खाद्य सचल दल में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञान पाल सिंह, गजराज सिंह, दलबीर सिंह, मोहर सिंह, धर्मेद्र सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह और खाद्य सुरक्षा अधिकारी भरत सिंह मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण को पाने के लिए राधारानी ने की थी मां दुर्गा की पूजा

जन एक्सप्रेस । मथुरा। द्वापर में रासेश्वर कृष्ण ने मोहिनी बांसुरी और अनूठी लीलाओं से ब्रज की गोपिकाओं को अपने प्रेमाकर्षण में बांध लिया था। गोपिकाएं तो बलिहारी थीं। उन्होंने कृष्ण को पति के रूप में पाने के लिए मां कात्यायनी की आराधना की। तब से अब तक युवतियां की ओर से सुयोग्य वर के लिए मां की आराधना की परंपरा चली आ रही है। भागवत पुराण में उल्लेख है कि ब्रज की गोपिकाओं ने श्रीकृष्ण को पति रूप में पाने का मन में विचार बनाया। ब्रज लीला के तत्वज्ञ गर्ग मुनि ने गोपिकाओं के इस मनोभाव को जानकर भगवान श्रीकृष्ण को सचेत कर दिया।

मथुरा की पंचकोसीय परिक्रमा मार्ग पर बनेंगे दो अंडरपास

जन एक्सप्रेस । मथुरा

मथुरा में पंचकोसीय परिक्रमा में अब परिक्रमार्थियों को आगरा-दिल्ली रेलवे लाइन के ऊपर से नहीं गुजरना होगा। रेलवे शिवताल और पोतराकुंड के निकट दो अंडरपास बनाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें वर्चुअल रूप से डीआरएम तेज प्रकाश अग्रवाल भी जुड़े।

बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान परिषद के सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि परिषद मथुरा की पंचकोसीय परिक्रमा का सौंदर्यीकरण करने जा रहा है। इस पर करीब 20 करोड़ की लागत आ रही है। इस कार्य में पोतराकुंड और शिवताल के निकट रेलवे लाइन सुगमता पूर्ण परिक्रमा में बड़ी बाधा है। यहां परिक्रमार्थियों को लाइन के ऊपर से गुजरना पड़ता है। यहां अंडरपास की आवश्यकता है।

पोतराकुंड के लिए भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के निकट अंडरपास प्रस्तावित है। अब शिवताल के निकट नया अंडरपास बनना चाहिए। इस पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान से गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने मौजूदा पुलिया की जानकारी दी। परिषद के उपाध्यक्ष ने सीईओ श्याम बहादुर सिंह के नेतृत्व में स्थलीय निरीक्षण के निर्देश दिए।

स्थलीय निरीक्षण को पहुंचे दल ने शिवताल के निकट रेलवे पुलिया को देखा, जिसमे कीचड़ और पानी भरा था। रेलवे अधिकारियों ने निकट ही बीएसए कॉलेज के सामने नया अंडरपास बनाए जाने का प्रस्ताव दिया, जो परिक्रमा मार्ग का हिस्सा बना रहेगा। साथ ही पुलिया के सुधार की बात की। इसके बाद अधिकारियों ने भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के निकट प्रस्तावित अंडरपास स्थल को देखा। इस अंडरपास को आम रास्ते से जोड़ने के लिए सड़क निर्माण के निर्देश सीईओ ने मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता प्रशांत गौतम को दिए।

कैदियों को भी गरिमा के साथ जीने का अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सम्मान के साथ जीने का अधिकार कैदियों को भी है और कैदियों को इससे वंचित करना उपनिवेशवादियों और उपनिवेश-पूर्व तंत्र दर्शाता है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने गुरुवार को दिए गए ऐतिहासिक फैसले में यह टिप्पणी की। पीठ ने कैदियों के प्रति जाति आधारित भेदभाव, जैसे शारीरिक श्रम का विभाजन, बैरकों का विभाजन आदि पर रोक लगा दी। पीठ ने उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश सहित 10 राज्यों के कुछ आपत्तिजनक जेल मैनुअल नियमों को असंवैधानिक करार दिया। सीजेआई ने 148 पन्नों का फैसला लिखते हुए संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता), 15 (भेदभाव का निषेध), 17 (अस्पृश्यता का उन्मूलन), 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) और 23 (जबरन श्रम के खिलाफ अधिकार) के तहत मौलिक अधिकारों का जिक्र किया।

'भेदभावपूर्ण कानूनों की पहचान की जानी चाहिए'

पीठ ने कहा कि इतिहास में, ऐसी भावनाओं ने कुछ समुदायों के नरसंहार को जन्म दिया है। भेदभाव से भेदभाव किए जाने वाले व्यक्ति का आत्म-सम्मान भी कम होता है। इससे अवसरों का अनुचित हनन हो सकता है और लोगों के एक समूह के खिलाफ लगातार हिंसा हो सकती है। भेदभाव किसी ऐसे व्यक्ति का लगातार उपहास या अपमान करके भी किया जा सकता है, जो सामाजिक तौर से कमजोर है। यह किसी व्यक्ति को आघात पहुंचा सकता है जिससे वह अपने पूरे जीवन प्रभावित हो सकता है। भेदभाव में हाशिए पर पड़े सामाजिक समूह की पहचान या उसके अस्तित्व को कलंकित करना भी शामिल है। सीजेआई ने कहा, भारत के संविधान के लागू होने से पहले बनाए गए भेदभावपूर्ण कानूनों की जांच की जानी चाहिए और उन्हें खत्म किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, मानव गरिमा मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग है और इससे अविभाज्य है। यह जीवन के अधिकार में ही निहित है।

कैदियों को सम्मान न देना उपनिवेश काल की पहचान

अपने फैसले में पीठ ने कहा कि, %सम्मान के साथ जीने का अधिकार कैदियों का भी है। कैदियों को सम्मान न देना उपनिवेशवादियों और पूर्व-औपनिवेशिक तंत्रों का अवशेष है, जहां दमनकारी व्यवस्थाएं राज्य के नियंत्रण में रहने वाले लोगों को अमानवीय और अपमानित करने के लिए डिज़ाइन की गई थीं। संविधान से पहले के युग के सत्तावादी शासन ने जेलों को न केवल कारावास के स्थान के रूप में देखा, बल्कि वर्चस्व के उपकरण के रूप में भी देखा। संविधान द्वारा लाए गए कानूनी ढांचे के आधार पर इस न्यायालय ने माना है कि कैदियों को भी सम्मान का अधिकार है। फैसले में संविधान के अनुच्छेद 15 का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें जाति, धर्म, भाषा आदि के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है। पीठ ने कहा कि अगर सरकार ही नागरिकों से भेदभाव करेगी तो यह सबसे बड़ा भेदभाव है, क्योंकि सरकार से उम्मीद की जाती है कि वह भेदभाव को खत्म करेगी।

देवी का तृतीय स्वरूप

चन्द्रघण्टा

नवरात्रि विशेष आज शारदीय नवरात्रि का तृतीय दिवस है। दो दिनों के पूजनोपरांत आज भक्तजन माँ के तृतीय स्वरुप का पूजन कर उन्हें प्रसन्न करेंगे। यह दिवस माता चन्द्रघण्टा को समर्पित है। एक तरफ श्रद्धालु माँ को प्रसन्न करने हेतु पूजन, जाप, कन्या भोजन कराने में मगन है तो वही दूसरी ओर देश भर के श्रद्धालु पूजा पंडालों में दिन-रात एक कर उसे सजाने में व्यस्त है। सभी भक्तों के मन में एक अलग उत्साह एवं उमंग देखने को मिल रहा है। हर्ष व उल्लास के महानतम उत्सव नवरात्रि के अलग-अलग दिवस जन एक्सप्रेस क्रमशः देवी के अलग स्वरूप आदि के बारे प्रकाशित कर रहा है। इसी कड़ी में आज पढिये देवी चन्द्रघन्टा के स्वरूपादि के बारे में।

चन्द्रघण्टा स्तोत्र

!! ध्यान !!
वन्दे वाच्छित लाभाय चन्द्रर्घकृत शेखराम्।
सिंहारूढा दशभुजां चन्द्रघण्टा यशंस्वनीम्॥
कंचनाभां मणिपुर स्थितां तृतीयं दुर्गा त्रिनेत्राम्।
खड्ग, गदा, त्रिशूल, चापशंर पद्म कमण्डलु माला वराभीतकराम्॥
पटाम्बर परिधानां मृदुहास्यां नानालंकार भूषिताम्।
मंजीर हार, केयूर, किंकिणि, रत्नकुण्डल मण्डिताम्॥
प्रफुल्ल वंदना बिबाधारा कांत कपोलां तुग कुचाम्।
कमनीयां लावाण्यां क्षीणकटिं नितम्बनीम्॥

!! स्तोत्र !!
आपद्धद्धयी त्वंहि आधा शक्तिः शुभा पराम्।
अणिमादि सिद्धिदात्री चन्द्रघण्टे प्रणमाम्यीहम्॥
चन्द्रमुखी इष्ट दात्री इष्ट मंत्र स्वरूपणीम्।
धनदात्री आनंददात्री चन्द्रघण्टे प्रणमाम्यहम्॥
नानारूपधारिणी इच्छामयी ऐश्वर्यदायनीम्।
सौभाग्यारोग्य दायिनी चन्द्रघण्टे प्रणमाम्यहम्॥

!! देवी चन्द्रघण्टा का कवच !!
रहस्यम् श्रुणु वक्ष्यामि शैवेशी कमलानने।
श्री चन्द्रघण्टास्य कवचम् सर्वसिद्धिदायकम्॥
बिना न्यासम् बिना विनियोगम् बिना शापोध्दा बिना होमम्।
स्नानम् शौचादि नास्ति श्रद्धामात्रेण सिद्धिदाम॥
कुशिष्याम् कुटिलाय वञ्चकाय निन्दकाय च।
न दातव्यम् न दातव्यम् न दातव्यम् कदाचितम्॥

देवी चन्द्रघण्टा की शक्ति

इस दिन साधक का मन मणिपुर चक्र में स्थित होता है। चन्द्रघण्टा के स्पंदन से मनुष्य में स्पष्ट और उचित निर्णय की क्षमता पूर्ण चमक व धमक के साथ प्रकट होती है। दिव्य सुगंधियों का अनुभव होता है। व्यक्ति में बौद्धिक क्षमता का विकास, स्वयं पर विश्वास व ज्ञान के प्रकाश का संचार होता है। देवी के कृपा से समस्त पाप और बाधाएँ शीघ्र दूर हो जाते हैं। देवी का ध्यान इहलोक एवं परलोक दोनों के लिए कल्याणकारी एवं सद्गति देने वाला है। इनके कृपा से साधक के जीवन में किसी चीज की कमी नहीं रह जाती है। इनका उपासक सिंह की तरह पराक्रमी होता है और सभी प्रकार के भय से दूर हो जाता है।

देवी चन्द्रघण्टा को प्रिय

देवी को लाल वर्ण यानी लाल रंग पसन्द है। इसलिए माँ को लाल पुष्प चढ़ाना चाहिए। गुड़हल का पुष्प देवी को अर्पित करना चाहिए। देवी को सफेद कमल का पुष्प भी अर्पित करना लाभकारी है। रक्त चन्दन और लाल चुनरी समर्पित करना भी उत्तम है। पूजा में दूध या दूध से बनी चीजों का भोग लगाना चाहिए। लाल सेव तथा शहद का भी भोग लगाया जा सकता है। भूरे रंग के कपड़े को पहनकर देवी का पूजन करना उत्तम है।

ध्यान मन्त्र

राजीव नन्दन मिश्र

पिण्डजप्रवरारुढा चण्डकोपास्त्रकैर्युता। प्रसादं तनुते मह्यं चन्द्रघण्टेति विश्रुता।।

नवरात्रि के तीसरे दिन देवी चन्द्रघण्टा का पूजन एवं अराधना किया जाता है। इनके मस्तक अर्थात ललाट पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र सुशोभित हो रहा है इसी कारण से इन्हें चन्द्रघण्टा कहा जाता है। इनका शरीर स्वर्ण के समान अत्यन्त चमकीला है। माँ के दस हाथ है। दसों हाथ अस्त्र, कमल पुष्प, कमण्डल खड्गादि से सुशोभित हो रहे है। सिंह पर सवार देवी चन्द्रघण्टा असुरों के संहार हेतु युद्ध के लिए सदैव तत्पर रहती है। वह अपने भक्तों की रक्षा एवं मनवांछित फल देने के लिए भी सदा तत्पर रहती है। माँ चन्द्रघण्टा श्रद्धालु भक्तों की भय पीड़ा व दु:खों को मिटाने वाली है। भक्त जनों के मनोरथ को पूर्ण करने वाली है। माँ भयंकर दैत्य सेनाओं का संहार करके देवताओं को उनका भाग दिलाने वाली है। भक्तों को वांछित फल दिलाने वाली हैं। देवी सम्पूर्ण जगत की पीड़ा का नाश करने वाली है। जिससे समस्त शास्त्रों का ज्ञान होता है, वह मेधा शक्ति हैं। भव सागर से उतारने वाली है। इनका मुख मंद मुस्कान से सुशोभित, निर्मल, पूर्ण चन्द्रमा के बिम्ब का अनुकरण करने वाला और उत्तम सुवर्ण की मनोहर कान्ति से कमनीय है। असुर शक्ति इन्हें देख ही कांप उठती है। इनका स्वरूप सुन्दर, मोहक, अलौकिक कल्याणकारी एवं शांतिदायक है।

देवी चन्द्रघण्टा की कथा

पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार महिषासुर असुरों का राज अर्थात स्वामी था। अधर्म, अत्याचार ही उसका मुख्य उद्देश्य था। पूरे जगत पर वह एकक्षत्र राज चाहता था। वह देवराज इन्द्र का सिंहासन पाना चाहता था। देवराज इन्द्र आदि देव अपने सिंहासन की रक्षा हेतु महिषासुर से युद्ध करने लगे। परन्तु महिषासुर उन पर भारी पड़ रहा था। देवगण अपने पर हो रहे इस प्रकार का अत्याचार देख परेशान हो गए और इस समस्या से निकलने का उपाय जानने के लिए त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश के पास पहुंचे। देवताओं के मुख से महिषासुर के अत्याचार को जानकर तीनों देव अत्यंत क्रोधित हुए। उस क्रोध के कारण उनके मुख से ऊर्जा उत्पन्न हुई। इसी ऊर्जा से देवी का अवतरण हुआ। देवी को शिवजी ने अपना त्रिशूल, भगवान विष्णुजी ने अपना चक्र प्रदान किया। वहीं ब्रह्माजी ने अपना कमंडल दिया। इस प्रकार सभी देवताओं ने देवी को कुछ-न-कुछ भेंट किया। जैसे इंद्रदेव से माँ भगवती को वज्र एवं ऐरावत हाथी मिला तो भगवान सूर्यदेव ने उन्हें अपना तेज भेंट किया। सबसे आज्ञा पाकर देवी चन्द्रघण्टा महिषासुर के साथ युद्ध की और अन्ततः घण्टे की टंकार से उसका सर्वनाश कर सभी देवताओं एवं धर्म की रक्षा की।

एससीओ समिट के लिए विदेश मंत्री जयशंकर पाकिस्तान जाएंगें

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने बताया है कि शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत से विदेश मंत्री पाकिस्तान दौरे पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर के पाकिस्तान दौरे पर एक प्रतिनिमंडल साथ जाएगा। बता दें कि इस्लामाबाद में एससीओ समिट आगामी 15-16 अक्तूबर को प्रस्तावित है। शंघाई सहयोग संगठन की इस बैठक में भारत और पाकिस्तान के अलावा कजाखस्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान के शीर्ष नेता भी शरीक होंगे।

मालदीव के राष्ट्रपति पहली द्विपक्षीय यात्रा करेंगे

इसके अलावा मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू का भारत दौरा भी प्रस्तावित है। उन्होंने कहा, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू 7 से 10 अक्टूबर 2024 तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। यह उनकी भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। इससे पहले जून, 2024 में भी मुइज्जू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत आए थे। मुइज्जू बेंगलुरु और मुंबई भी जाएंगे। इन शहरों में उनके व्यापारिक कार्यक्रम होंगे।

पश्चिम एशिया में फंसे लोगों के पास सुरक्षित जगहों पर जाने का विकल्प

पश्चिम एशिया के संकट पर विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत ने कुछ दिन पहले एक बयान जारी कर गहरी चिंता व्यक्त की थी। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, %हमने कहा कि हिंसा और स्थिति हमारे लिए गहरी चिंता का विषय है। हमने सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा का पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, हमारी राय में यह महत्वपूर्ण है कि हिंसक संघर्ष व्यापक क्षेत्रीय आयाम न ले ले... अभी तक, इस्राइल, ईरान और अन्य देशों से उड़ानें संचालित की जा रही हैं। इसलिए लोगों के पास विकल्प है कि वे सुरक्षित जगहों पर जा सकते हैं।

लेबनान-ईरान और इस्राइल में कितने भारतीय हैं?

उन्होंने बताया कि संकट में फंसे परिवारों ने भारत सरकार और हमारे दूतावासों से संपर्क किया है, लेकिन फिलहाल सरकार कोई निकासी प्रक्रिया नहीं चला रही है। लेबनान में हमारे करीब 3,000 लोग हैं, जिनमें से ज़्यादातर बेरूत में हैं... ईरान में, हमारे करीब 10,000 लोग हैं, जिनमें से करीब 5,000 छात्र हैं... इस्राइल में, हमारे करीब 30,000 लोग हैं जिनमें से ज्यादातर देखभाल करने वाले और कर्मचारी हैं।

जाकिर नाइक का पाकिस्तान में स्वागत निंदनीय, लेकिन ये बात हैरानी की नहीं

पाकिस्तान दौरे पर गए जाकिर नाइक से जुड़े एक सवाल पर विदेश मंत्रालय ने कहा, हमने वे रिपोर्ट्स देखी हैं जिसमें जाकिर नाइक को पाकिस्तान में लाने की खबरें हैं। उसका गर्मजोशी से स्वागत किया भी किया गया है। हमारे लिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि एक भारतीय भगोड़े का पाकिस्तान में उच्च-स्तरीय स्वागत किया गया है। यह निराशाजनक और निंदनीय है लेकिन आश्चर्यजनक नहीं है

विजया दशमी से पहले बाढ़ पीड़ितों को मिलेंगे सात-सात हजार रुपये : नीतीश

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। दरभंगा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा है बाढ़ पीड़ितों को सात-सात हजार रुपये दिए जाएंगे। शुक्रवार दोपहर दरभंगा के इंडोर स्टेडियम में बाढ़ पीड़ितों के लिए तैयार किये जा रहे फूड पैकेट का जायजा लिया और उपस्थित जिलाधिकारी सहित सम्बंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किया है। उन्होंने अधिकारियों को जल्द से जल्द बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री पहुचाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विजया दशमी से पहले बाढ़ पीड़ितों के बैंक खाते में सहायता राशि भेजने का निर्देश दिया। बाढ़ग्रस्त इलाके का दौड़ा करने निकल गए हैं इंडोर स्टेडियम फूड पैकेजिंग का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री किरतपुर कुशेस्वरस्थान प्रखंड के बाढ़ग्रस्त इलाके का दौड़ा करने निकल गए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर बिहार के समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने भी बाढ़ पीड़ितों को सात-सात हजार रुपये देने की बात कही है। यह पैसा दुर्गा पूजा से पहले नौ अक्टूबर तक पीड़ितों को खाता में ट्रांसफर कर दिया जायेगा। मंत्री सहनी ने बताया कि लगभग 50 हजार पीड़ितों के बीच सात-सात हजार रुपये भेजे जाएंगे।

बाढ़ राहत के लिए हाइवे जाम कर हंगामा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले के बाढ़ पीड़ितों ने अपनी मांगों को लेकर नेशनल हाईवे एनएच-77 पर जोरदार हंगामा किया और सड़क को जाम कर दिया। घटना औराई थानाक्षेत्र के बेदौल ओपी क्षेत्र स्थित गोपालपुर के पास की है। बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित ग्रामीणों ने तीन घंटे तक एनएच-77 को जाम रखा, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक के बाद स्थिति बिगड़ गई, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया। इस दौरान गोली चलने की बात भी सामने आई, पर इसे अफवाह माना जा रहा है।

बाढ़ पीड़ितों की समस्याएं और जाम का कारण

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि वे कई दिनों से बाढ़ की विभीषिका झेल रहे हैं, लेकिन प्रशासन से उन्हें किसी भी प्रकार की मदद नहीं मिल रही है। न तो भोजन-पानी की व्यवस्था है, न ही पशुओं के लिए चारा और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही और क्षेत्र में राहत कार्यों की कमी से नाराज होकर ग्रामीणों ने इस विरोध प्रदर्शन का रास्ता चुना। उनकी मांग है कि बाढ़ पीड़ितों के लिए मुआवजा और राहत सामग्री जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक

वहीं, जाम की सूचना मिलने पर औराई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। पुलिस और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे हालात और बिगड़ गए। ग्रामीण एसपी विद्या सागर ने बताया कि जाम हटाने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा और स्थिति को काबू में करने के लिए लाठीचार्ज किया गया।

फायरिंग की अफवाहों को लेकर पुलिस का खंडन

हंगामे के बीच फायरिंग की खबरें भी सामने आईं, लेकिन पुलिस ने इस बात से इनकार कर दिया। एसपी विद्या सागर ने स्पष्ट किया कि केवल हल्का बल प्रयोग किया गया और किसी प्रकार की फायरिंग नहीं की गई। उनका कहना था कि स्थिति को जल्द से जल्द नियंत्रित करने के लिए यह आवश्यक कदम उठाया गया था, ताकि आवागमन बहाल हो सके।

मौके पर स्थिति हुई सामान्य

लाठीचार्ज के बाद स्थिति सामान्य हुई और करीब तीन घंटे बाद ह॥-77 को फिर से चालू कर दिया गया। हालांकि, ग्रामीणों का असंतोष अभी भी बना हुआ है और वे प्रशासन से जल्द से जल्द राहत और मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। यह घटना प्रशासन और बाढ़ पीड़ितों के बीच बढ़ते असंतोष का प्रतीक है, जो यह दर्शाता है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों की आवश्यकता कितनी जरूरी है।

तेहरान की ग्रैंड मस्जिद से सुप्रीम लीडर खामनेई का ऐतिहासिक भाषण, मुस्लिम देशों से एकजुटता की अपील

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। तेहरान

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई ने शुक्रवार को तेहरान में जुमे की नमाज के बाद मौजूद लोगों की भीड़ को संबोधित किया। तेहरान की ग्रैंड मस्जिद से दिए गए इस भाषण में खामनेई ने मुस्लिमों से एकजुटता की अपील की। तेहरान में स्थित ग्रैंड मस्जिद में हिजबुल्ला नेता हसन नसरल्ला और ईरान के जनरल अब्बास निलफोरशान की याद में दुआ का आयोजन किया गया। इसके बाद जुमे की नमाज हुई, जिसका नेतृत्व ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामनेई ने किया। इस दौरान खामनेई के भाषण को देश के नाम संबोधन कहा जा सकता है।

इस्राइल पर किए गए मिसाइल हमले को सही ठहराया

अपने संबोधन में खामनेई ने कहा कि अगर सभी मुस्लिम एकजुट हो जाएं तो इससे सभी दुश्मनों की हार होगी। दुश्मनों का अहंकार मुस्लिमों के बीच बंटवारे और मतभेदों को दर्शाता है। खामनेई ने हाल ही में इस्राइल पर किए मिसाइल हमलों को सही ठहराया। उन्होंने कहा कि इस्राइल पर किया गया मिसाइल हमला सही और कानूनी तौर पर ठीक था। हर देश को अपने हितों और अपने घर की रक्षा करने का अधिकार है। फलस्तीन और लेबनान के मुस्लिमों पर हमला किया जा रहा है। ऐसे में ईरान ने मिसाइलों से जवाब दिया।

बदल गया केजरीवाल का पता, पीएम मोदी के और करीब पहुंचे

केजरीवाल ने कहा था कि वे मुख्यमंत्री का पदभार तभी ग्रहण करेंगे जब जनता की अदालत में उन्हें बेदाग होने का सर्टिफिकेट मिल जाएगा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

शराब घोटाले में अदालत से जमानत पाने के बाद अरविंद केजरीवाल ने 17 सितंबर को मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया था। आम आदमी पार्टी और स्वयं केजरीवाल ने इसे उनका बड़ा त्याग बताया था। केजरीवाल ने कहा था कि वे मुख्यमंत्री का पदभार तभी ग्रहण करेंगे जब जनता की अदालत में उन्हें बेदाग होने का सर्टिफिकेट मिल जाएगा। उसी समय उन्होंने यह घोषणा कर दी थी कि वे अपना मुख्यमंत्री आवास भी छोड़ देंगे। आज नवरात्रि के दूसरे दिन उन्होंने 6, फ्लैगस्टाफ रोड वाला बंगला छोड़ दिया है। अब वे 5, फिरोजशाह रोड के बंगले पर रहेंगे जो उनकी पार्टी के सांसद अशोक मित्तल को एलॉट किया गया है।

पीएम मोदी हुए करीब

मुख्यमंत्री के रुप में पिछले करीब दस साल से अरविंद केजरीवाल अब तक 6, फ्लैगस्टाफ रोड, सिविल लाइन में रहते आए थे। यहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आवास 7, लोक कल्याण मार्ग करीब 14 किलोमीटर दूर था। दिल्ली के आम दिनों की ट्रैफिक में यह दूरी करीब एक घंटे में तय हो सकती है। लेकिन अब वे लुटियन जोन में आ गए हैं। पार्टी सांसद अशोक मित्तल को 5, फिरोजशाह रोड पर बंगला एलॉट हुआ है। अब केजरीवाल अपने परिवार के साथ यहीं रहेंगे। इस बंगले से प्रधानमंत्री के आवास की दूरी केवल पांच किलोमीटर ही रह गई है। नई संसद तो इससे भी आधी यानी करीब 2.4 किलोमीटर ही रह गई है। यानी इस नए बंगले में आकर अरविंद केजरीवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के और करीब आ गए हैं। अब वे ज्यादा जोर से भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरने की कोशिश कर सकेंगे।

विवादों का पिटारा नहीं खोलेंगे

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि केजरीवाल के बाद मुख्यमंत्री वाले बंगले में कौन रहेगा, लेकिन इतना साफ है कि दिल्ली सरकार किसी भी हालत में इसे अपने नियंत्रण में रखेगी। इस बंगले के निर्माण और साज-सज्जा में भारी अनियमितता होने के आरोप भाजपा लगाती आई है। यदि किसी भी कारण से चुनाव के पहले इस बंगले पर उपराज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार का नियंत्रण हो जाता है तो बंगले से वे जिन्न बाहर आ सकते हैं जो अरविंद केजरीवाल के लिए नई मुसीबत बन सकते हैं। चतुर राजनेता बन चुके केजरीवाल चुनावों के बीच गलती से भी ऐसा अवसर भाजपा को नहीं देंगे। लिहाजा माना जा रहा है कि यह बंगला मुख्यमंत्री आतिशी मारलेना को आवंटित किया जा सकता है। हालांकि, जब वे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठीं तो वे इस बंगले में भला क्यों रहेंगी। यानी यह बंगला भी मुख्यमंत्री की कुर्सी की तरह चुनाव होने तक अरविंद केजरीवाल का इंतजार करेगा।

भाजपा ने किया हमला

आम आदमी पार्टी इसे अरविंद केजरीवाल का त्याग बता रही है। लेकिन भाजपा ने इसे अरविंद केजरीवाल की एक और नौटंकी करार दिया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना अरविंद केजरीवाल का त्याग नहीं, उनकी मजबूरी थी। अदालत ने उन्हें कार्यालय जाने और किसी फाइल पर हस्ताक्षर करने पर रोक लगा दी थी। ऐसे में वे मुख्यमंत्री पद पर काम नहीं कर सकते थे। लिहाजा मजबूर होकर उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल को मुख्यमंत्री आवास खाली करना ही था। चुनाव के बाद वैसे भी उन्हें अपने घर लौटकर जाना था, अच्छा हुआ कि उन्होंने पहले से ही इसकी तैयारी कर ली। लेकिन यह भी उनकी लोगों की सहानुभूति पाने की कोशिश है, लेकिन शराब घोटाले, स्वास्थ्य और शिक्षा घोटाले में बुरी तरह दागदार साबित हो चुके अरविंद केजरीवाल को अब जनता की सहानुभूति भी नहीं मिलेगी।

जब चाहा तब जंतर-मंतर

चूंकि, आम आदमी पार्टी को एलॉट हुआ नया बंगला 1, पंडित रविशंकर शुक्ला लेन फिरोजशाह रोड के ठीक पीछे ही है, अब वे दिल्ली विधानसभा चुनाव की सारी गतिविधियां यहीं से संचालित करेंगे। उनका आवास और पार्टी कार्यालय अधिक करीब होने से वे पार्टी की गतिविधियों के लिए अधिक समय दे सकेंगे। आम बोलचाल में धरना स्थल का नाम पा चुका जंतर-मंतर भी इसके ठीक पास में ही है। कभी अरविंद केजरीवाल की राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र जंतर-मंतर ही हुआ करता था। जमानत पाने के बाद भी उन्होंने सबसे पहली जनता की अदालत यहीं लगाई थी। अब चुनाव के बीच जब भी उन्हें लगेगा कि देश में लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है, वे आसानी से जंतर-मंतर की राह पकड़ सकेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबंध संपादक- मनोज तिवारी) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)